राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, मंगलवार, 02 जून 2026
वर्ष 07, अंक 236, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मलिहाबाद के घुसौली गांव में नालियों का पानी सड़क पर, डेढ़ साल से ग्रामीण परेशान...06

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर ब्रेक! इजराइल के लेबनान अभियान से भड़का तेहरान...12

नीट-यूजी परीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, ओएमआर शीट से ही होगी परीक्षा

- सीबीटी की मांग खारिज
- नीट-यूजी री-टेस्ट इस साल पेन-पेपर मोड से ही होगा. सुप्रीम कोर्ट ने कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) की याचिका खारिज की. जानिए हज्र का अगला प्लान.

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उ याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें 21 जून को होने वाले राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET)-यूजी 2026 के री-टेस्ट को मौजूदा पेन एंड पेपर फॉर्मेट के बजाय कंप्यूटर आधारित टेस्ट (CBT) मोड से कराने की मांग की गई थी. कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की है।

यह मामला जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और अरविंद कुमार की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया. शुरू में ही बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील को साफ कर दिया कि वह इस अर्जी पर सुनवाई करने के लिए तैयार नहीं है।

नीट-यूजी परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें नीट-यूजी परीक्षा को तत्काल कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) यानी ऑनलाइन मोड में आयोजित करने की मांग की गई थी। इसके साथ ही साफ हो गया है कि इस साल होने वाली नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा पुराने पेन-पेपर मोड यानी ओएमआर शीट के माध्यम से ही आयोजित की जाएगी।

नीट परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और पेपर लीक से मुक्त बनाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। यह याचिका आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अनुभव गर्ग, आईएमए के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. ध्रुव चौहान और राजनीतिक नेता हरिशरण देवगन की ओर से दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए तत्काल कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया और मौजूदा व्यवस्था को बरकरार रखा।

सुनवाई के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में स्पष्ट किया कि वह अगले साल से नीट परीक्षा को कंप्यूटर बेस्ड मॉडल पर ले जाने की दिशा में तैयारी कर रही है। इससे संकेत मिलते हैं कि भविष्य में देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा का स्वरूप बदल सकता है, लेकिन फिलहाल इस साल की परीक्षा पुराने पेन-पेपर मोड में ही होगी।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी बनाए हुए है। पिछले सप्ताह कोर्ट ने इस मामले में एनटीए और

शिक्षा मंत्रालय से विस्तृत जवाब भी मांगा था। परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं और छात्रों के भविष्य से किसी तरह का समझौता नहीं होने दिया जाएगा। नीट परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने फिलहाल इस साल की परीक्षा प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। वहीं, अगले साल से संभावित CBT मॉडल को लेकर अब सभी की निगाहें एनटीए की तैयारियों पर टिकी रहेंगी।

29 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक की वजह से नीट-यूजी 2026 के कैंसिल होने को 'ट्रॉमेटिक' बताया, और कहा कि यह बहुत ज़्यादा भावनाओं और उम्मीदों का इन्वेस्टमेंट है, साथ ही लीक के बारे में कई सवाल भी पूछे। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि जवाबदेही आवश्यक है - जिम्मेदारी पहचाने जाने योग्य व्यक्तियों द्वारा उठाई जानी चाहिए और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) से संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) से सीखने का आग्रह किया, जिसने कभी ऐसे उल्लंघन का सामना नहीं किया है. सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि प्रधानमंत्री खुद नीट पेपर लीक मामले की निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई कमी न रहे।

सरकार और कोर्ट सख्त, पीएम मोदी की नजर

नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी रख रहा है. आपको बता दें कि पिछले हफ्ते ही कोर्ट ने एनटीए और शिक्षा मंत्रालय से पेपर लीक पर विस्तृत जवाब मांगा था. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और छात्रों के भविष्य से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

अभिषेक बनर्जी के घर पर नोटिस विवाद, माता-पिता ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका

- तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी के माता-पिता ने कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अवैध निर्माण नोटिस को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दी है

वे दावा करते हैं कि हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित उनका घर कानूनी है. केएमसी ने गैर-कानूनी निर्माण को लेकर नोटिस भेजा था,

जिसे रद्द करने की मांग की गई है. मामले की सुनवाई अगले बुधवार को हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच में होगी।

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के पिता और मां ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. अभिषेक बनर्जी के पिता अमित बनर्जी और मां लता बनर्जी ने सोमवार को हाई कोर्ट में एक पिटीशन फाइल की, जिसमें कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नोटिस को खारिज करने की मांग की गई. उन्होंने कहा कि 29-ष्ट, हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर उनका घर कानूनी तौर पर बना था. कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने इस कानूनी तौर पर बने घर में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को लेकर नोटिस जारी किया है. इसलिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का नोटिस खारिज किया जाना चाहिए. इस मामले की सुनवाई अगले बुधवार को हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच में होने की संभावना है। राज्य में सत्ता बदलने के बाद कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से अभिषेक बनर्जी के कई घरों को नोटिस भेजा गया था. कहा गया था कि घरों में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को गिरा दिया जाए।

केएमसी का अवैध निर्माण नोटिसः क्या है पूरा मामला?

यह नोटिस अभिषेक बनर्जी के शांतिनिकेतन वाले घर को भी दिया गया है. कुछ दिन पहले जब पत्रकारों ने इस बारे में पूछा तो अभिषेक बनर्जी अपना आपा खो बैठे थे. उन्होंने कहा था कि पहले म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को पता होना चाहिए कि कौन सा हिस्सा गैर-कानूनी है, फिर वह कोई कमेंट करेंगे। अब अभिषेक बनर्जी के माता-पिता ने कलकत्ता हाई कोर्ट को बताया है कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने उनके 29-ष्ट हरीश चटर्जी स्ट्रीट वाले घर को नोटिस भेजा है।

अपनी पिटीशन में उन्होंने दावा किया है कि यह घर कानूनी तौर पर बना हुआ है. फिर भी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को लेकर नोटिस भेजा है. इसलिए नोटिस खारिज किया जाना चाहिए।

केएमसी और तृणमूल के बीच 'अवैध निर्माण' पर घमासान

अगले बुधवार को हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच में मामले की सुनवाई होने की संभावना है. देखना होगा कि अभिषेक के माता-पिता की पिटीशन को देखते हुए हाई कोर्ट क्या आदेश देता है? कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन तृणमूल कांग्रेस के हाथ में है. हालांकि, राज्य बदलने के बाद कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन भी गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को लेकर एक्टिव हो गया है. इसे देखते हुए, गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को गिराने के लिए कई पतों पर नोटिस भेजे गए थे।

फिर, राज्य सरकार ने कोलकाता में कई जगहों पर बुलडोजर से गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को गिरा दिया. पता चला है कि तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पार्षदों के साथ मीटिंग में यह नोटिस भेजे जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी, उस समय मेयर फिरहाद हकीम ने कहा था कि उन्हें इस बारे में कुछ नहीं पता. यह नोटिस म्युनिसिपल कमिश्नर ने भेजा था।

संक्षिप्त ख़बरें

लखनऊ की समिट बिल्डिंग में पुलिस के सामने भिड़ी युवतियां, VIDEO वायरल

लखनऊ। शहीद पथ किनारे बनी समिट बिल्डिंग में होने वाले विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हाल ही में हुए भाजपा नेता हत्या कांड और पूर्व में कई घटनाओं के बावजूद पुलिस की सख्ती नजर नहीं आ रही है। सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर एक प्रसारित हुआ। इसमें कुछ युवतियां आपस में मारपीट कर रही हैं। आसपास पुरुष पुलिसकर्मी भी दिख रहे हैं। वीडियो समिट बिल्डिंग का बताया जा रहा है। हालांकि, वीडियो कब का है इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है। विभूतिखंड पुलिस ने मामले की जानकारी होने से इंकार किया है। इंस्टाग्राम पर सोमवार शाम एक वीडियो प्रसारित हुआ। इसमें कई युवतियां आपस में झगड़ती नजर आ रही हैं। एक युवती का मोबाइल फोन जमीन पर पड़ा है। युवतियां लात और घूसों से एक दूसरे से मारपीट कर रही हैं। आसपास खड़े कई लोग वीडियो बना रहे हैं। वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी भी नजर आ रहे हैं जो झगड़ा शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं। मौके पर महिला पुलिस न होने से काफी देर तक लड़ाई चलती रही। काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। पूरे मामले से जुड़ा 31 सेकंड का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। विभूतिखंड इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने ऐसी किसी घटना से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि प्रकरण जानकारी में नहीं है। पता लगाया जा रहा है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शोः वैश्विक निवेशकों और खरीदारों को आकर्षित करने की तैयारी

लखनऊ। प्रदेश सरकार इस वर्ष सितंबर में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआइटीएस) को अब तक का सबसे भव्य और कारोबारी दृष्टि से सबसे प्रभावशाली आयोजन बनाने की तैयारी में है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सोमवार को तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि ट्रेड शो में प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक उत्पादों और आधुनिक औद्योगिक क्षमताओं का ऐसा संगम दिखे, जो वैश्विक निवेशकों और खरीदारों को आकर्षित करे। सरकार ने इस बार 80 से अधिक देशों के 550 विदेशी खरीदारों और 45 हजार से ज्यादा बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) खरीदारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

डीएम साहब, एक नजर इधर भी..तालाब खुदाई पर ब्रेक या खेल?

» तालाब खुदाई पर ब्रेक या खेल? सीमांकन के बाद भी नहीं चली पोकलैंड, जिमेदार विभागों की चुप्पी पर उठे सवाल

» तालाब की जद में आए कई पके मकान, नोटिस तक नहीं जारी जलभराव से जूझ रहे लोगों की उमीदों पर फिरा पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कस्बा खीरी के मोहल्ला पट्टी रामदास स्थित तालाब को उसके मूल स्वरूप में लाने की कवायद सवालों के घेरे में आ गई है। राजस्व विभाग द्वारा एसडीएम अश्विनी सिंह, नायब तहसीलदार और नगर पंचायत अधिकारियों की मौजूदगी में तालाब का सीमांकन कराया गया था। पैमाइश में आधा दर्जन से अधिक पक्के मकान तालाब की भूमि की जद में पाए गए थे। इसके बाद जेसीबी से कुछ खुदाई कराकर कार्रवाई की शुरुआत तो हुई, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ सका।तालाब की खुदाई के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद पोकलैंड मशीन भी मौके पर पहुंची थी। लोगों को उम्मीद थी कि वर्षों से अतिक्रमण और उपेक्षा का शिकार तालाब अब अपने मूल स्वरूप में लौटेगा, लेकिन मशीन एक दिन तक मौके पर खड़ी रहने के बाद बिना खुदाई किए ही वापस चली गई। इसके बाद जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आए।शनिवार को जब राजस्व विभाग की टीम दोबारा मौके पर पहुंची तो पोकलैंड मशीन वहां नहीं मिली। बाद में मशीन खराब होने की बात कही गई, लेकिन स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर तालाब खुदाई का कार्य शुरू क्यों नहीं हो सका और इसके लिए जिम्मेदार कौन है?सबसे बड़ा सवाल यह है कि सीमांकन के दौरान तालाब की भूमि पर बने कई पक्के मकान चिह्नित होने के बावजूद अब तक किसी भी कब्जेदार को नोटिस जारी नहीं की गई। इससे लोगों में यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर कार्रवाई को लेकर इतनी ढिलाई क्यों बरती जा रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वर्षों पहले तालाब पाटे जाने से कस्बे की जल निकासी व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। बरसात के दौरान कई मोहल्लों में जलभराव की गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। सीमांकन और खुदाई की कार्रवाई शुरू होने से लोगों में उम्मीद जगी थी कि तालाब अपने पुराने स्वरूप में लौटेगा और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी, लेकिन काम रुकने से लोगों की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। मानसून की दस्तक से पहले तालाब खुदाई का कार्य अधूरा पड़ा है। ऐसे में लोगों का कहना है कि यदि तालाब को जल्द उसके मूल स्वरूप में नहीं लाया गया तो आने वाले दिनों में कस्बे के कई इलाकों को फिर जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।अब बड़ा सवाल यह है कि तालाब बचाने की कार्रवाई आगे बढ़ेगी या फिर जिम्मेदार विभागों की खींचतान में पूरा मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

पुलिसकर्मियों ने आइसक्रीम और गोलगप्पा खाने के बाद नहीं दिए पैसे, वीडियो वायरल पर गिरी गाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कानपुर में पुलिसकर्मियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी ठेले पर आइसक्रीम और गोलगप्पे खाते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही मामला चर्चा का विषय बन गया और देखते ही देखते इसने राजनीतिक तूल पकड़ लिया। स्थानीय लोगों और विपक्षी दलों ने इस वीडियो पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ लोगों ने इसे अनुशासनहीनता बताया है तो कुछ ने इसे सामान्य मानवीय व्यवहार कहा है। पुलिस विभाग ने मामले की जांच के संकेत दिए हैं और कहा है कि वीडियो की सत्यता और परिस्थितियों की समीक्षा की जाएगी। इस घटना ने सोशल मीडिया पर व्यापक बहस छेड़ दी है और लोग लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी ने इस वीडियो को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा करते हुए पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि PRV-1903 में तैनात पुलिसकर्मियों पर ठेला लगाने वाले गरीब दुकानदारों से बिना भुगतान किए सामान लेने का आरोप है। कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यही सरकार का 'कानून व्यवस्था मॉडल' है, जहां वर्दी का दबदबा दिखाकर गरीबों का हक छीना जा रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि पुलिस अपराधियों से निपटने में कमजोर है, लेकिन छोटे दुकानदारों पर दबाव बनाने में सक्रिय दिखती है।

मामला तूल पकड़ने के बाद सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) कलक्टरगंज/डायल 112 आनंद कुमार ओझा ने बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए यह प्रकरण संज्ञान में आया, जिसमें PRV-9303 पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा ठेला विक्रेताओं से बिना भुगतान आइसक्रीम और गोलगप्पे लेने के आरोप सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच में संबंधित पुलिसकर्मी प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले की विस्तृत विभागीय जांच सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर को सौंप दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर पंचायत की तरफ से लगे वाटर कूलर में उतरे करंट से नौ वर्षीय बालक की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

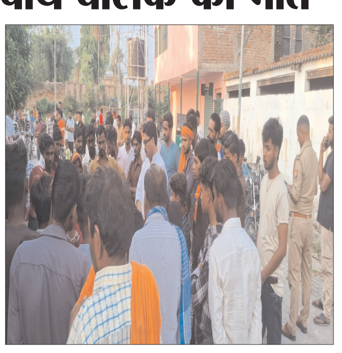

सिंगाही-खीरी। कस्बे में सोमवार शाम जामा मस्जिद के पास लगे सार्वजनिक वाटर कूलर में उतरे करंट की चपेट में आने से नौ वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला भेडौरा वार्ड नंबर आठ निवासी ऋतिक (9) पुत्र राजेश अपने बाबा राजाराम के साथ बाजार में सूप बेचने गया था। बताया जाता है कि शाम को वह पानी पीने के लिए वार्ड नंबर 13 जामा मस्जिद पास लगे वाटर कूलर के पास पहुंचा। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना के समय बालक के माता-पिता कारीकोट मेले गए हुए थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

परिजनों ने बताया कि ऋतिक चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसके बड़े भाइयों के नाम संगीत, मनीष और हरीश हैं। परिवार के अनुसार कुछ समय पहले वह आग से झुलस गया था, लेकिन लंबे इलाज के बाद उसकी जान बच गई थी। इस बार करंट का झटका उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गया। घटना के बाद कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर लगे वाटर कूलर और मशीनों की विद्युत सुरक्षा जांच कराने की मांग की है। मौके पर सिंगाही थाना अध्यक्ष दिलीप कुमार चौबे सहित पुलिस फोर्स मौजूद।

गोंडाः खाकी की बेरुखी से हारी दुष्कर्म पीड़िता, पीठ पर मासूम को बांध 80 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी

- रघुकुल विद्यापीठ परिसर में 6 घंटे तक सांसें अटकाने वाला हाईवोल्टेज ड्रामा, पुलिस के फूले हाथ-पांव

5 बार एसपी दफ्तर के चक्कर काटने के बाद भी नहीं पकड़ा गया आरोपी, हारकर उठाया आत्मघाती कदम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। गोंडा जनपद में पुलिसिया कार्यप्रणाली और संवेदनहीनता का एक ऐसा खौफनाक चेहरा सामने आया है, जिसने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। तरबगंज थाना क्षेत्र की एक दुष्कर्म पीड़िता पुलिस की लगातार बेरुखी और न्याय न मिलने से इस कदर टूट गई कि वह सोमवार सुबह अपने 3 साल के मासूम बच्चे को साड़ी के सहारे कमर से बांधकर रघुकुल महिला विद्यापीठ परिसर में लगे करीब 80 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। महिला ने ऊपर से चिल्लाते हुए साफ कहा कि यदि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वह बच्चे समेत नीचे कूद जाएगी। इस आत्मघाती कदम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में आला अधिकारी मौके पर दौड़े।

5 बार गुहार, पर छुट्टा घूम रहा आरोपी

टावर पर चढ़ी महिला का आरोप है कि उसके साथ हुई दरिंदगी के मामले में तरबगंज पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन मुख्य आरोपी 'राम अकबाल' को गिरफ्तार करने के बजाय उसे खुला छोड़ दिया। पीड़िता ने रोते हुए बताया कि वह इंसाफ के लिए लखनऊ से लेकर गोंडा तक भटक चुकी है। वह 5 बार पुलिस कप्तान (SP) और क्षेत्राधिकारी (CO) के सामने पेश होकर न्याय की भीख मांग चुकी थी, लेकिन आरोपी खुलेआम घूमकर उसे केस वापस लेने की धमकी दे रहा था। पुलिस की इसी लापरवाही से तंग आकर उसने मौत का रास्ता चुनने का मन बनाया।

फायर ब्रिगेड ने टावर पर पहुंचाया बिस्किट-पानी

चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच 80 फीट ऊपर टावर पर बैठे मासूम बच्चे की हालत बिगड़ने लगी थी। इसे देखते हुए फायर ब्रिगेड के दरोगा नितेश कुमार शुक्ला और सिपाही राकेश कुमार जान जोखिम में डालकर टावर पर चढ़े। उन्होंने किसी तरह महिला का भरोसा जीता और बच्चे के लिए पानी व बिस्किट ऊपर पहुंचाया। दोनों पुलिसकर्मी करीब दो घंटे तक टावर पर ही महिला को समझाते रहे।

डीएम के सीधे हस्तक्षेप और वीडियो कॉल के बाद मानी पीड़िता

नीचे जाल बिछाकर खड़ी एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें महिला को उतारने में नाकाम साबित हो रही थीं, क्योंकि वह किसी भी मौखिक आश्वासन को मानने को तैयार नहीं थी।

इसके बाद पुलिस ने दबाव बनाने के लिए आरोपी राम अकबाल की मां को मौके पर बुलाया। आरोपी की मां ने वीडियो कॉल पर रोते हुए महिला से नीचे आने की गुहार लगाई। आखिरकार, जिले की जिलाधिकारी (DM) ने खुद फोन पर महिला से सीधी बात की और आरोपी की 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी व सख्त कानूनी कार्रवाई का लिखित और ठोस भरोसा दिया। तब जाकर करीब 6 घंटे बाद महिला बच्चे के साथ सुरक्षित नीचे उतरी।

संक्षिप्त खबरें

अंतिम संस्कार में गए दो युवक सरयू नदी में डूबे, तलाश जारी; परिवारों में मचा कोहराम

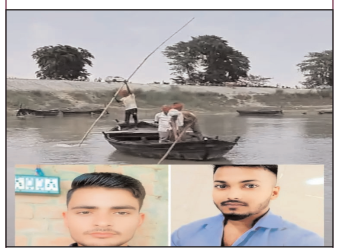

बस्ती। बस्ती जिले केकप्तानगंज थाना क्षेत्र के रखिया गांव के दो युवक अंतिम संस्कार में शामिल होने के दौरान सरयू नदी में डूब गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीम दोनों युवकों की तलाश में जुटी हुई है।जानकारी के अनुसार रखिया गांव निवासी 25 वर्षीय मनोज कन्नौजिया और 20 वर्षीय वीरेंद्र चौधरी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सरयू नदी के किनारे दुबौलिया थाना क्षेत्र स्थित कटरिया चांदपुर बांध के पास गए थे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों युवक नदी में स्नान करने के लिए उतरे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्नान के दौरान दोनों युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाते हुए उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों तथा राहत एवं बचाव टीमों की मदद से नदी में दोनों युवकों की तलाश शुरू कर दी गई। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंच गए। देर शाम तक चलाए गए सर्च ऑपरेशन के बावजूद दोनों युवकों का कोई सुराग नहीं मिल सका था। प्रशासन द्वारा लगातार खोजबीन जारी रखी गई है और नदी के आसपास के क्षेत्रों में भी तलाश की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अंतिम संस्कार के बाद स्नान की परंपरा के चलते बड़ी संख्या में लोग नदी में उतरते हैं, लेकिन गहरे पानी और तेज बहाव के कारण अक्सर हादसों का खतरा बना रहता है। फिलहाल पूरे क्षेत्र की निगाहें राहत एवं बचाव अभियान पर टिकी हुई हैं।

सरयू नहर की पटरी धंसी, आवागमन बाधित विभाग मौन

बस्ती। जिले के रुदौली थाना क्षेत्र के कोहरा से हनुमानगंज जाने वाले मार्ग पर सरयू नहर की पटरी कटकर धंस गई है, जिससे मार्ग पर आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सड़क के एक हिस्से के धंसने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार नहर किनारे की भूमि कटान के कारण सड़क कमजोर हो गई थी। इसके चलते यह हादसा हुआ। मार्ग बाधित होने से आसपास के गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है तथा किसानों को भी खेतों तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से तत्काल मरम्मत कार्य कराकर मार्ग को सुचारु कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

नानी के घर आई 14 वर्षीय किशोरी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता

बलरामपुर- श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से रात में घर से निकली 14 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की तहरीर पर नगर कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी व संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किशोरी की बरामदगी के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय हो गई हैं। जानकारी के अनुसार किशोरी कुछ दिनों से अपनी नानी के घर रह रही थी। परिजनों का कहना है कि 30 मई रात करीब दो बजे वह घर से बिना बताए कहीं चली गई। सुबह जानकारी होने पर परिवार के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की और रिश्तेदारों समेत संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।काफी प्रयासों के बाद भी किशोरी का पता न चलने पर उसकी मां ने कोतवाली नगर में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए, तत्काल मुकदमा दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीएनएस पोर्टल पर दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। किशोरी की तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया है तथा संभावित स्थानों की जांच की जा रही है। विवेचना उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। किशोरी की सकुशल बरामदगी प्राथमिकता है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

एम और शौचालयों पर भड़के व्यापारी, डीएम को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में इस समय भीषण गर्मी के बीच शहर और जनपद में बंद पड़े वाटर एटीएम तथा सार्वजनिक शौचालयों को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने नाराजगी जताई है। सोमवार को संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में व्यापारियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। व्यापारियों का आरोप है कि जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक में नगर पालिका परिषद बस्ती के अधिशासी अधिकारी द्वारा गांधीनगर जलकल परिसर में वाटर एटीएम और पिंक टॉयलेट संचालित होने की जानकारी दी गई थी, लेकिन मौके पर स्थिति इसके विपरीत मिली। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार निरीक्षण के दौरान परिसर में कोई पिंक टॉयलेट नहीं मिला, जबकि महिला एवं पुरुष शौचालयों पर ताले लटके हुए थे। परिसर में गंदगी भी फैली हुई थी। स्थानीय लोगों ने भी बताया कि शौचालय अधिकांश समय बंद रहते हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मंडल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह 'मनोज' और जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि जिले में लगाए गए लगभग 15 वाटर एटीएम लंबे समय से बंद पड़े हैं। गर्मी के इस मौसम में राहगीरों, व्यापारियों और आम नागरिकों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे जनसुविधाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ज्ञापन में गांधीनगर जलकल परिसर स्थित महिला एवं पुरुष शौचालयों को तत्काल आम जनता के लिए खोलने, उनकी नियमित सफाई सुनिश्चित करने, सभी बंद वाटर एटीएम को चालू कराने तथा जिले में स्थापित वाटर एटीएम की व्यापक जांच कर नियमित संचालन सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसके साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए अतिरिक्त पेयजल व्यवस्था किए जाने की भी मांग उठाई गई।व्यापारियों ने महाराजगंज बाजार में एनएच-27 सर्विस रोड पर हो रहे आरसीसी सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। ज्ञापन में निर्माण कार्य की जांच कर मानकों के अनुरूप सड़क निर्माण कराने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान आलोक कुमार दूबे, राणा महेंद्र प्रताप, कमलेश चौधरी, वंदना वर्मा, भरतराम बबलू गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, धीरेन्द्र कुमार चौधरी, राम गोपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी नेता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम उपाध्यक्ष गो सेवा आयोग राज्य मंत्री महेश शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थियों का प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में उपाध्यक्ष गो सेवा आयोग/दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सभाकक्ष में मुख्यमंत्री कार्यक्रम का लाइव-प्रसारण दिखाया गया। जनपद के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने व उनके उत्साहवर्धन के लिए सभागार को सुसज्जित किया गया था।जिलाध्यक्ष भाजपा विवेकानन्द मिश्र, हर्रैया विधायक अजय सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना के निर्देशन में जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह ने सम्मान समारोह कार्यक्रम को भव्यतापूर्वक सम्पन्न कराया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चंद सोनकर, सदर प्रतिनिधि मुहम्मद सलीम, हर्रैया प्रतिनिधि सरोज मिश्रा सहित विशिष्ट जनप्रतिनिधिगण, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह, डीडीओ अजय कुमार सिंह सहित विद्यालयों से आये मेधावी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। सम्मान समारोह का संचालन पूर्ण मनोयोग से जीजीआईसी की शिक्षिका मानवी सिंह ने किया। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा 2026 में जनपद के मेधावी छात्र-छात्राओं में साक्षी चौधरी, दीपा राजभर, अंकिता यादव, राधिका चौधरी, रूद्र प्रताप वर्मा, अंकिता पटेल, शिवांश त्रिपाठी, जिज्ञासा तिवारी, सृष्टि मिश्रा, शिवम कुमार, अनुराग वर्मा, पायल, प्रभात पाण्डेय एवं शिवम चौरसिया तथा इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 में जनपद के मेधावी छात्र-छात्राओं में दिव्यांशी श्रीवास्तव, श्रद्धा मिश्रा, शकुंतला, अमित कुमार, सबीहा खातून, हर्ष त्रिपाठी, प्रिया यादव, सुधाकर, अनामिका राय एवं जागृति गुप्ता को प्रशस्ति पत्र एवं रू0 21000/- का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर फ्रॉड तथा महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त शिकायतों के संबंध में संबंधित थाना प्रभारियों एवं क्षेत्राधिकारियों से गूगल मीट के माध्यम से तत्काल संवाद कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भूमि विवाद एवं चकबंदी से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर पैमाइश एवं निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। वहीं महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया गया। साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को साइबर सेल को स्थानांतरित कर 24 घंटे के भीतर पीड़ितों से संपर्क स्थापित कर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को जनता के साथ शिष्ट एवं संवेदनशील व्यवहार करने तथा थानों पर आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से सुनकर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा स्वयं उनके स्तर से की जाएगी। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस प्रशासन की आमजन के प्रति जवाबदेही, संवेदनशीलता और त्वरित न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता का परिचायक रहा। बलरामपुर पुलिस आमजन की सेवा एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा मारपीट के अभियोग में वांछित व प्रकाश में आये 04 अभियुक्त गिरफ्तार

● 01 रिवाल्वर 04 जिन्दा कारतूस व 02 खोखा कारतूस 32 बोर (लाइसेंसी) बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी । पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध व अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर विभिन्न धाराओं में वांछित व प्रकाश में आये स्कार्पियो कार सवार 04 अभियुक्त अविनाश सिंह उर्फ हैप्पी सिंह पुत्र स्व0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह, अश्वनी सिंह उर्फ लकी पुत्र स्व0 सुरेन्द्र सिंह निवासीगण टेवसी थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी हाल पता कस्बा बाजारशुक्ल थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी, प्रह्लाद सिंह पुत्र सहबरदान सिंह, शिवबरदान सिंह पुत्र उदल सिंह निवासीगण पन्ही मजरे माझगांव थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया । पुलिस ने बताया कि स्कार्पियो यूपी 42 एमके 0707 के कागज मांगने पर दिखा न सके । तलाशी से अभियुक्त शिवबरदान के कब्जे से 01 रिवाल्वर 04 जिन्दा कारतूस व 02 खोखा कारतूस 32 बोर (लाइसेंसी) बरामद हुए । बरामद रिवाल्वर के बारे में पूछताछ में अभियुक्त शिवबरदान ने बताया कि यह रिवाल्वर हरिओम सिंह उर्फ गोलू का है । गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल/इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में जनपद स्तर पर उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

● भाजपा जिला अध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक गौरीगंज, डीएम व सीडीओ ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

● मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में जनपद स्तर पर मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन जीजीआईसी सभागार गौरीगंज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला,जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी, विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित सभी ने आत्मसात किया। कार्यक्रम में हाईस्कूल के 11 एवं इंटरमीडिएट के 10 मेधावी छात्र-छात्राओं को रुपए 21000 का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं में हाई स्कूल में विकास, श्रेया मौर्या, मधुलिका शुक्ला, सेजल, कीर्ति, आयुष पाण्डेय, साक्षी यादव, कृष्णा मौर्या, लक्ष्मी, अंजलि मौर्या, शिखा जायसवाल तथा इंटरमीडिएट में रुकसार, आस्था मौर्या, सक्षम पाण्डेय, आरजू शर्मा, अदिति सिंह, श्रद्धा गुप्ता, शिवांशी शुक्ला, काजल, अंशी सिंह, प्रिंशी के नाम शामिल है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक गौरीगंज, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व जिलाध्यक्ष भाजपा ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उक्त के अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश द्विवेदी सहित हाई स्कूल/इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राएं व उनके अभिभावक एवं गुरुजन उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रों का सम्मान, 21 हजार प्रोत्साहन राशि व मेडल देकर बढ़ाया उत्साह

● यूपी बोर्ड, सीबीएसई एवं आईएससी के टॉपर्स हुए सम्मानित, मुख्यमंत्री का संबोधन भी देखा गया लाइव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- यूपी बोर्ड, सीबीएसई एवं आईएससी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सोमवार को आयोजित जनपद स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों को ?21 हजार की प्रोत्साहन राशि, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान राज्य स्तरीय मेधावी सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सजीव प्रसारण भी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने देखा। मुख्यमंत्री के प्रेरणादायी विचारों से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। जनपद स्तरीय समारोह में विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम, विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला तथा मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने मेधावियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक पल्टूराम ने कहा कि प्रदेश में नकल विहीन एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू होने से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनकी मेहनत का वास्तविक सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बलरामपुर के छात्र-छात्राओं ने अपनी लगन, मेहनत और अनुशासन से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। समारोह में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट वर्ग के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अभिभावकों एवं विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों से निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हुए समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व ज्योति राय, बृजेंद्र तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनलाल कुशवाहा बने अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के प्रदेश सचिव

●कुशकुटी आश्रम में हुआ भव्य स्वागत, समाजजनों ने दी शुभकामनाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा द्वारा संगठन विस्तार एवं सशक्तिकरण के क्रम में रामनगर निवासी समाजसेवी भजनलाल कुशवाहा को संगठन का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति का आधिकारिक पत्र 15 मई 2026 को जारी किया गया। इस महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर कुशवाहा समाज में हर्ष का माहौल है तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाज के लोगों द्वारा उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में बताया गया है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी के परामर्श बाद संगठन के प्रति भजनलाल कुशवाहा की निष्ठा, सक्रियता, समाजसेवा और संगठनात्मक योगदान को देखते हुए उन्हें प्रदेश सचिव के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि वे अपने नए दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, समर्पण एवं सक्रियता के साथ करेंगे। प्रदेश सचिव बनाए जाने उपरांत भजनलाल कुशवाहा ने राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह कुशवाहा, मौर्य, शाक्य एवं सैनी समाज की एकता, सामाजिक उत्थान तथा अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने समाज के युवाओं को संगठित कर सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का भी संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर कौशल किशोर मंदिर स्थित कुशकुटी आश्रम, मवेशी बाजार ललितपुर में कुशवाहा समाज पंचायत मंडल द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विशेष रूप से पहुंचे अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्ध सिंह कुशवाहा ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर शुभकामनाएं दीं। समारोह में समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से राहुल कुशवाहा (पत्रकार), रमेश कुशवाहा (नगर अध्यक्ष), राजेंद्र कुशवाहा (मुखिया अध्यक्ष पंचायत मंडल), प्रकाश नारायण कुशवाहा (जिला अध्यक्ष), गिरधारी कुशवाहा (पार्षद), वृंदावन कुशवाहा, राजा कुशवाहा, सुरेश कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, पवन कुशवाहा, हरगोविंद कुशवाहा, जगदीश कुशवाहा, सुखलाल कुशवाहा, रतिराम कुशवाहा (पूर्व जिला अध्यक्ष), हरप्रसाद कुशवाहा (जिला अध्यक्ष टीकमगढ़), कम्मोद माते, आशाराम माते, कल्ली माते, शरमन माते, गेंदा लाल माते, राजू माते, राजधर माते, परमानंद माते, बृजलाल माते, रघवर माते एवं ओम कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सुरों की सादगी और मधुरता की मिसाल थीं सुमन कल्याणपुर : सिद्धार्थ शर्मा

● महान पार्श्व गायिका के निधन पर जताया शोक

कहा- भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम अध्याय का हुआ अवसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। हिंदी फिल्म संगीत जगत की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर स्तंभकार एवं साहित्य प्रेमी सिद्धार्थ शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सुमन कल्याणपुर का निधन केवल भारतीय फिल्म संगीत का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय समाप्त हो गया है, जिसने अपनी मधुरता, शालीनता और भावपूर्ण गायकी से करोड़ों श्रोताओं के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि सुमन कल्याणपुर ने अपने लंबे संगीत सफर में सात सौ से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी और हिंदी सिनेमा को एक अमूल्य धरोहर प्रदान की। उनके गीत आज भी संगीत प्रेमियों के बीच उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने अपने समय में थे। उन्होंने कहा कि साठ और सत्तर का दशक हिंदी फिल्म संगीत का स्वर्णिम काल माना जाता है। उस दौर में लता मंगेशकर और आशा भोंसले जैसी महान गायिकाओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था, लेकिन सुमन कल्याणपुर ने अपनी मधुर, कोमल और भावपूर्ण आवाज के बल पर श्रोताओं के दिलों में विशिष्ट स्थान बनाया। सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि सुमन कल्याणपुर की सबसे बड़ी विशेषता उनकी आवाज की सहजता और आत्मीयता थी। उनकी गायकी में ऐसी सादगी और मिठास थी, जो सीधे श्रोताओं के मन को स्पर्श करती थी। उनकी आवाज की तुलना अक्सर लता मंगेशकर से की जाती रही, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपनी अलग पहचान कायम की और अनेक कालजयी गीतों के माध्यम से संगीत जगत में अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने बताया कि सुमन कल्याणपुर द्वारा गाए गए अनेक गीत आज भी संगीत प्रेमियों की पसंद बने हुए हैं। इनमें ना तुम हमें जानो, न हम तुम्हें जानें, आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, बहना ने भाई की कलाई से प्यार बांधा है, नन्ही सी परी मेरी लाड़ली, तुमने पुकारा और हम चले आए, मेरा प्यार भी तू है, ये बहार भी तू है तथा जिंदगी इम्तिहान लेती है जैसे गीत शामिल हैं। इन गीतों में प्रेम, विरह, ममता, रिश्तों की संवेदनाएं और जीवन के विविध भावों का अद्भुत समावेश देखने को मिलता है। सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि सुमन कल्याणपुर ने कभी लोकप्रियता की चकाचौंध को अपने व्यक्तित्व पर हावी नहीं होने दिया। वे अत्यंत विनम्र, शांत और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाली कलाकार थीं। उन्होंने संगीत को केवल पेशा नहीं, बल्कि साधना के रूप में अपनाया। यही कारण है कि उनकी गायकी में बनावट नहीं, बल्कि आत्मा की सच्ची अभिव्यक्ति सुनाई देती है। उन्होंने कहा कि सुमन कल्याणपुर का निधन केवल एक महान गायिका का निधन नहीं है, बल्कि उस दौर की स्मृतियों का भी विदा होना है, जब गीत शब्दों, सुरों और भावनाओं का सुंदर संगम हुआ करते थे। हालांकि वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी मधुर और सच्ची आवाज आने वाली पीढ़ियों तक संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेगी। अंत में सिद्धार्थ शर्मा ने सुमन कल्याणपुर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय संगीत जगत में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा और उनकी मधुर आवाज अमर रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

रामपुर सनेता गांव में रास्ते पर अवैध कब्जा करने का लगाया आरोप

कोंच(जालौन)- विकास खंड कोंच क्षेत्र के ग्राम रामपुर सनेता निवासी ग्रामीण ने सोमवार को एसडीएम हेमंत पटेल को शिकायती पत्र देकर गांव के एक व्यक्ति पर आम रास्ते में अतिक्रमण कर लेने और विरोध करने पर ग्रामीणों को धमकाने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही किए जाने की मांग की है। ग्रामीण राजेन्द्र सिंह पटेल ने एसडीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव में इन दिनों शनिदेव मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। मंदिर तक पहुंचने के लिए एक सार्वजनिक मार्ग है जिसका उपयोग श्रद्धालुगण आवागमन में करते हैं। गांव के ही एक व्यक्ति ने इसी रास्ते में अपने मकान के सामने अवैध कब्जा कर रखा है। उक्त व्यक्ति सार्वजनिक मार्ग पर अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली रखता है साथ ही पशुओं को बांधता है, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया है और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जब गांव के लोग विरोध करते हैं तो वह गाली-गलौज कर लड़ाई झगड़े पर उतारू हो जाता है। इतना ही नहीं, मामले की अधिकारियों से शिकायत करने पर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने लगता है जिससे ग्रामीण उक्त व्यक्ति के भय और दबाव में रहने पर मजबूर हैं। शिकायतकर्ता ने एसडीएम से मांग की है कि मामले का संज्ञान लेते हुए सार्वजनिक मार्ग से अवैध रूप से खड़े किए गए वाहन और पशु तत्काल हटवाये जाएं और उक्त व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

गूल और नरियों को पूर कर की जा रही प्लाटिंग

कोंच(जालौन)- कोंच में सरकारी गूल और नरियों को पूर कर दबंगई के बल पर भूमाफियां प्लाटिंग का व्यापार कर रहे है। जिससे बारिश के मौसम में पूरे नगर को जलभराव की समस्या से जूझना पड़ता है और किसानों को सिलाई के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। यह काम चोरी छिपे नहीं हो रहा है भूमाफियां खुलेआम गूलें और नरियों को पूरने का काम कर रहे है। यह काम कस्बे के चारों तरफ हो रहा है फिर भी प्रशासन मौन बैठा हुआ है। कोंच के चारों तरफ बड़े पैमाने पर प्लाटिंग का व्यापार हो रहा है जिसके सरकारी गूल और नरियों को भी बिस्मार कर मिलाया जा रहा है। ऐसा ही एक ताजा मामला सामने आया है। कोंच-कैलिया मार्ग पर ताज गार्डन के ठीक सामने समीर व रसीद के खेत थे उसके आगे सड़क किनारे नरिया निकली है। जिसके पानी से आस पास के किसान सिंचाई करते है और बारिश का पानी भी निकलता रहता है। नरिया के कुछ दिनों पहले भूमाफियों ने खेत खरीद कर प्लाटिंग का व्यापार करने के लिए नरिया के किनारे खड़े हरे पेड़ काट कर नरिया मिस्मार कर दी और अपनी प्लाटिंग में मिला लिया। इतना ही नहीं वहां बनी एक पुलिया को भी दफना दिया गया है जिससें कोई नामो निशान न रह जाये। जिससें नरिया का पानी नहीं निकल पा रहा है और वहां जलभराव होने लगा है।

यूपी के कृषि विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, मेनका बनीं लखनऊ की जिला कृषि अधिकारी

लखनऊ। कृषि विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। विभाग ने 27 जिला स्तरीय अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। इनमें कुशीनगर की जिला कृषि अधिकारी मेनका को जिला कृषि अधिकारी लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही 18 उपनिदेशक के स्थानांतरण के साथ नवप्रोन्नत संयुक्त निदेशक और उप निदेशकों को भी तैनाती दी गई है। विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार जिला कृषि अधिकारी गगन दीप सिंह को आजमगढ़ से जालौन, राजीव कुमार भारती को ललितपुर से सहारनपुर, देवेंद्र प्रताप सिंह को गोरखपुर से बलिया, राजपति शुक्ल को चित्रकूट से सुलतानपुर, सदानंद चौधरी को सुल्तानपुर से आजमगढ़, उमेश कुमार गुप्ता को कानपुर देहात से श्रावस्ती और दुर्गेश कुमार सिंह को महोबा से औरैया भेजा गया है। पांच उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारियों और तीन भूमि संरक्षण अधिकारियों को जिला कृषि अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें शिव शंकर चौधरी को कौशांबी, सतीश कुमार को कासगंज, विनीत कुमार को पीलीभीत, रंजीत कुमार चौरसिया को ललितपुर, अमित कुमार को चित्रकूट, देवेंद्र सिंह निरंजन को अमेठी, राजमंगल चौधरी को गोरखपुर और सौरभ वर्मा को अयोध्या का जिला कृषि अधिकारी बनाया गया है। खीरी के प्रक्षेत्र प्रबंधक संजीव कुमार सिंह को कुशीनगर और लखनऊ की आलमबाद प्रयोगशाला में तैनात उर्वरक विश्लेषक अरुणेश प्रताप सिंह को कानपुर नगर में जिला कृषि अधिकारी के पद पर भेजा गया है।

मलिहाबाद के घुसौली गांव में नालियों का पानी सड़क पर, डेढ़ साल से ग्रामीण परेशान, प्रदर्शन की चेतावनी

● .....3 किमी दूर ब्लॉक, फिर भी बदतर हाल! घुसौली में गंदे पानी से जूझ रहे ग्रामीण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद ब्लॉक से महज लगभग 3 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत घुसौली में बदहाल व्यवस्था ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। गांव में नालियों के पानी का उचित निकास न होने के कारण गंदा पानी महीनों से सड़क पर बह रहा है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि पूरे रास्ते पर जलभराव बना हुआ है और लोगों का निकलना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं बल्कि करीब पिछले डेढ़ साल से लगातार बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और ग्राम पंचायत की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें रोजाना इसी गंदे और बदबूदार पानी से होकर स्कूल जाना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

गांव वालों का कहना है कि मलिहाबाद ब्लॉक इतनी कम दूरी पर होने के बावजूद यदि ग्राम पंचायत की यह हालत है तो दूरदराज की पंचायतों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर कई बार ग्राम प्रधान अयोध्या प्रसाद से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई और समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सचिव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सचिव केवल ब्लॉक में बैठकर काम करता है और गांव की समस्याओं को देखने या सुनने के लिए कभी गांव नहीं आता। इसी कारण गांव की मूलभूत समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

सड़क पर भरे गंदे पानी के कारण गांव में बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव और गंदगी के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों का डर बना हुआ है। ग्रामवासियों ने प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों से जल्द समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नालियों की सफाई और पानी निकासी की व्यवस्था नहीं कराई गई, तो वे मलिहाबाद तहसील और ब्लॉक कार्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गांवों में लगेगी अदालत, 1200 लंबित मुकदमों के निस्तारण की तैयारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

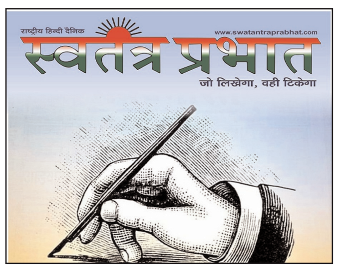

लालगंज (रायबरेली)। तहसील क्षेत्र में लंबित राजस्व मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत चयनित गांवों में ही अदालत लगाकर शिकायतों और लंबित वादों की सुनवाई की जाएगी। इस अभियान को 'आपका गांव, आपकी अदालत' नाम दिया गया है। तहसीलदार शिवम राठौर ने बताया कि जल्द ही गांवों में अदालतों का आयोजन शुरू किया जाएगा। जिस गांव में अदालत लगेगी, वहां से संबंधित सभी लंबित मामलों की मौके पर सुनवाई होगी। वादकारियों को पूर्व सूचना देकर निर्धारित तिथि पर उपस्थित रहने को कहा जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बात सुनने के साथ ही गांव के बुजुर्गों, वरिष्ठ नागरिकों और सम्मानित लोगों का सहयोग भी लिया जाएगा। उनकी मौजूदगी में आपसी विवादों के समाधान का प्रयास किया जाएगा। साथ ही उच्च न्यायालय के निर्देशों से संबंधित पत्रावलियों और तीन से पांच वर्ष से अधिक पुराने मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी। तहसील क्षेत्र के विभिन्न राजस्व न्यायालयों में बड़ी संख्या में मुकदमे लंबित हैं। तहसीलदार, तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार खीरों और नायब तहसीलदार सरेनी न्यायालयों में करीब 800 मामले विचाराधीन हैं, जबकि उपजिलाधिकारी न्यायालय में लगभग 400 मुकदमे लंबित हैं। अधिवक्ताओं की हड़ताल और अन्य कारणों से कई मामलों की नियमित सुनवाई नहीं हो पाने के कारण लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उपजिलाधिकारी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि गांववार लंबित वादों का विवरण तैयार किया जा रहा है। प्रक्रिया पूरी होते ही गांवों में अदालत लगाकर मामलों के त्वरित निस्तारण की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

बिजली और नहरों में पानी की मांग को लेकर किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

लालगंज (रायबरेली)। बिजली आपूर्ति और नहरों में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को जय किसान जन कल्याण सेवा समिति ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में पदाधिकारी ने बिजली व्यवस्था बहाल करने और नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग की। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने एसडीएम राजेश श्रीवास्तव को ज्ञापन देते हुए कहा कि क्षेत्र की नहरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। इससे किसानों को सिंचाई में परेशानी हो रही है। वहीं कई गांवों में नलकूप और हैंडपंप भी पानी नहीं दे रहे हैं। तालाब सूख चुके हैं, जिससे ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट गहराता जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश सरकार की ओर से बिजली आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन स्थानीय स्तर पर उनका प्रभाव नहीं दिख रहा है। इसका खामियाजा किसानों और ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। समिति ने क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने और नहरों में शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग की है।

किसानों की समस्याओं पर भाकियू ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोंच विकास खंड कार्यालय में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक अशोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें किसानों से जुड़ी तमाम समस्याओं को लेकर खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर उनके शीघ्र समाधान की मांग की गई।

बैठक में किसानों ने ब्लॉक क्षेत्र के कई गांवों में तालाबों के जीर्णोद्धार और भराव कार्य के अधूरे रहने का मुद्दा उठाया। उन्होंने मांग की कि अधूरे कार्यों को जल्द पूरा किया जाए और अवैध कब्जों को हटाया जाए। किसानों ने विशेष रूप से चमारी और बसोब गांवों के तालाबों पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग की। ग्राम पड़री में तालाबों, नालों और जल निकासी व्यवस्था की सफाई पर भी जोर दिया गया। किसानों ने बताया कि कई पात्र गरीब परिवारों को अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने ऐसे परिवारों का सर्वे कराकर आवास उपलब्ध कराने की मांग की।

इसके साथ ही वृद्धावस्था, विधवा और अन्य सामाजिक पेंशन योजनाओं से वंचित लोगों को पेंशन दिलाने की मांग भी उठाई। बैठक में टूटे विद्युत पोल बदलने, आवारा पशुओं को गोशालाओं में भेजने, नमामि गंगे योजना के अधूरे कार्य पूरे कराने, गांवों में चकरोड व नालियों का निर्माण तथा खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराने जैसे मुद्दे भी उठाए गए। किसानों ने बेमौसम बारिश, अतिवृष्टि और आंधी से गेहूं की फसल को हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजे की भी मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन और धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। बैठक में भाकियू तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल, डॉ. पीडी निरंजन, सुभाष चंद्र पटेल, अनुरुद्ध पटेल, सौरभ पटेल, अशोक कुमार, सुनील कुमार, भवानीशंकर, विक्रम, महेंद्र कुशवाहा, वीरेंद्र, राजेश पटेल, कौशल पटेल, चित्तर सिंह, राजेश पटेल अटा, राजकुमार पटेल, रामशरण, कौशल कुशवाहा, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी, तकनीकी खामी बता बोली खारिज करना उचित नहीं: हाई कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कोंकण रेलवे कारपोरेशन लिमिटेड को बड़ी राहत देते हुए उत्तर पूर्व रेलवे (एनईआर) द्वारा उसकी तकनीकी बोली खारिज किए जाने की कार्रवाई पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि केवल स्टांप ड्यूटी की कमी जैसी सुधार योग्य तकनीकी खामी के आधार पर किसी बोलीदाता को टेंडर प्रक्रिया से बाहर करना उचित नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि सरकारी संस्थाएं टेंडर प्रक्रिया में निष्पक्षता, पारदर्शिता और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए बाध्य हैं तथा उनके निर्णय मनमाने नहीं होने चाहिए।

न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अभधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने एनईआर द्वारा तैयार की गई वित्तीय बोलियों की टेबुलेशन को निरस्त कर दिया। अदालत ने सभी पात्र निविदाकारों की वित्तीय बोलियों पर नए सिरे से विचार करने का आदेश दिया है। साथ ही कोंकण रेलवे को तीन जून तक स्टांप ड्यूटी की कमी पूरी करने का निर्देश भी दिया गया है। मामला उत्तर पूर्व रेलवे द्वारा जारी एक रेलवे विद्युतीकरण परियोजना के टेंडर से जुड़ा है। कोंकण रेलवे का आरोप था कि उसकी तकनीकी बोली 19 मई 2026 को यह कहते हुए खारिज कर दी गई कि वह पात्रता की शर्तों को पूरा नहीं करती, जबकि इसके लिए कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया। इसके बाद कंपनी ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट के निर्देश पर जब कंपनी ने टेंडर खारिज किए जाने का कारण पूछा, तब रेलवे प्रशासन ने बताया कि बैंक गारंटी के साथ प्रस्तुत स्टांप पेपर उत्तर प्रदेश स्टांप अधिनियम के अनुरूप नहीं था और उस पर देय स्टांप शुल्क कम जमा किया गया था। याची की ओर से दलील दी गई कि स्टांप ड्यूटी की कमी कोई गंभीर कानूनी बाधा नहीं बल्कि सुधार योग्य त्रुटि है। केवल इसी आधार पर बोली को खारिज करना न्यायसंगत नहीं है। यह भी कहा गया कि पूर्व में रेलवे प्रशासन इसी प्रकार की बैंक गारंटी स्वीकार कर चुका है। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि प्रारंभिक अस्वीकृति पत्र

में कारणों का उल्लेख नहीं किया गया था। बाद में न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद नए कारण जोड़ने का प्रयास किया गया, जो कानून की दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है।

पीठ ने यह भी माना कि उपलब्ध तथ्यों से प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि सबसे कम वित्तीय बोली (एल-1) देने वाले याची को प्रक्रिया से बाहर करने का प्रयास किया गया। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल एल-1 बोलीदाता होने से किसी कंपनी को ठेका मिलने का स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता। अंततः कोर्ट ने वित्तीय बोलियों पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश देते हुए याचिका का निस्तारण कर दिया।

माध्यमिक विद्यालय द्वारा हाई स्कूल इंटर के छात्र-छात्राओं को सर्वाधिक अंक आने पर सम्मानित किया गया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कैंट तोप खाना माध्यमिक विद्यालय छावनी परिषद के प्रेक्षा ग्रह में आज समर कैंप का समापन आयोजित किया गया, इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, खचाखच दर्शकों से भरे इस प्रेक्षा ग्रह में तालियों की गूंज से नन्हे बच्चों की कला को सराहा गया। खास बात ये थी कि इंटर हाइ स्कूल की बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होने वाले छात्र छात्राओं को नामित सदस्य छावनी परिषद रक्षा मंत्रालय भारत सरकार प्रमोद शर्मा द्वारा साइकिलें भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया गया और उनके साथ पधारे उनके माता पिता को भी पुष्प गुच्छ दे कर सम्मानित किया गया,इस आयोजन के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कैंट सुरेश तिवारी अधिशासी अधिकारी, अभिषेक ठाकुर, नामित सदस्य छावनी परिषद, प्रमोद शर्मा व उनकी धर्म पत्नी, डॉ0 रंजीता शर्मा, फिल्म निर्देशक योगेश त्रिपाठी, एल0बी0 एस स्कूल के उपप्रबंधक मो0 जावेद सभी ब्रांच की प्रधानाचार्य पूर्व सदस्य छावनी परिषद अंजुम आरा, अशफाक कुरैशी सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामई उपस्थिति रही, आपको बता दे इस स्कूल ने मुमताज जैसी अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी भी देश को दी है जो आज पचास से अधिक देशों में भारतीय हॉकी खेल कर भारत का परचम लहरा चुकी हैं।

ओपन जिम की बदहाली से लोगों में नाराजगी, लाखों की लागत से बनी सुविधा बेकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर के आलमपुर रोड स्थित बैसवारा इंटर कॉलेज के खेल मैदान के पास नगर पंचायत द्वारा स्थापित ओपन जिम रखरखाव के अभाव में बदहाली का शिकार हो गया है। करीब दो वर्ष पहले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए गए इस जिम में शुरुआती दिनों में युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों की अच्छी-खासी भीड़ रहती थी, लेकिन अब अधिकांश उपकरण खराब हो चुके हैं।

जिम में लगी कई मशीनें अपनी जगह से उखड़ गई हैं, जबकि कुछ उपकरण टूटकर जमीन पर पड़े हुए हैं। कई मशीनें पूरी तरह अनुपयोगी हो चुकी हैं, जिससे यहां आने वाले लोगों को व्यायाम करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब उपकरण किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

नगर पंचायत ने इस ओपन जिम की स्थापना पर लाखों रुपये खर्च किए थे, लेकिन नियमित रखरखाव न होने के कारण इसकी हालत लगातार खराब होती चली गई। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ओपन जिम की बदहाल स्थिति को लेकर बच्चों, युवाओं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों में नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत से जल्द से जल्द उपकरणों की मरम्मत कर जिम को पुनः संचालित कराने की मांग की है, ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके।

सड़क पर बह रहा ओवरफ्लो सीवर चैंबर का दूषित पानी, आमजन परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर पालिका प्रशासन की लचर और लापरवाही भरी कार्यप्रणाली आमजन को रुला रही है। नगर की सबसे विकराल समस्या में शुमार सीवर अव्यवस्था है कि सुधरने का नाम नहीं ले रही है जिससे आमजन में गुस्सा नजर आ रहा है। नगर में स्टेट बैंक के रास्ते बाजार जाने वाले मार्ग पर जेडीसी बैंक के समीप सड़क पर सीवर उफनने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क मार्ग पर दिन भर बड़ी संख्या में पैदल और वाहन सवार लोगों का आवागमन बना रहता है। ओवरफ्लो सीवर चैंबर से ऊपर बहता दूषित पानी से आमजन को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से सीवर चैंबर ओवरफ्लो हो रहा है लेकिन समस्या के समाधान के लिए अभी तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। सड़क पर बहते दूषित पानी के कारण आसपास दुर्गंध फैल रही है जिससे आसपास रहने वाले लोगों और दुकानदारों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। आसपास के लोगों का आरोप है कि नगरपालिका कार्यालय में कई बार इस समस्या की जानकारी दी जा चुकी है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सीवर की सफाई और मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। आसपास के लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि समस्या का शीघ्र ही समाधान कराया जाए।

मोहम्मद गुलाब के ईद मिलन कार्यक्रम में पहुंचे राजा वड़िंग, बोले- ईद-उल-अजहा प्रेम, भाईचारे और कुर्बानी का संदेश देती है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के पावन अवसर पर कांग्रेस नेता मोहम्मद गुलाब की ओर से एक ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष एवं लुधियाना लोकसभा क्षेत्र से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय तलवाड़, पूर्व विधायक सरदार सिमरजीत सिंह बैंस, पार्षद गुरमीत सिंह मुंडियां, पार्षद हरविंदर सिंह कलेर, जमीयत उलेमा-ए-हिंद लुधियाना के सदर कारी गयूर अहमद सहित शहर की कई गणमान्य हस्तियां शामिल हुई और मोहम्मद गुलाब को ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी।

इस अवसर पर मोहम्मद गुलाब और उनके साथियों ने सभी मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा ईद की खुशियां एक-दूसरे के साथ साझा कीं।

इस मौके पर अपने संबोधन में राजा वड़िंग ने कहा कि ईद-उल-अजहा कुर्बानी, त्याग, प्रेम और मानवता की सेवा का संदेश देती है। पंजाब की धरती हमेशा से भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की प्रतीक रही है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज को नफरत नहीं, बल्कि प्रेम, एकजुटता और आपसी सम्मान की आवश्यकता है। मोहम्मद गुलाब ने सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि ईद जैसे त्योहार विभिन्न वर्गों और धर्मों के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का माध्यम बनते हैं और समाज में भाईचारे को मजबूत करते हैं।

उत्तर प्रदेश में रोजगार क्रांतिः योगी सरकार की नीतियों से युवाओं को मिला सम्मान और सुरक्षा

रोजगार सिर्फ आय का साधन भर नहीं है, यह सामाजिक प्रतिष्ठा का, पारिवारिक सुरक्षा का, और मानवीय गरिमा का प्रश्न भी है। जब कोई सरकार इस यथार्थ को समझकर अपनी नीतियां बनाती है, तो उसके परिणाम केवल सांख्यिकीय नहीं होते, वे सामाजिक रूपांतरण की प्रक्रिया का हिस्सा बन जाते हैं। किसी परिवार में जब पहली बार कोई सदस्य सरकारी सेवा में जाता है, तो वह केवल एक नौकरी नहीं पाता, वह उस परिवार में पीढ़ियों के संचित अभाव और प्रतीक्षा पर विराम लगाता है। वह एक ऐसा क्षण होता है जो पिछली पीढ़ी की दमित आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए नई संभावना का द्वार खोलता है। ऐसे घरों में जब एक नियुक्ति पत्र आता है, तो वह केवल कागज नहीं होता, वह समूचे परिवार के त्याग व संघर्ष की सामूहिक जीत होती है। उत्तर प्रदेश में युवाओं के सुखद भविष्य का यह अध्याय अनवरत लिखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 21 विभिन्न विभागों की विविध सेवाओं के लिए चयनित 932 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, किंतु यह संख्या अपने आप में पूरी कहानी नहीं कहती। मई माह का समग्र चित्र और भी व्यापक है। हालिया नियुक्तियों को मिलाकर केवल इसी माह में 2000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जा चुके हैं।

'चुनाव खर्च की व्यवस्था को 'इलेक्शन सरचार्ज' लगा रही भाजपा', अखिलेश ने बिजली सरचार्ज को लेकर साधा निशाना

● सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर बिजली बिलों के माध्यम से 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए 'इलेक्शन सरचार्ज' लगाने का आरोप लगाया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के तिकड़मी खर्चों की व्यवस्था के लिए 'इलेक्शन सरचार्ज' लगा रही है। जून से बिजली का बिल देखकर लोगों के आंखों के आगे अंधेरा छाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली के बिल में भाजपा का कमीशन बढ़ा है।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की कथनी-करनी में बहुत अंतर है। उसने महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन जबसे सरकार आई है, रोज महंगाई बढ़ाती जा रही है।

कभी डीजल, पेट्रोल, कभी बिजली और कभी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दे रही है। भाजपा, पूंजीपतियों के लिए नीतियां बनाती है। गरीबों की जेब से पैसा निकाल कर पूंजीपतियों की पूंजी बढ़ाती है, फिर उनसे कमीशन और चंदे लेती है। प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी तभी महंगाई से निजात मिलेगी।

जल्द जारी होगा पीडीए आडिट का दूसरा भाग

विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पीडीए की रणनीति को विस्तार देने में जुटी समाजवादी पार्टी अपने पीडीए आडिट का दूसरा भाग जारी करने की तैयारी में जुटी है। सोमवार को सपा प्रमुख ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वीडियो में पेपर लीक को लेकर भाजपा को घेरा गया है। सूत्रों के मुताबिक पीडीए आडिट का दूसरा भाग विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक सबंधी आंकड़ों पर आधारित होगा।

क्षणिक स्वार्थ से नागरिक बोध तकः एक आवश्यक वैचारिक बदलाव की आवश्यकता

मनुष्य को पृथ्वी का सबसे बुद्धिमान और विवेकशील प्राणी माना जाता है। उसके पास सही और गलत, सत्य और असत्य, न्याय और अन्याय में अंतर करने की अद्भुत क्षमता है। हमारा अनुभव, शिक्षा, सामाजिक मूल्य और कानून इस विवेक को और निखारते हैं। इसके बावजूद, एक कड़वा और विचित्र सच यह है कि हममें से अधिकांश लोग अनेक गंभीर गलतियाँ जानबूझकर करते हैं। हम भली-भांति जानते हैं कि हमारा आचरण अनुचित है और इसके परिणाम आत्मघाती हो सकते हैं, फिर भी हम उन्हें बार-बार दोहराते हैं। आज के मशीनी और उपभोक्तावादी युग में यह केवल भारतीय समाज की समस्या नहीं है, बल्कि संपूर्ण वैश्विक मानव समाज की एक सहज प्रवृत्ति बन चुकी है। हाँ, भारत जैसे विशाल, घनी आबादी और सांस्कृतिक विविधताओं वाले देश में यह समस्या अधिक मुखर और स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।?उदाहरण के लिए, हम सब जानते हैं कि ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए कितना हानिकारक है। तेज हॉर्न, अनियंत्रित डीजे और लाउडस्पीकर का शोर बच्चों, वृद्धों, रोगियों और बेजुबान जानवरों को असहनीय पीड़ा देता है, साथ ही विद्यार्थियों की एकाग्रता को भंग करता है। इसके बावजूद, विवाह, धार्मिक आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में हम ध्वनि की गरिमा और कानूनी मर्यादा को ताक पर रख देते हैं।

» यही स्थिति पर्यावरण को लेकर भी है। सड़कों पर कूड़ा फेंकना, नदियों, तालाबों और पूजनीय जलाशयों में प्लास्टिक, रासायनिक अपशिष्ट और यहाँ तक कि पूजा-सामग्री बहा देना हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। हम जानते हैं कि भूजल, कोयला और पेट्रोलियम जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, फिर भी हम उनका बेरहमी से दोहन करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन) और जलवायु परिवर्तन के खतरों को रोज महसूस करने के बाद भी 'विकास' के मुखौटे के पीछे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई जारी है, और समाज में इसके प्रति कोई सामूहिक पश्चाताप नहीं दिखता।

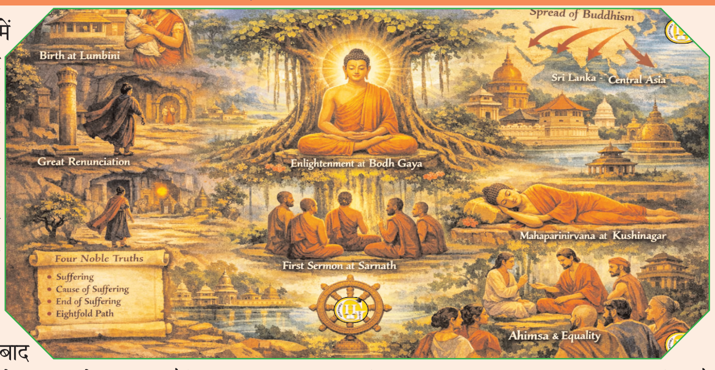

» यातायात नियमों की स्थिति तो और भी चिंताजनक है। लाल बत्ती (रेड लाइट) पार करना, हेलमेट न लगाना, सीट बेल्ट से परहेज करना और 'रॉन्ग साइड' (गलत दिशा) में वाहन दौड़ाना, वाहन चलाते मोबाइल का उपयोग करना आदि को बहादुरी का प्रतीक मान लिया जाता है। प्रदूषण फैलाते वाहनों से पर्यावरण को बीमार करने में हमें कोई झिझक नहीं होती। त्रासदी यह है कि जब इन गलतियों के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो हम अपनी जिम्मेदारी लेने के बजाय तुरंत व्यवस्था, प्रशासन या सड़कों को दोष देकर पल्ला झाड़ लेते हैं।

» यही प्रवृति हमारे सामाजिक और नैतिक जीवन में भी दिखती है। झूठ बोलना, अनुचित लाभ उठाना, भ्रष्टाचार, कर चोरी (टैक्स चोरी), सार्वजनिक विमर्श में अभद्र भाषा का प्रयोग और धोखाधड़ी जैसे कृत्य अब समाज में सामान्य माने जाने लगे हैं। सवाल यह उठता है कि जब हमारी चेतना यह मानती है कि यह सब गलत है, तो फिर हमारा व्यवहार इसके ठीक उलट क्यों होता है?

मनोविज्ञानी और समाजशास्त्री इसके पीछे चार मुख्य कारण मानते हैं:

पहला,?तात्कालिक लाभ की प्रवृत्ति मनुष्य का दिमाग दूरगामी नुकसान की तुलना में तत्काल मिलने वाले छोटे से लाभ को अधिक महत्व देता है। जैसे लाल बत्ती तोड़कर दो मिनट बचा लेने का 'तात्कालिक लाभ' उसे संभावित दुर्घटना के 'दूरगामी खतरे' से अधिक आकर्षक लगता है। पेड़ बेचकर तुरंत मिलने वाला पैसा, भविष्य के पर्यावरणीय संकट पर भारी पड़ जाता है।दूसरा,

सामूहिक अनुकरण। जब लोग देखते हैं कि समाज में बहुसंख्यक लोग नियमों को तोड़ रहे हैं और उन्हें कोई टोकने वाला नहीं है, तो वे भी उसी राह पर चल पड़ते हैं। धीरे-धीरे यह सामूहिक अनाचार सामाजिक स्वीकृति पा लेता है। जैसे कचरा फेंकने वाला हर व्यक्ति यही सोचता है कि 'जब पूरी सड़क ही गंदी है, तो मेरे एक रैपर फेंकने से क्या फर्क पड़ जाएगा? 'तीसरा,?दंड के भय का अभाव। जिन देशों में कानून का शासन कठोर और निष्पक्ष होता है, वहाँ नागरिक चाहकर भी नियम तोड़ने का साहस नहीं करते। इसके विपरीत, जहाँ लचर कानून व्यवस्था या 'प्रभाव' के दम पर बच निकलने का रास्ता खुला हो, वहाँ अपराधियों और नियम तोड़ने वालों का साहस बढ़ जाता है। चौथा,?नैतिक शिक्षा और नागरिक बोध की कमी। जब हमारी शिक्षा व्यवस्था केवल उपाधियाँ (डिग्रियां) बांटने और रोजगार सुरक्षित करने का माध्यम बनकर रह जाती है, तो चरित्र निर्माण का मुख्य उद्देश्य पीछे छूट जाता है। ऐसे में हम साक्षर और तकनीकी रूप से सक्षम लोग तो तैयार कर लेते हैं, लेकिन एक जिम्मेदार 'नागरिक' गढ़ने में असफल हो जाते हैं।

भारतीय दर्शन में इस मानवीय भटकाव का उत्तर बहुत पहले दे दिया गया था। हमारे मनीषियों ने काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार (षड्रिपु) को तमाम गलतियों का मूल कारण बताया है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि आत्म-नियंत्रण की कमी और अनियंत्रित स्वार्थ ही मनुष्य से गलत निर्णय करवाते हैं।

मेरा ऐसा मानना है कि ?इस जटिल समस्या का समाधान केवल कड़े कानून बनाने या नए जुर्माने तय करने से नहीं होगा। इसके लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।व्यक्तिगत आचरण में सुधार, व्यापक सामाजिक जागरूकता, प्राथमिक स्तर से ही मूल्यों पर आधारित शिक्षा और बिना किसी भेदभाव के त्वरित व प्रभावी दंड व्यवस्था।?जब तक हम यह आत्मसात नहीं करेंगे कि हमारी एक छोटी सी लापरवाही समाज, पर्यावरण और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है, तब तक कोई सकारात्मक बदलाव संभव नहीं है। वास्तव में, यक्ष प्रश्न यह नहीं है कि हम अनजाने में गलतियाँ क्यों करते हैं; प्रश्न तो यह है कि 'सही क्या है'—यह भली-भांति जानते हुए भी गलत करने का दुस्साहस हमारे भीतर कहाँ से आता है? जिस दिन हमारा आत्म-विवेक, हमारे क्षणिक स्वार्थ पर विजय प्राप्त कर लेगा, ठीक उसी दिन से एक स्वस्थ, समृद्ध और सभ्य समाज का पुनर्जन्म होगा।

प्रो.(डा.)मनमोहन प्रकाश

एनएचएम के संविदा कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं की सुध लेने वाला कोई नहीं

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, महामारी नियंत्रण और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं को जमीन पर उतारने का जिम्मा इन्हीं संविदा कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं के कंधों पर है। फिर भी, दशकों से ये वही लोग सबसे ज्यादा उपेक्षित हैं। वेतन में देरी, नियमितीकरण की मांग पर खामोशी, न्यूनतम सुविधाओं का अभाव और शोषण की संस्कृति - यह सब जारी है। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मई 2026 में एनएचएम के हजारों संविदा कर्मचारियों ने दो-तीन महीने के लंबित मानदेय को लेकर 'नो पे नो वर्क' का प्रदर्शन किया। सोनभद्र, गाजियाबाद, मेरठ, हरदोई, पीलीभीत समेत कई जिलों में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर काम किया या धरना दिया। परिवार चलाना मुश्किल हो गया है - बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च, दवाइयाँ सब प्रभावित हो रहे हैं।

समस्या की गहराई

एनएचएम के तहत काम करने वाले कर्मचारी वर्षों से संविदा पर हैं। कई जगह 10-15 साल या उससे ज्यादा सेवा देने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों जितना वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल सुविधा या जॉब सिक्योरिटी नहीं मिलती। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि राज्य 'स्थायी काम को संविदा के नाम पर शोषण' नहीं कर सकता। 10 साल से ज्यादा सेवा देने वाले कर्मचारियों को नियमित करने का आदेश दिया गया। लेकिन उत्तर प्रदेश में स्थिति अलग है। यहां अदालतें भी कई बार कह चुकी हैं कि संविदा कर्मचारियों को स्वतः नवीनीकरण का अधिकार नहीं है। परिणामस्वरूप, कर्मचारी अनिश्चितता के साए में काम करते हैं। महामारी के समय जब इन्हीं कर्मचारियों ने जान की बाजी लगाकर ड्यूटी की, तब भी बीमा और अतिरिक्त सुविधाएं देने में कोताही बरती गई।

मांगें जायज हैं

- समय पर वेतन भुगतान
- समान काम के लिए समान वेतन
- लंबे समय से सेवा देने वालों का नियमितीकरण
- सामाजिक सुरक्षा (बीमा, मातृत्व अवकाश, मेडिकल लीव) - वेतन विसंगतियों को दूर करना

ये मांगें नई नहीं हैं। 2021 में भी यूपी में बड़े प्रदर्शन हुए थे। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बिहार जैसे राज्यों में भी इसी तरह की हड़तालें हो चुकी हैं।

सरकारी तर्क और हकीकत

सरकार का तर्क है कि एनएचएम केंद्र प्रायोजित योजना है, फंड की कमी रहती है। लेकिन सवाल यह है कि जब योजनाएं चलानी हैं तो कर्मचारियों को भूखा क्यों रखा जाता है? स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधन की कमी देशव्यापी समस्या है, फिर भी संविदा प्रथा को खत्म करने की बजाय उसे बढ़ावा दिया जा रहा है। यह न सिर्फ कर्मचारियों के साथ अन्याय है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी भी है। अगर कर्मचारी अनिश्चितता में रहेंगे तो समर्पण और गुणवत्ता कैसे बनी रहेगी?

समाधान की दिशा

सरकार को एक व्यापक नीति बनानी चाहिए। जिन कर्मचारियों ने 8-10 साल या उससे ज्यादा सेवा दी है, उन्हें चरणबद्ध तरीके से नियमित किया जाए। वेतन संरचना को तर्कसंगत बनाया जाए। फंड रिलीज को समयबद्ध किया जाए ताकि वेतन में देरी न हो। एनएचएम के बिना ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था लकवाग्रस्त हो जाएगी। आशा वर्कर्स, एएनएम, डेटा ऑपरेटर, लैब टेक्नीशियन, डॉक्टर - सभी इस मिशन के अंग हैं। इनकी उपेक्षा करना राष्ट्र की उपेक्षा है। समय आ गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करें।प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी 'अराजक' नहीं, बल्कि पीड़ित हैं। उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं - यह वाक्य दुखद है, लेकिन सच्चा है। अब इसे बदलने की जिम्मेदारी सत्ता के गलियारों में है। स्वास्थ्य मिशन तभी सफल

महंगाई की चक्की में पिसता वो अनाज, जिसकी रोटी सब खा रहे हैं

[खामोश राख बनती वो ईंट, जिस पर महल खड़े हो रहे हैं]

[मध्य वर्ग– जिसकी हथेली पर टिका है भारत, वही सबसे खाली क्यों है?]

भारत की आर्थिक कहानी में एक ऐसा पात्र है जो हर अध्याय में मौजूद रहता है, लेकिन जिसकी पीड़ा अक्सर फुटनोट बनकर रह जाती है। यह पात्र है—मध्य वर्ग। यह वही जीवन है जो हर सुबह उम्मीद जोड़ता है और हर रात हिसाब में उलझकर टूटता थोड़ा और है। विकास, कर और उपभोग की सबसे भारी जिम्मेदारी इसी के कंधों पर है, फिर भी सुविधाएँ इसके हिस्से में हमेशा कम पड़ जाती हैं। न यह इतना कमजोर है कि योजनाओं का पूरा लाभ ले सके, न इतना सक्षम कि महंगाई और करों का दबाव सहज झेल पाए—इसलिए यह लगातार सिकुड़ती आर्थिक खाई में फँसता जा रहा है। वर्ष 2026 में स्थिर आय, बढ़ती कीमतें और ईंधन का बोझ इसे और अधिक नीरव पीड़ा में धकेल रहे हैं।

अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाने वाला मध्य वर्ग आज उसी व्यवस्था के सबसे तीखे दबाव में है—विडंबना यह कि जिस मशीन को वह चलाता है, उसका सबसे भारी बोझ भी वही उठाता है। उपभोग, कर और नकदी प्रवाह की धुरी होने के बावजूद उसकी आय का अधिकांश हिस्सा रोज़मर्रा खर्चों में ही समाप्त हो जाता है; शहरों में किराया कमाई को निगलता है, ईएमआई आय को जकड़ती है, राशन और शिक्षा का बढ़ता खर्च लगातार दबाव बनाता है। कर राहतें महंगाई की रफ्तार के आगे कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे बचत घटती है और भविष्य और अधिक अनिश्चित होता जाता है।

कीमतों की चुपचाप उठती लहरें सबसे पहले मध्य वर्ग की जेब से टकराती हैं, क्योंकि उसके पास बचाव की गुंजाइश सबसे कम होती है। पेट्रोल-डीजल महँगा होता है तो असर सिर्फ गाड़ी तक नहीं रहता—परिवहन से लेकर रसोई, बाजार और हर जरूरी सेवा की कीमतें ऊपर चढ़ जाती हैं। सब्ज़ी, दूध, दाल और रोज़मर्रा का सामान लगातार बजट को अस्थिर करता रहता है, जबकि आय उसी रफ्तार से नहीं बढ़ती। चिकित्सा खर्च तेज़ी से बढ़ रहा है और शिक्षा की लागत भी हर साल नई ऊँचाई छू रही है। न मुफ्त इलाज का सहारा है, न पूरी तरह सस्ती शिक्षा का विकल्प—हर सेवा का पूरा मूल्य चुकाकर ही यह वर्ग अपनी जरूरतें पूरी करता है।

करों की अदृश्य परतें जब आम जीवन पर चढ़ती हैं, तो सबसे पहले मध्य वर्ग की सांसें भारी हो जाती हैं। आयकर का सबसे बड़ा हिस्सा देने के बावजूद यह वर्ग लाभों की कतार में अक्सर पीछे रह जाता है। एक ओर गरीब वर्ग को योजनाओं और सब्सिडी का सहारा मिलता है, दूसरी ओर संपन्न वर्ग कर-योजनाओं से राहत निकाल लेता है—पर इनके बीच खड़ा मध्य वर्ग न पर्याप्त सहायता पा पाता है, न कर बचाने की सुविधा। बिजली, पानी, किराया और हर उपभोग वस्तु पर सीधे-परोक्ष करों का दबाव उसकी जेब को लगातार हल्का करता रहता है। नतीजतन, आय बढ़ने के बावजूद उसकी वास्तविक खरीद क्षमता धीरे-धीरे घटती जाती है।

सपनों की बुनियाद माने जाने वाले आवास और शिक्षा आज मध्य वर्ग के लिए सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती बन चुके हैं। महानगरों में किराया इतना बढ़ गया है कि आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ छत बचाने में ही निकल जाता है, जबकि घर खरीदने का सपना लंबी ईएमआई और भारी ब्याज के बोझ में उलझकर रह जाता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी अब सस्ती नहीं रही—स्कूल फीस, परिवहन, कोचिंग और गतिविधियों के खर्च मिलकर परिवार के बजट को लगातार दबाते रहते हैं। इसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते बीमा प्रीमियम और सीमित कवरेज हर अचानक बीमारी को आर्थिक अस्थिरता का कारण बना देते हैं, जिससे वर्षों की योजना पल भर में बिखर सकती है।

आर्थिक दबाव अब सिर्फ खातों की गणना नहीं रहा, यह जीवन की सोच और मनोस्थिति तक उतर आया है। बेहतर जीवन की चाह में लोग कर्ज और ईएमआई के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं, जहाँ इच्छाएँ बार-बार टलती हैं और जरूरतें लगातार आगे खिसकती जाती हैं। भविष्य के लिए बचत और निवेश की योजनाएँ आज के खर्चों के सामने कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे सुरक्षा की भावना धीरे-धीरे धुंधली होती जाती है। युवा पीढ़ी इस असंतुलन को देखकर भरोसे की जगह उलझन महसूस कर रही है—शिक्षा, नौकरी और स्थिरता के पुराने भरोसे अब पहले जैसे मजबूत नहीं रहे। यह स्थिति केवल आय-व्यय का अंतर नहीं, बल्कि उम्मीदों और हकीकत के बीच गहराती खामोश दूरी का संकेत है।

यह स्थिति केवल घरों की सीमाओं में कैद नहीं रहती, बल्कि पूरे देश की आर्थिक धड़कन को प्रभावित करती है। जैसे ही मध्य वर्ग की क्रय शक्ति घटती है, बाजार की रफ्तार धीमी पड़ने लगती है, उपभोग कम होता है और विकास की गति पर सीधा असर दिखता है। इसलिए इसकी समस्याओं को व्यक्तिगत बोझ मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत है वास्तविक कर सुधार, महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण, स्वास्थ्य-शिक्षा में लक्षित राहत, ईंधन करों में संतुलन और किफायती आवास नीतियों की। अगर अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले इस वर्ग को स्थिरता नहीं मिली, तो विकास की पूरी संरचना धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती है।

राष्ट्र निर्माण की धुरी अब एक नए दृष्टिकोण की माँग कर रही है, जहाँ मध्य वर्ग को केवल करदाता नहीं बल्कि वास्तविक भागीदार माना जाए। वर्षों से यह वर्ग विकास की कीमत चुकाता आया है, लेकिन अब उसके धैर्य और क्षमता दोनों की सीमाएँ स्पष्ट होने लगी हैं। जो वर्ग अर्थव्यवस्था को गति देता है, वही यदि असुरक्षा, कर्ज और अनिश्चितता के दबाव में आ जाए, तो यह स्थिति पूरे देश के लिए चेतावनी बन जाती है। जैसे शरीर की ताकत रीढ़ पर टिकी होती है, वैसे ही किसी राष्ट्र की स्थिरता मध्य वर्ग पर निर्भर करती है—और यदि यही रीढ़ कमजोर पड़ जाए, तो विकास की चमक भी लंबे समय तक कायम नहीं रह सकती।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

पृथ्वी की पुकार

जब प्रथम मनुष्य ने
गुफा की दीवारों पर जीवन के चित्र उकेरे थे,
तब उसकी उँगलियों में विजय का नहीं, प्रकृति के प्रति विस्मय का रंग था।
जब वेदों के मंत्रों में नदियाँ माता कही गई,
जब अरण्यक वन की नीरवता में रचे गए,
जब पर्वतों को देव और वृक्षों को वंदनीय माना गया, तब सभ्यता ने सीखा था– धरती उत्तराधिकार नहीं, उत्तरदायित्व है।
किन्तु इतिहास की राह में
एक दिन मनुष्य ने अपनी ही सीमा लाँघ दी। उसने नदियों को बाँधों में कैद कर लिया,
वनों को बाज़ारों की वस्तु बना दिया, और धुएँ की चादर से आकाश का नीला चेहरा ढँक दिया।
लोहे की भूख बढ़ती गई,
कंक्रीट के जंगल फैलते गए, और असली जंगल
मानचित्रों से मिटते गए।
गंगा ने अपने तटों पर कचरे का बोझ सहा,
हिमालय ने अपनी बर्फ़ीली चुप्पी में पिघलने का दर्द छिपाया,
समुद्रों ने प्लास्टिक के घाव सँजोए,
और ऋतुएँ अपने ही समय से भटक गई।
इतिहास साक्षी है–
जब-जब मनुष्य ने प्रकृति को लूटा है, प्रकृति ने प्रतिशोध नहीं, परिणाम दिया है।
सूखे पड़े, बाढ़ें आई,
तूफानों ने नगरों का अभिमान तोड़ा, और तपती धरती ने चेतावनी दी–'तुम्हारी प्रगति यदि मेरे अस्तित्व पर खड़ी है,
तो वह प्रगति नहीं, पराजय है।
'किन्तु इसी इतिहास में
अमर हैं वे हाथ भी
जिन्होंने वृक्षों को कटने से बचाने के लिए
अपने प्राणों का कवच बना लिया।
अमर हैं वे स्त्रियाँ
जिन्होंने तनों से लिपटकर कहा– 'पहले हमें काटो, फिर वन को। 'अमर हैं वे गाँव
जिन्होंने सूखी धरती पर
जल की हर बूँद को पूजा की तरह सँजोया।
और अमर हैं वे बच्चे
जो आज भी एक पौधा लगाते समय
भविष्य के लिए प्रार्थना बोते हैं।
इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की पुकार
केवल एक आयोजन नहीं,
एक ऐतिहासिक संकल्प है–
प्लास्टिक प्रदूषण का अंत।
क्योंकि यह केवल कचरा नहीं,
समय के माथे पर लगा वह कलंक है
जो नदियों की साँस रोक रहा है, समुद्रों की गहराई घायल कर रहा है,
और आने वाली पीढ़ियों का अधिकार छीन रहा है।
आओ, फिर उसी प्राचीन स्मृति में लौटें
जहाँ पृथ्वी माता थी, जल जीवन था, वन संस्कृति थे,
और मनुष्य संरक्षक था।
आओ, ऐसा इतिहास लिखें
जिसे पढ़कर आने वाली शताब्दियाँ कहें–
'जब पृथ्वी संकट में थी,
तब कुछ लोगों ने केवल भाषण नहीं दिए; उन्होंने वृक्ष लगाए,
नदियाँ बचाई, प्लास्टिक छोड़ा,
और अपने समय के विरुद्ध खड़े होकर
भविष्य के पक्ष में निर्णय लिया।
'तब धरती मुस्कराएगी, नदियाँ फिर गाएँगी, वन फिर श्वास लेंगे,
और मानव सभ्यता का सबसे सुंदर अध्याय
किसी युद्ध की विजय से नहीं,
प्रकृति के साथ पुनर्मिलन से लिखा जाएगा।
'इतिहास के सबसे महान विजेता वे नहीं होंगे
जिन्होंने धरती को जीता, बल्कि वे होंगे जिन्होंने धरती को बचाया।'

डॉ रामानुज पाठक

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। **शुभ रंगः** लाल 7 **शुभ अंकः** 9

वृषभ रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंगः** सफेद 7 **शुभ अंकः** 6

मिथुन आज व्यस्तता अधिक रहेगी। कार्यों में सफलता के लिए धैर्य बनाए रखें। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंगः** हरा 7 **शुभ अंकः** 5

कर्क परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। **शुभ रंगः** चांदी 7 **शुभ अंकः** 2

सिंह नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। नौकरी में पद और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या आज मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। व्यापार में नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। **शुभ रंगः** हरा 7 **शुभ अंकः** 7

तुला भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में संतुलित व्यवहार रखें। निवेश के लिए दिन अच्छा है।
शुभ रंगः गुलाबी 7 **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक कार्यस्थल पर चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सफलतापूर्वक पार कर लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः मैरून 7 **शुभ अंकः** 8

धनु धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं। यात्रा से लाभ मिल सकता है।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

मकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंगः** नीला 7 **शुभ अंकः** 4

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ के नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
शुभ रंगः आसमानी 7 **शुभ अंकः** 11

मीन नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 7

भारत नेपाल सीमा विवाद के ऐतिहासिक और राजनीतिक आयाम

भारत और नेपाल के मध्य सदियों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध रहे हैं जो विश्व पटल पर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। दोनों देशों के बीच लगभग 1751 किलोमीटर की लंबी खुली सीमा है। दोनों राष्ट्रों के नागरिक बिना किसी विशेष अनुमति पत्र के एक दूसरे के देश में अबाध रूप से आ जा सकते हैं, कार्य कर सकते हैं और व्यापार कर सकते हैं। पशुपतिनाथ और काशी विश्वनाथ जैसे पवित्र स्थल दोनों देशों की आस्था को एक समान सूत्र में बांधते हैं। इसके अतिरिक्त दोनों देशों के बीच अत्यंत प्रगाढ़ पारिवारिक और सामाजिक संबंध हैं। आर्थिक रूप से भी नेपाल अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए मुख्य रूप से भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर करता है। भारत नेपाल को पेट्रोलियम, खाद्यान्न, दवाइयाँ और बिजली जैसी आवश्यक वस्तुएँ निरंतर प्रदान करता है। वर्ष 1950 की शांति और मित्रता संधि दोनों देशों के संबंधों की आधारशिला है। इस संधि ने नेपाल के नागरिकों को भारत में रोजगार और निवास करने के वे सभी अधिकार दिए हैं जो किसी भारतीय नागरिक को प्राप्त हैं। भारतीय सेना में गोरखा सैनिक इसका एक गौरवशाली प्रमाण हैं जो दशकों से भारत की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च योगदान देते आए हैं। इतनी गहरी मित्रता और निर्भरता के बावजूद दोनों देशों के बीच सीमा से जुड़े कुछ संवेदनशील विषय समय समय पर कूटनीतिक तनाव का कारण बनते रहे हैं।

हाल ही में काठमांडू के महापौर बालेन्द्र शाह के एक वक्तव्य ने इस पुराने सीमा विवाद को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। नेपाल की संसद और सार्वजनिक मंचों पर इस विषय ने एक नई बहस को जन्म दिया है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है बल्कि नेपाल के लोगों ने भी कुछ स्थानों पर भारतीय भूमि का उपयोग किया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दोनों देशों को कूटनीतिक वार्ताओं, इतिहासकारों और सर्वेक्षण विशेषज्ञों की सहायता से इस विवाद का स्थायी समाधान खोजना चाहिए। नेपाल की राजनीति में जहाँ अक्सर राजनीतिक लाभ लेने के लिए भड़काऊ भावनाएं फैलाई जाती हैं, वहाँ एक लोकप्रिय युवा नेता द्वारा इस प्रकार का संतुलित और दोनों पक्षों की कमियों को स्वीकार करने वाला वक्तव्य आना एक अप्रत्याशित घटना थी। उनके इस बयान का नेपाल के भीतर कड़ा विरोध भी हुआ जिसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि महापौर का आशय सीमा पार खेती और स्थानीय निवासियों द्वारा भूमि के उपयोग से था न कि किसी राजनीतिक कब्जे से।

भारत और नेपाल के बीच मुख्य सीमा विवाद कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता क्षेत्रों को लेकर है। कालापानी क्षेत्र भारत के उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जिले के पास स्थित है और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत के त्रिकोणीय भूभाग के पास स्थित है। वर्ष 1962 के युद्ध के बाद से भारत ने यहाँ अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। लिपुलेख दर्रा कैलाश मानसरोवर यात्रा के मुख्य मार्ग के रूप में भी जाना जाता है। इस विवाद की ऐतिहासिक जड़ें वर्ष 1816 की सुगौली संधि में निहित हैं जो ब्रिटिश शासकों और नेपाल के राजा के बीच हुई थी। इस संधि के अनुसार महाकाली नदी को दोनों देशों के बीच की पश्चिमी सीमा माना गया था। सारा विवाद इस बात पर केंद्रित है कि महाकाली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल कौन सा है। नेपाल का दावा है कि नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है जिसके आधार पर कालापानी और लिपुलेख उसके भूभाग का हिस्सा बन जाते हैं। दूसरी ओर भारत का स्पष्ट मानना है कि नदी का उद्गम कालापानी के पास से होता है और इसलिए यह पूरा क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है।

वर्ष 2020 में यह कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर पहुँच गया था जब भारत ने धारचूला से लिपुलेख तक एक नई सड़क का निर्माण किया ताकि तीर्थयात्रियों को सुविधा हो सके। इसके प्रतिक्रिया स्वरूप नेपाल सरकार ने अपना नया राजनीतिक मानचित्र जारी कर दिया जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दर्शाया गया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद को लगभग रोक दिया था। नेपाल के कुछ नेताओं ने इस विवाद में ब्रिटेन और चीन के साथ संवाद करने की बात भी कही थी। भारत हमेशा से यह दृढ़तापूर्वक मानता रहा है कि भारत और नेपाल के बीच का सीमा विवाद पूरी तरह से एक द्विपक्षीय विषय है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल के पूर्व कूटनीतिज्ञों और सीमा विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा का निर्धारण सफलतापूर्वक हो चुका है और केवल कुछ ही स्थानों पर सीमा स्तंभों की स्थिति को लेकर भ्रम है। सुस्ता क्षेत्र का विवाद गंडक नदी के मार्ग बदलने के कारण उत्पन्न हुआ है। नदियों के प्राकृतिक बहाव में परिवर्तन अक्सर सीमावर्ती क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ पैदा करता है जिनका समाधान तकनीकी और सर्वेक्षण समितियों द्वारा किया जा सकता है। दोनों देशों के बीच संयुक्त सीमा कार्यसमूह पहले से ही इन विषयों पर कार्य कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो शेष 3 प्रतिशत विवादित सीमा का समाधान भी शांतिपूर्ण ढंग से किया जा सकता है।

वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में चीन का बढ़ता प्रभाव भी इस विवाद को जटिल बनाता है। चीन नेपाल में भारी मात्रा में आर्थिक निवेश कर रहा है और सड़क, रेल तथा अन्य आधारभूत ढांचों का निर्माण कर रहा है। भारत की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि नेपाल के साथ उसके संबंध मधुर बने रहें ताकि कोई अन्य देश इस कूटनीतिक दूरी का लाभ न उठा सके। नेपाल भी एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत और चीन के बीच संतुलन बनाकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन करना चाहता है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल नक्शों और सीमा रेखाओं के मोहताज नहीं हैं। दोनों देशों के नागरिकों के बीच जो गहरा विश्वास और आत्मीयता है वह किसी भी कूटनीतिक विवाद से कहीं अधिक शक्तिशाली है। भड़काऊ बयानों के स्थान पर ऐतिहासिक दस्तावेजों, तथ्यों और व्यावहारिक कूटनीति के आधार पर समाधान खोजना ही एकमात्र विकल्प है। यदि दोनों देश परस्पर सम्मान और संवाद की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखते हैं तो सीमा विवाद को सुलझाना कोई असंभव कार्य नहीं है। भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दक्षिण एशिया के निर्माण हेतु भारत और नेपाल की अटूट मित्रता अत्यंत आवश्यक है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत गोला सभागार में सिंचाई विभाग और राजस्व टीम का संयुक्त बैठक हुआ सम्पन्न

गोलाबाजार गोरखपुर- शासन के निर्देश पर नगर पंचायत गोला में सोमवार को सिंचाई विभाग व राजस्व टीम के अधिकारियों की एक आवश्यक बैठक हुई। इस बैठक में सरयू नदी के तटबंध की सुरक्षा, सर्प दंश, नदी में डूबने से होने वाली मृत्यु, नाव दुर्घटना, बाढ़ से बचाव को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। जिसमें समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि तटबंध की सतत निगरानी किया जाएगा। नदी के बहाव क्षेत्र में उतार चढ़ाव की दृष्टि से तट बंध की सुरक्षा, बाढ़ सुरक्षा हेतु मिट्टी भरी बोरियां , गिट्टी, नायलॉन की क्रेट उपलब्ध रहना चाहिए। इस बैठक में सिंचाई विभाग के जे ई अमित कुमार वर्मा, सत्यप्रकाश कुमार, अरुण कुमार लेखपाल संजय तिवारी, आकाश, रंजीत, सभासद श्रवण कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रधान को प्रशासक बनाये जाने का किया विरोध प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

सहजनवां गोरखपुर: प्रधान को प्रशासक बनाए जाने पर सोमवार को भारी संख्या में प्रधान,क्षेत्र पंचायत,जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में भागीदारी लेने वाले भावी प्रत्याशियों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार राम सूरज को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे इंद्रदेव सिंह ने कहा कि सरकार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2027 में कराना चाहती है। जो सरकार की नाकामी है। और लोकतंत्र की हत्या कर रही है। पिछड़ा आयोग का का गठन 8 माह बाद किया गया। जो 20 मई 2026 को जारी किया गया है। मतदाता सूची का प्रकाशन 15 जनवरी 2026 को होना था। जो अब 10 जून 2026 को कर दिया गया है। प्रदेश सरकार पंचायत चुनाव में अपने खराब प्रदर्शन के भय से ऐसा कर रही है। भावी प्रत्याशियों की मांग है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समय से कराया जाय। इस दौरान दिलीप कुमार मौर्य,गुब्बूलाल प्रजापति,हरेंद्र यादव,राजनाथ राव,सतेंद्र मौर्य,अजीत यादव,धर्मेंद्र कुमार,अजय शर्मा,शमशेर अली,समीर सिंह,मुन्ना सिंह,मनीष चौधरी,संदीप मौर्य सहित सैकड़ों भावी प्रत्याशी मौजूद थे।

नवागत कोतवाल सी.पी. पांडेय ने संभाला गोला कोतवाली का कार्यभार

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला कोतवाली के नवागत प्रभारी निरीक्षक सी.पी. पांडेय ने शनिवार देर शाम विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। रविवार को उन्होंने थाने के समस्त पुलिसकर्मियों से परिचय प्राप्त किया तथा थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था एवं प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनके विधिसम्मत निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस विभाग में हुए तबादलों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के आदेश पर पूर्व प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह का स्थानांतरण साइबर विभाग में किया गया है, जबकि एम्स थाना प्रभारी रहे सी.पी. पांडेय को गोला कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है।औपचारिक मुलाकात के दौरान सी.पी. पांडेय ने कहा कि शासन और प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, शांति कायम रखना तथा पीड़ितों को त्वरित और निष्पक्ष न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जमीन संबंधी विवादों के निस्तारण में राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी तथा पुलिस शांति व्यवस्था बनाए रखने में हरसंभव सहयोग करेगी। मूल रूप से गाजीपुर निवासी सी.पी. पांडेय वर्ष 1999 बैच के अधिकारी हैं। वह करीब पांच माह पूर्व मिर्जापुर से गोरखपुर आए थे और एम्स थाने में तैनात थे। अब उन्हें गोला कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिलाधिकारी ने बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर का किया निरीक्षण, सौन्दर्यीकरण एवं साफ-सफाई के दिए निर्देश

● श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्यटन की दृष्टि से आवश्यक व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो गोण्डा। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने जनपद स्थित बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर परिसर का संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर एवं उसके आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्यटन की दृष्टि से आवश्यक व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर के समीप स्थित तालाब की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने पाया कि तालाब के सौन्दर्यीकरण एवं नियमित साफ-सफाई की आवश्यकता है। इस पर उन्होंने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) रुपईडीह, कार्यदायी संस्था सी एण्ड डीएस तथा पर्यटन अधिकारी को संयुक्त रूप से तालाब के सौन्दर्यीकरण एवं साफ-सफाई का कार्य कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर जनपद का एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं आस्था का केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाब की सफाई के साथ-साथ उसके आसपास हरियाली विकसित करने, आवश्यक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा परिसर की समुचित देखरेख की व्यवस्था भी की जाए।उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों एवं धार्मिक स्थलों के विकास से न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलता है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराते हुए प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने जिलाधिकारी को प्रस्तावित कार्यों एवं विकास योजनाओं के संबंध में जानकारी भी दी। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के 21 मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद के हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 मेधावी छात्र-छात्राओं को जिला पंचायत सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में माननीय विधायक सदर गोण्डा प्रतीक भूषण सिंह, विधायक करनैलगंज अजय सिंह, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद तथा सांसद गोण्डा एवं केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्र सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मेधावियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं 21 हजार की सम्मान राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ये छात्र-छात्राएं जनपद का गौरव हैं तथा इनके उत्कृष्ट परिणाम अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बताया गया कि कुल 21 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिनमें से 7 विद्यार्थियों को लोकभवन, लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान प्रदान किया गया तथा 14 विद्यार्थियों को जिला पंचायत सभागार, गोण्डा में माननीय विधायक सदर गोण्डा प्रतीक भूषण सिंह, विधायक करनैलगंज अजय सिंह, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद तथा सांसद गोण्डा एवं केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्र द्वारा सम्मानित किया गया। लोकभवन में सम्मानित होने वाले 7 विद्यार्थियों में 1 छात्र संस्कृति बोर्ड का तथा 6 छात्र-छात्राएं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के थे।इस प्रकार जनपद के कुल 20 छात्र-छात्राएं यूपी बोर्ड से तथा 1 छात्र संस्कृति बोर्ड से सम्मानित हुए। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है तथा मेधावी विद्यार्थियों की सफलता से जनपद की शैक्षिक पहचान और अधिक मजबूत होगी।इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राम चन्द्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, मंडलीय खेल सचिव स्वेता मिश्रा सहित शिक्षा विभाग के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना एवं उनके सम्मान के साथ किया गया।

ग़ोला क्षेत्र कोटिया नायक के समस्याथान मंदिर में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, क्षेत्र में सनसनी

● पुराने विवाद के बाद हुई थी थाने में पूछताछ, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के कोटिया नायक गांव के समीप स्थित समस्याथान मंदिर परिसर में सोमवार को एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटकता मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की जानकारी मिलने पर गोला पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान जवाहर यादव (37 वर्ष) पुत्र रामदुलार यादव निवासी कोटिया नायक के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार मंदिर गांव से लगभग एक किलोमीटर पूर्व एक अपेक्षाकृत सुनसान स्थान पर स्थित है। सुबह जब कुछ लोगों की नजर मंदिर परिसर में फंदे से लटके शव पर पड़ी तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मृतक का नाम हाल ही में एक पुराने विवाद को लेकर चर्चा में आया था। बताया जा रहा है कि रविवार को किसी पुराने मुकदमे और आपसी विवाद को लेकर तीन भाइयों के बीच मारपीट हुई थी। मामले की सूचना पर पुलिस ने तीनों भाइयों को गोला थाने बुलाकर पूछताछ की थी। देर शाम सभी को छोड़ दिया गया था। इसके बाद सोमवार को जवाहर यादव का शव मंदिर परिसर में फांसी के फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों का कहना है कि जवाहर यादव लंबे समय से नशे का आदी था और शराब व गांजे का सेवन करता था। लोगों के अनुसार उसका पारिवारिक जीवन भी सामान्य नहीं था। पत्नी और तीन बच्चों के होने के बावजूद वह परिवार से अलग-थलग रहता था। बताया जाता है कि पिछले कुछ समय से उसने साधु जैसा जीवन अपना लिया था और अक्सर घर से दूर रहता था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। हालांकि आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। गोला पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर:ज्वैलरी शॉप लूटकांड का आरोपी जेल में मौत का शिकार, मुठभेड़ में पैर में लगी थी गोली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गोला कस्बे में चर्चित ज्वैलरी शॉप लूटकांड के आरोपी मेहंदी हसन की रविवार को जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। बंदी की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हलचल मच गई। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विसरा सुरक्षित रखकर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार गोला कस्बे में हुई ज्वैलरी शॉप लूट की वारदात के बाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने संयुक्त अभियान चलाकर आरोपी मेहंदी हसन को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में मेहंदी हसन के पैर में गोली लगी थी। उपचार के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। रविवार को जेल में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। जेल प्रशासन द्वारा तत्काल उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी अस्पताल पहुंच गए तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कराई गई। प्रारंभिक चिकित्सकीय जांच में मौत की वजह हार्ट अटैक सामने आई है, लेकिन मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पोस्टमार्टम कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए विसरा सुरक्षित रखा गया है, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद ही अंतिम निष्कर्ष सामने आएगा। मेहंदी हसन का नाम गोला क्षेत्र में हुई ज्वैलरी शॉप लूटकांड में प्रमुख आरोपियों में शामिल था। इस घटना के बाद पुलिस ने कई जिलों में छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों की तलाश शुरू की थी। गिरफ्तारी के बाद हुई मुठभेड़ और अब जेल में हुई मौत ने पूरे मामले को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन मामले की सभी परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम और विसरा रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा मामले के प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी।

महंगाई की मार ड्राईफ्रूट्स, आटा- दाल और तेल, मसालों की बढ़ी कीमत; रसोई का बिगड़ा बजट

●खजनी तहसील क्षेत्र में रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। ड्राई फ्रूट्स, दाल, तेल, मसाले और सब्जियाँ महंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर सीएनजी, पेट्रोल और डीजल की कीमत में उछाल के साथ ही ड्राई फ्रूट्स, आटा, सरसों का तेल, रिफाइंड, डालडा, दाल, आटा, नमकीन, मसाले, खड़े मसाले, सब्जी, दुग्ध, पेय पदार्थ, ट्रांसपोर्ट और मालभाड़ा सहित कई जरूरतों का सामान महंगा हो गया हइससे सीधे तौर पर ग्रामवासियों का मासिक खर्च बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, महंगाई बढ़ने से एक परिवार का लगभग दो से पांच हजार का अतिरिक्त खर्चा बढ़ा है। जिसके कई परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। पिस्ता की कीमत 2600 से बढ़कर हुई 3300 राकेश किराना व्यापारी ने बताया कि थोक रेट पर काजू की कीमत 900 से बढ़कर 1100 रुपये हो गए हैं।, वहीं बादाम 800 से 905, किशमिश 300 से 400, पिस्ता 2600 से 3300, अखरोट 450 से 900, मखाना 500 से 1000, अखरोट 600 से 900 व अखरोट मिंगी की कीमत 800 से बढ़कर लगभग 1100 रुपये हो गई है। सभी प्रकार के चावलों पर 10 से 30 रुपये तक बढ़ गए हैं। काबुली चना की कीमत 100 से 110 रुपये हो गई है, साथ ही अरहर की दाल 100 से 115, काला चना 60 से 68, चने की दाल 67 से 72 और उड़द दाल की कीमत 95 से बढ़कर 100 रुपये हो गई है।

खाद्य तेल, मसालों व आटा की बढ़ी कीमत

ड्राईफ्रूट्स के साथ ही खाद्य तेल, मसालों, आटा, नमकीन, सेंधा नमक, साबुन, सर्फ आदि की कीमत बढ़ गई है। डालडा की कीमत 140 से बढ़कर 160 रुपये हो गई वहीं, खुला रिफाइंड की कीमत 150 से बढ़कर 170, काली मिर्च 600 से 800, जीरा 250 से 350, सेंधा नमक 50 से 70, साबूत मिर्च 200 से 260, साबुत हल्दी 200 से 240 और साबुत धनिया 140 से 160, सरसों का तेल 160 से 220और आटा की कीमत 30 से बढ़कर 35 रुपये हो गई है।

सब्जियों पर बढ़े 10 से 50 रुपये

सब्जी विक्रेता सुमित ने बताया कि एक महीने से सब्जियों पर निरंतर महंगाई बढ़ रही है। गोबी, धनिया, हरी मिर्च, भिंडी, तोरई, पालक, मूली आदि पर 10 से 50 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। हमें मंडी से अधिक कीमत पर खरीदनी पड़ रही है। साथ ही मालभाड़ा महंगा हो गया है, दो से पांच हजार का बढ़ा अतिरिक्त पेट्रोल, सीएनजी, सब्जी, राशन, ड्राईफ्रूट्स आदि पर बढ़ोतरी से आम आदमी की कमर टूट रही है। जो व्यक्ति 10 से 15 हजार की कमाई कर रहा है। उसके लिए बहुत मुश्किल हो रही हैं। महंगाई बढ़ने से मध्यवर्गीय परिवार को दो से पांच हजार रुपये का अतिरिक्त खर्चा बढ़ गया है। ट्रांसपोर्ट महंगा होने, रोजाना का खर्च बढ़ने, मैन्युफैक्चरिंग कीमत बढ़ने से आम उपभोक्ता पर महंगाई की डबल मार पड़ रही है।

वन्यजीवों के साथ सेल्फी और रील बनाना पड़ सकता है भारी, वनाधिकारी ने ग्रामीणों को चेताया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत हनुमानगढ़िया और नौतनवा थाना क्षेत्र के सेमरहवा में वन विभाग द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। उत्तरी चौक रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी आर.पी. सिंह ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए ग्रामीणों से वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहयोग की अपील की। वनाधिकारी ने विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं को सचेत करते हुए कहा कि वे वन्यजीवों के नजदीक जाकर सेल्फी लेने या सोशल मीडिया के लिए रील बनाने जैसी खतरनाक गतिविधियों से पूरी तरह दूर रहें। ऐसी हरकतों से वन्यजीव हिंसक हो सकते हैं, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि यदि कोई वन्यजीव भटककर आबादी वाले क्षेत्र में आ जाता है, तो उसे नुकसान पहुंचाने या खुद पकड़ने का प्रयास कतई न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचित करें और उसे सुरक्षित वापस जंगल भेजने में सहयोग करें।इस अभियान के दौरान उप क्षेत्रीय वनाधिकारी राकेश कुमार, वन दरोगा जितेन्द्र कुमार गौड़, अंकित राय और कपिल मुनि मिश्रा सहित कई विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शुकदेव ने राजा परीक्षित को सुनाई भागवत कथा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रामलक्षन देवरिया। क्षेत्र के लुअठही बाजार में हो रहे श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन राजा परीक्षित को श्राप और शुकदेव जी का आगमन वाले प्रसंग पर कथा वाचक संजय कृष्ण किंकर महराज ने विस्तार से कथा सुनाया। उन्होंने कहा कि एक दिन राजा परीक्षित शिकार करते-करते जंगल में बहुत प्यासे और थके हुए थे। उन्हें एक आश्रम दिखाई दिया, जहाँ शमीक ऋषि तपस्या में लीन थे। राजा ने उनसे पानी माँगा, लेकिन ऋषि गहन ध्यान में होने के कारण कोई उत्तर नहीं दे सके। राजा को लगा कि ऋषि उनका अपमान कर रहे हैं। क्रोध में आकर उन्होंने पास पड़ा एक मरा हुआ साँप उठाया और उसे ऋषि के गले में डाल दिया। इसके बाद वे वहाँ से चले गए। जब ऋषि के पुत्र श्रृंगी ऋषि को यह बात पता चली, तो वे बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने श्राप दिया कि 'आज से सातवें दिन तक्षक नामक सर्प के डसने से राजा परीक्षित की मृत्यु होगी।' बाद में शमीक ऋषि को जब यह पता चला, तो उन्होंने अपने पुत्र के क्रोध पर दुःख व्यक्त किया और राजा को श्राप की सूचना भिजवा दी। श्राप मिलने के बाद राजा परीक्षित ने राजपाट त्याग दिया और गंगा तट पर बैठकर मोक्ष का मार्ग जानना चाहा। तभी शुकदेव जी वहाँ पहुँचे और सात दिनों तक उन्हें श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा सुनाई। सातवें दिन तक्षक नाग के डसने से राजा परीक्षित का शरीर त्याग हुआ और उन्हें भगवान की कृपा से मोक्ष प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य यजमान प्रेम शंकर त्रिपाठी एवम् दमयंती देवी यजमान रत्नेश कुमार त्रिपाठी व कंचन सहित तमाम श्रोता मौजूद रहे।

हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा में जनपद में सर्वोच्च 10 स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन धनराशि वितरण एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। वर्ष 2026 के हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा में जनपद में सर्वोच्च 10 स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन धनराशि वितरण एवं सम्मान समारोह कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।कार्यक्रम में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, नगर पालिका अध्यक्षा सोनाली जैन, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, शिक्षक विधायक प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी एवं एमएलसी प्रतिनिधि अतुल निरंजन की गरिमामय उपस्थिति रही। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोकभवन लखनऊ में मुख्यमंत्री मंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सभी जनप्रतिनिधिगणों, अधिकारियों व छात्र छात्राओं ने देखा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सभी मेधावी छात्र छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विद्यार्थियों को नवाचार से जोड़ने के लिए नए नए आयामों से जोड़ा है, डिजिटल लायब्रेरी, विद्यालयों का कायाकल्प, पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता, विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभ्युदय योजना, स्मार्ट फोन व टैबलेट वितरण इनके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। बच्चे सोशल मीडिया पर कम से कम समय दें और समाचार पत्र व मैगजीन आदि को पढ़ें, समाज, देश दुनिया, अपनी संस्कृति और विरासत की जानकारी रखें। इससे बच्चों का बौद्धिक ज्ञान बढ़ेगा। अपने आप पर विश्वास रखें और लगन से अपने लक्ष्य के लिए मेहनत करें। उन्होंने छात्र छात्राओं के भविष्य निर्माण के लिए मार्गदर्शन भी किया और मेधावियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व प्रोत्साहन धनराशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। इसके उपरान्त कलेक्ट्रेट सभागार में सभी अतिथियों ने मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण किया और मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व प्रोत्साहन धनराशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इसी प्रकार ललितपुर की आन बान और शान बरकरार रखना है, बेटियों का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा, ऐसे ही शिक्षित होकर माता पिता, गांव जनपद, प्रदेश व देश का नाम रोशन कीजिए। तन, मन व लगन से परिश्रम करें और अपना लक्ष्य हासिल करें। सदर विधायक ने कहा कि विद्यार्थियों को इंटरमीडिएट के बाद ही अपना लक्ष्य निर्धारित करना है, आज से ही अपने लक्ष्य को निर्देशित करें। अभिभावक भी बच्चों के साथ मेहनत करें। जिला प्रशासन यह देखे कि धन के अभाव में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। एमएलसी रमा निरंजन एवं एमएलसी प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी व नगर पालिका अध्यक्षा ने भी अपने विचार प्रकट करते हुए विद्यार्थियों को लगन व मेहनत से लक्ष्य को पाने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा में छात्राओं ने जनपद से लेकर प्रदेश स्तर तक अच्छा प्रदर्शन किया है, कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि आज हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा में जिले के प्रथम स्थान पाने वाले कुल 21 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है, जिसमें हाईस्कूल के 10 व इण्टरमीडिएट के 11 छात्र-छात्राएं शामिल हैं, इन्हें 21 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि, प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान किया गया है। इन छात्र-छात्राओं में हाईस्कूल से अमित, मोहिनी पटेल, अभय पटेल, शिवांश, नंदनी, मोनिका सिंह, रोशनी, रोनक कुशवाहा, राधिका, शिवांस कुमार यादव और इण्टरमीडिएट से माधव सिंह, सतीश, वैष्णवी तिवारी, नव्या त्रिपाठी, यश झां, आकृति तिवारी, सतवेंद्र, कनक, आलोक सिंह, प्रिंस कुशवाहा, व लकी सेन शामिल हैं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, जिले विद्यालय निरीक्षण ओपी सिंह, प्रधानाचार्य, रा0इ0का0 ललितपुर सुरेन्द्र कुमार एवं राजकीय हाईस्कूल दावनी कोमल सिंह नरवरिया अन्य संबंधित अधिकारी व मेधावी छात्र छात्राएं, प्रधानाचार्य व अभिभावकगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

टूण्डला के दयाल सेवा फाउंडेशन को मिला श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान पुरस्कार

टूण्डला- मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में 31 मई को हुई इम्पैक्ट इंडिया समिट 2026 में टूण्डला के दयाल सेवा फाउंडेशन को श्रेष्ठ एनजीओ सम्मान पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्हें पुरस्कार मिलने पर नगरवासियों ने शुभकामनाएं दी हैं। इंदौर में 31 मई को इम्पैक्ट इंडिया समिट 2026 का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर की जनकल्याण और धर्मार्थ गतिविधियों में योगदान देने वाले एनजीओ संचालकों को पुरस्कृत किया गया। दयाल सेवा फाउंडेशन के माध्यम से वर्षों से जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक जागरूकता, मानव सेवा और लोकहित से जुड़े कायों में सक्रिय भूमिका निभाई। एनजीओ अध्यक्ष निशांत शर्मा की इस उपलब्धि को टूण्डला ही नहीं बल्कि पूरे फिरोजाबाद जिले के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाना यह साबित करता है कि सेवा का कोई दायरा नहीं होता और समर्पण का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने बताया कि आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, नीति-निर्माताओं और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले व्यक्तित्वों और संस्थाओं को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करना था। टूण्डला वासियों ने इस सफलता के लिए हर्ष व्यक्त किया है।

कैमा खुर्द गांव में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा का हुआ अनावरण

नीमगांव खीरी। तहसील मितौली क्षेत्र के विकासखंड बेहजम के कैमा खुर्द गांव में परम पूज्य भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा का भव्य अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय परिषद के सदस्य, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर ने फीता काटकर दीप प्रज्वलित पुष्प अर्पित कर प्रतिमाओं का अनावरण किया। मुख्य अतिथि ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को शत-शत नमन करते हुए उनके द्वारा देश को दिए गए सामाजिक न्याय, समानता एवं संविधान निर्माण में योगदान को स्मरण किया। साथ ही भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और मानवता के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया उपस्थित लोगों ने प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, उत्साह एवं सामाजिक सद्भाव के वातावरण में संपन्न हुआ ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण गौरव के क्षण बताया, इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष सर्वेश सिंह, भाजपा मीडिया प्रभारी सुरेश शुक्ल, सुरेश कुमार गौतम, संदीप कुमार, रामचंद्र मांझा, पूर्व प्रधान कृष्ण कुमार, शुशील मास्टर, संग्राम सिंह, कन्हैया लाल, मनीष कुमार, सहित क्षेत्र के सम्मानित नागरिक, माताएं बहनें मौजूद रहीं।

पनकी में किशोर का शव मिलने से सनसनी, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

कानपुर। कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र से लापता 16 वर्षीय अनुभव शुक्ला उर्फ सानू का शव सोमवार सुबह पनकी-कल्याणपुर नहर पुल के पास बरामद हुआ। सानू 31 मई को घर से कॉपी खरीदने निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। सूचना के बाद पुलिस और 37वीं बटालियन की फ्लड टीम ने देर रात तक नहर और आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला था। सोमवार सुबह शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों का आरोप है कि शव पर गर्दन, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट एवं कटने जैसे निशान थे, जिसके आधार पर उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। शव मिलने के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने हंगामा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। क्षेत्रीय विधायक नीलिमा कटियार ने भी पहुंचकर परिजनों से बातचीत की और निष्पक्ष जांच की मांग की।

करोड़ों की सड़क पर भ्रष्टाचार के आरोप, निर्माण शुरू होते ही उखड़ने लगी सड़क

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निघासन (खीरी)। निघासन क्षेत्र में जीतपुरवा से मंडप फार्म तक लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बन रही इस सड़क में मानकों की अनदेखी और भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा, जिसके चलते सड़क निर्माण पूरा होने से पहले ही कई स्थानों पर उखड़ने लगी है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि सड़क पर पर्याप्त सफाई किए बिना ही डामरीकरण किया जा रहा है, जबकि तारकोल और निर्माण सामग्री भी मानक के अनुरूप नहीं डाली जा रही। इससे सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस सड़क की उम्र पांच वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए, वह निर्माण के दौरान ही अपनी वास्तविक स्थिति बयां कर रही है। सड़क की सतह कई स्थानों पर कमजोर दिखाई दे रही है और निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही साफ नजर आ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी सड़क निर्माण में अनियमितताओं को लेकर समाचार प्रकाशित हो चुके हैं और शिकायतें भी की गई थीं, लेकिन विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई के अभाव में ठेकेदार पर मनमानी करने के आरोप लग रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो सरकारी धन का दुरुपयोग होगा और जनता को एक बार फिर खराब सड़क की समस्या से जूझना पड़ेगा। लोगों ने मांग की है कि उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराएं तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार जहां बेहतर सड़क नेटवर्क और गुणवत्ता युक्त विकास कार्यों का दावा कर रही है, वहीं जमीनी स्तर पर कुछ ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारी इन दावों को पलीता लगाने में लगे हुए हैं। ऐसे में जीतपुरवा से मंडप फार्म तक बन रही सड़क की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब संबंधित विभाग को देना होगा। अब बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क में यदि वास्तव में मानकों की अनदेखी हो रही है, तो क्या जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी या फिर शिकायतें फाइलों तक ही सीमित रह जाएंगी?

भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए हुआशरवत वितरण समारोह

● नवाबगंज में राहगीरों को बांटा गया शरबत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज/के गुलशन नगर चौराहा स्थित होंडा एजेंसी के सामने, निकट गन्ना समिति परिसर में भीषण गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राहगीरों, वाहन चालकों, मजदूरों और स्थानीय लोगों को ठंडा शरबत पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और शरबत ग्रहण कर आयोजकों की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि बढ़ते तापमान को देखते हुए आमजन की सेवा के लिए यह पहल की गई है, ताकि राह चलते लोगों को गर्मी से कुछ समय के लिए राहत मिल सके।

आयोजकों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी भावना के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। शरबत वितरण के दौरान लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय भी बताए गए तथा अधिक से अधिक पानी पीने, धूप में निकलते समय सावधानी बरतने और जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की गई। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में कुलदीप सक्सेना, हिमांशु साहू, पवन यादव, प्रदीप यादव, संदेश यादव, संदीप सक्सेना, शरद सक्सेना, अंशु सक्सेना, रवि गंगवार, मोनू गंगवार, सागर पंडित, मनोज गंगवार, प्रेमपाल गंगवार, दाताराम गंगवार, आकाश सक्सेना और मनोज पांडे सहित कई लोग उपस्थित रहे और सहयोग किया।

4 वर्षीय सायना की मौके पर हुई मौत परिजनों में मचा कोहराम

बलरामपुर हरैया सतधरवा जनपद के थाना ललिया क्षेत्र के अंतर्गत बहादुरगंज बाजार में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार वर्षीय बालिका की मौत हो गई। अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से मासूम की मौके पर ही जान चली गई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे बाजार में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार बहादुरगंज बाजार निवासी डब्लू खान की चार वर्षीय पुत्री शायना सड़क किनारे खेल रही थी। इसी दौरान चौधरीडीह मार्ग से बहादुरगंज बाजार की ओर आ रहा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बालिका को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में शायना गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। थाना ललिया के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ भव्य सम्मान, टॉपर्स को मिले ?21 हजार, मेडल और प्रशस्ति पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद- विकास भवन सभागार में माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपद के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह के मुख्य अतिथि सदर विधायक मनीष असीजा, मेयर कामिनी राठौर तथा ब्लॉक प्रमुख डॉ. लक्ष्मी नारायण यादव रहे। वहीं जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य एवं अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) मोहनलाल गुप्ता ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनीष असीजा ने कहा कि जनपद में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार बेहतर हो रही है और छात्र-छात्राएं अपनी मेहनत के बल पर नए मुकाम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मेधावी विद्यार्थियों की समय-समय पर काउंसलिंग कराने की अपील करते हुए कहा कि सही मार्गदर्शन से ये प्रतिभाएं देश और समाज का नाम रोशन करेंगी।

मेयर कामिनी राठौर एवं ब्लॉक प्रमुख डॉ. लक्ष्मी नारायण यादव ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे फिरोजाबाद जनपद को गौरवान्वित किया है।

उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि हाईस्कूल की मेरिट में जनपद ने 15 स्थानों की छलांग लगाते हुए 67 वें स्थान से 52वें स्थान तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की है, जबकि इंटरमीडिएट परिणामों में भी 7 स्थानों का सुधार दर्ज किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की मेहनत को दिया। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि आज बेटियों को शिक्षा का बेहतर वातावरण मिल रहा है, जिसके कारण उनकी प्रतिभा खुलकर सामने आ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण और निरंतर प्रयास को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचने तथा अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने की सलाह दी। समारोह में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा की जनपद स्तरीय टॉप-10 सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को21 हजार का चेक, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हाईस्कूल वर्ग में सम्मानित मेधावी: कीर्ति, अनमोल सिंह, दीपक कुमार, विशाल कुमार, नव्या, भरतकांत, खुशी, अस्मित, आयुष्मान एवं कुशाग्र यादव।

इंटरमीडिएट वर्ग में सम्मानित मेधावी: गुनगुन, अंकित, रोहित, वर्तिका, आर्याशी, गौरी, नित्या, दीक्षा, मानवेंद्र सिंह एवं आलिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह मेधावियों के उत्साहवर्धन और उन्हें जिम्मेदार, अनुशासित एवं बहुआयामी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

सीएचसी के साए में 'अवैध अस्पताल'! त्रिवेदी मेडिकल स्टोर में ऑपरेशन तक होने का आरोप, स्वास्थ्य विभाग मौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद के फरधान कस्बे में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि कस्बे में स्थित त्रिवेदी मेडिकल स्टोर के नाम से संचालित परिसर में बिना वैध पंजीकरण और बिना प्रशिक्षित चिकित्सकों के अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। इतना ही नहीं, सूत्रों के अनुसार यहां मरीजों का उपचार ही नहीं बल्कि ऑपरेशन तक किए जाने की चर्चाएं क्षेत्र में आम हैं। हैरानी की बात यह है कि यह कथित अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र *(सीएचसी) फरधान* से महज कुछ कदमों की दूरी पर संचालित बताया जा रहा है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई न होना कई सवालों को जन्म दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल का संचालन वैधानिक मानकों के अनुरूप नहीं है तो आखिर किसके संरक्षण में यह गतिविधियां चल रही हैं? क्या विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है, या फिर सब कुछ जानकर भी आंखें मूंद ली गई हैं? स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर यदि मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि एक गंभीर अपराध भी है। बिना योग्य चिकित्सक और आवश्यक सुविधाओं के ऑपरेशन जैसी प्रक्रियाएं मरीजों के जीवन को सीधे खतरे में डाल सकती हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार अवैध अस्पतालों और झोलाछाप चिकित्सा के खिलाफ लगातार अभियान चलाने के दावे कर रही है, तब फरधान में कथित रूप से इस तरह का अस्पताल खुलेआम कैसे संचालित हो रहा है? क्षेत्रीय नागरिकों ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न होगा।

कर्मसु वेद वेदांग गुरुकुल विद्यापीठ मे बच्चो को कराया जा रहा योगाभ्यास

गोला तहसील के गांव तेन्दुआ मे संचालित हो रहा गुरुकुल विद्यापीठ

गोला गोकर्णनाथ खीरी, तेंदुआ ग्राम स्थित कर्मसु वेद वेदांग गुरुकुल विद्यापीठ अध्यनरत बच्चो को नित्यप्रति दिन योग कर्म शिखाया जा रहा है, वहां आचार्य रामदेव शास्त्री ने बताया कि अध्यनरत बच्चो को सशक्त बनाये जाने व उनको निरोग व बने रहने के लिये बच्चो को गोला के योगगुरू रामेन्द्र शुक्ला बच्चो को प्रातःकालीन की वेला मे नित्य दिन योगाभ्यास कराते है,और उनको अनुशासित रहने की प्रेरणा देते है,इस अवसर पर योग गुरू उनको अल्पाहारी बने रहने व सुबह ब्रम्ह मुहुर्त मे जागने के लिये प्रेरित करते है,और अपना अपना काम स्वयं देने की प्रेरणा भी करते है।

अगिन पीड़ितों को वितरित की राहत समग्री सेवा ही धर्म, सेवा ही कर्म डा ए के गंगवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/नवाबगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर ऐ के गंगवार ने भदपुरा ब्लॉक के ग्राम डांडिया सफदर अली में हुई एक दुखद घटना में श्री धर्मपाल वर्मा जी और श्री उमा चरण वर्मा जी के घर आग लगने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस कठिन घड़ी में मानवीय संवेदनाओं को प्राथमिकता देते हुए, ब्लॉक प्रतिनिधि डॉ. आशुतोष गंगवार जी एवं जिला मंत्री, भाजपा डॉ. मीनाक्षी गंगवार जी ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित परिवारों के घर पहुँचकर उन्हें राहत सामग्री प्रदान की।

विपत्ति की इस घड़ी में जन-प्रतिनिधियों का पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना न केवल उनका हौसला बढ़ाता है, बल्कि यह दर्शाता है कि हमारे क्षेत्र में ऐसे संवेदनशील जनसेवक हैं जो जनता के सुख-दुख में सदैव सहभागी रहते हैं। वास्तव में, ऐसे कर्मठ और संवेदनशील जन-प्रतिनिधि का होना हम सभी क्षेत्रवासियों के लिए सौभाग्य की बात है। ईश्वर पीड़ित परिवारों को इस अपार क्षति से उबरने की शक्ति दे। साथ मे उपस्थित रहे ओमप्रकाश गंगवार जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भदपुरा राजीव गंगवार पीतांबर गंगवार महेंद्र, किसान मोर्चा जिला महामंत्री नीतीश उपाध्याय, प्रधान धीरेंद्र गंगवार प्रधान हरीश गंगवार, शिक्षक सौरभ कटियार, रोजगार सेवक निरंजन गंगवार महेंद्र गंगवार देवेश देवल।

गजेंद्र गंगवार, हरपाल फौजी,सर्वेश गंगवार, सूरज पाल, डाक्टर सर्वेश, जमुना प्रसाद जी, इंद्र पाल, इन्दर प्रसाद मुन्ने प्रधान, मुन्ने लाल राहतकार्य में डॉ. आशुतोष गंगवार डॉ. मीनाक्षी गंगवार, ढकिया सफदर अली भाजपा सेवा समर्पण धर्मपाल वर्मा, उमाचरण वर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

सांसद से मिलकर ब्लॉक संसाधन केंद्र के पुनर्निर्माण की मांग

● जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से एक चौथाई संकुल शिक्षकों के नवीन चयन की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बरेली की इकाई ने जिला अध्यक्ष जितेंद्र गंगवार के नेतृत्व में सोमवार को आवंला सांसद नीरज मौर्य से संगठनात्मक भेंट कर उन्हें राधा कृष्ण की प्रतिमा भेंट की ।बिथरी चैनपुर के ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने सांसद को अवगत कराते हुए बताया बिथरी का ब्लॉक संसाधन केंद्र का पिछले एक वर्ष से कस्तूरबा गांधी में संचालन किया जा रहा है। ट्रेनिंग दूसरे परिषदीय विद्यालयों में करानी पड़ती है। क्योंकि ब्लॉक संसाधन केंद्र जर्जर स्थिति में है। उक्त जर्जर भवन में कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। इसलिए उपयोग में नहीं लाई जा रही । उसकी नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद उसमें आगे कुछ नहीं हुआ है। इस संदर्भ में सांसद ने संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी को पत्र भेजने का आश्वासन दिया। एवं तुरंत पत्र तैयार कराया गया।

संगठन ने उनका आभार व्यक्त किया। संगठन ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से भेंट कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को रखा।मांडलिक मंत्री रुचि सैनी ने संकुल शिक्षकों के नवीन चयन की मांग रखी गई। बीएसए ने आश्वस्त किया अगर महानिदेशक के आदेश में संकुल शिक्षकों के नवीन चयन को लिखा है। आदेश मिलते ही जल्द ही नवीन चयन किया जाएगा ।संगठन ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को जल्द से जल्द चयन वेतनमान लगने वाले शिक्षकों की सर्विस बुक लेखा कार्यालय भेजने के लिए पत्र जारी करने का अनुरोध किया है। वहीं एक लिखित ज्ञापन भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा इस दौरान जिला उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता, शुमायला खान, संगठन मंत्री अरुण गंगवार एवं अनुपूर्णा कुशवाहा, प्रचार मंत्री बचन सिंह एवं धीरज पटेल, जिला महिला संगठन मंत्री मोनिका गुप्ता, जिला प्रवक्ता अरविंद कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी, रामनगर अध्यक्ष शलभ शर्मा, ब्लॉक मंत्री अजय कुमार, अनुभव शर्मा, अंकित गुप्ता आदि लोग रहे।

जनपद के प्रथम साइंस घर कार्यक्रम में कृष्णा ने वेस्ट टू एनर्जी विद स्मार्ट डस्टबिन मॉडल किया प्रस्तुत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिरसागंज:- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में इस समर में जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में जनपद में प्रथम बार साइंस घर कार्यक्रम का आयोजन निःशुल्क रूप से जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिवस पर कक्षा 9 के छात्र कृष्णा ने अपने मॉडल वेस्ट टू एनर्जी विद स्मार्ट डस्टबिन के प्रस्तुतिकरण में बताया कि कई स्थानों पर अक्सर कूड़ेदान समय पर खाली नहीं हो पाते हैं, जिससे सड़क पर कचरा फैल जाता है तथा गंदगी, बदबू और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, जिसके फलस्वरूप पर्यावरण दूषित होता है। इस समस्या के समाधान के लिए यह मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल में कूड़े की गाड़ी भर जाने पर सिस्टम स्वतः नगर पालिका को कॉल करके सूचना देता है, जिससे समय पर कचरे का निस्तारण किया जा सके। साथ ही प्लास्टिक कचरे से बिजली उत्पादन तथा धुएं को कार्बन के रूप में उपयोग करने की अनोखी अवधारणा को भी बताया।

अश्वनी कुमार जैन ने कृष्णा के मॉडल की वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि साइंस घर में प्रतिदिन विद्यार्थी अपने नवाचार मॉडलों का प्रस्तुतिकरण करेंगे। इस अवसर पर साइंस घर के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मर्दन शाहपुर में स्वास्थ्य शिविर, 150 से अधिक महिलाओं व किशोरियों की जांच

सुरियावां। वेल्सपन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज तथा मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को मर्दन शाहपुर गांव में पूर्व प्रधान रमाशंकर यादव के आवास पर एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएचओ प्रेरणा कुशवाहा ने किया। उन्होंने महिलाओं को संतुलित खानपान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह देते हुए बीमारी होने पर तत्काल सीएचसी सुरियावां में जांच कराने के लिए प्रेरित किया। शिविर में 150 से अधिक महिलाओं एवं किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गई। इस दौरान आशा कार्यकर्ता सुषमा यादव, रेनू सिंह, उमा शंकर तथा केसा सरिता मौर्या सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लखीमपुर खीरी की सड़कों पर दौड़ रही मौत! ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के दावों की खुल रही पोल, परिवहन विभाग पर उठ रहे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद की सड़कों पर ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार जारी है। ईटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, बालू और गिट्टी से भरे भारी वाहन तथा नियमों की अनदेखी कर संचालित हो रही अवैध टैक्सियां न केवल यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं, बल्कि आम लोगों की जान को भी जोखिम में डाल रही हैं। स्थिति यह है कि जिले की प्रमुख सड़कों और हाईवे पर हर दिन सैकड़ों ओवरलोड वाहन फर्राटा भरते देखे जा सकते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई कहीं दिखाई नहीं देती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे ही परिवहन विभाग का कार्यालय मौजूद है, तब भी ओवरलोड वाहनों का निर्बाध संचालन आखिर कैसे हो रहा है? यह प्रश्न अब आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। लोगों का आरोप है कि विभागीय निगरानी केवल कागजों तक सीमित रह गई है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

हादसों के बाद भी नहीं जागा सिस्टम....!

हाल ही में जिले में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक शिक्षिका सहित 10 लोगों की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। हादसे के बाद प्रशासन और परिवहन विभाग ने सख्ती के दावे किए थे, लेकिन कुछ ही दिनों में हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौटते दिखाई दे रहे हैं। ओवरलोड वाहन आज भी पहले की तरह सड़कों पर दौड़ रहे हैं और हर गुजरते दिन के साथ किसी नए हादसे की आशंका बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्घटना होने के बाद कुछ दिनों तक अभियान चलाकर चालान और सीज की कार्रवाई की जाती है, लेकिन यह कार्रवाई स्थायी समाधान साबित नहीं होती। नतीजा यह है कि कुछ समय बाद फिर वही वाहन सड़कों पर नजर आने लगते हैं।

'टोकन सिस्टम' की चर्चाओं ने बढ़ाए सवाल...!

जिले में लंबे समय से यह चर्चा भी होती रही है कि ओवरलोड वाहनों के संचालन को लेकर कथित तौर पर 'टोकन सिस्टम' काम करता है। सूत्रों के मुताबिक कुछ वाहन चालक और संचालक ऐसे अनौपचारिक तंत्र की बात करते हैं जिसके चलते वाहनों को बिना रोक-टोक गुजरने की सुविधा मिलती है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही संबंधित विभाग ने कभी इसकी आधिकारिक पुष्टि की है, लेकिन ऐसी चर्चाएं लगातार परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ओवरलोड वाहन केवल दुर्घटनाओं का कारण ही नहीं बनते, बल्कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कों को भी समय से पहले क्षतिग्रस्त कर देते हैं। अधिक वजन के दबाव से सड़कें टूटती हैं, गड्ढे बनते हैं और उनकी आयु कम हो जाती है। इसका सीधा असर सरकारी खजाने पर पड़ता है, क्योंकि बार-बार मरम्मत और पुनर्निर्माण पर भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है।

अवैध टैक्सियों का भी बढ़ रहा नेटवर्क...!

ओवरलोड वाहनों के साथ-साथ जिले में अवैध रूप से संचालित टैक्सियों का नेटवर्क भी तेजी से फैल रहा है। बिना फिटनेस, बिना वैध परमिट और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर कई वाहन यात्रियों को ढो रहे हैं। ऐसे वाहनों में यात्रा करने वाले लोग हर समय खतरे के साए में रहते हैं। बावजूद इसके, इन पर भी प्रभावी कार्रवाई न होने से जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

लगातार हो रहे हादसों और प्रशासनिक उदासीनता से आम लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं। लोगों ने मांग की है कि जिले में विशेष अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों की नियमित जांच की जाए, दोषी वाहन मालिकों और चालकों पर कड़ी कार्रवाई हो तथा परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही अवैध टैक्सियों के संचालन पर भी तत्काल रोक लगाई जाए। जनता के बीच अब एक ही सवाल गूंज रहा है–जब सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन सबको दिखाई दे रहे हैं, तो जिम्मेदार विभागों की नजर इन पर क्यों नहीं पड़ रही? आखिर कब तक लोगों की जान जोखिम में डालकर यह खेल चलता रहेगा? और क्या किसी और बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी? जिले की जनता अब जवाब और कार्रवाई, दोनों का इंतजार कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

जनता दर्शन में एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने सुनीं फरियादें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। जनता दर्शन के दौरान एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं को न्याय दिलाया जाए। इस दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को अपनी शिकायतें सीधे वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है।

आधा अधूरा पड़ा है आर आरसी सेंटर।

हलिया मीरजापुर। हलिया विकास खंड के ग्राम पंचायत नैडी कठारी मे आधा अधूरा पड़ा है आर आरसी सेंटर नहीं है आर आरसी सेंटर पर बोर ई रिक्शा भी पड़ा है खराब आज तक नहीं हो पाया आर आरसी सेंटर संचालित सिर्फ कागजों पर हुआ है कोरम पूरा ग्रामीणों ने कई एक बार अधिकारियों से भी आर आरसी सेंटर पूर्ण कराने की मांग की लेकिन आज तक नहीं हो पाया पूर्ण जिस पर ग्रामीणो ने आक्रोश जताते हुए बताया कि जितना काम नैडी कठारी में काम हुआ है सब काम इसी तरीके से हुआ है यहां तक की आर आरसी सेंटर की दीवाल भी फटना शुरू हो गया वही एमडीएम सेट भी बनाया गया है जो की अभी ध्वस्त होने के कगार को हो गया जबकि कुछ दिन पहले ही बनवाया गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग किया है कि आर आरसी सेंटर की जांच कराई जाए और उसको पूर्ण कराया जाए।

बसपा राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा ने किए मां विंध्यवासिनी के दर्शन, बोले- 2027 चुनाव की तैयारी शुरू

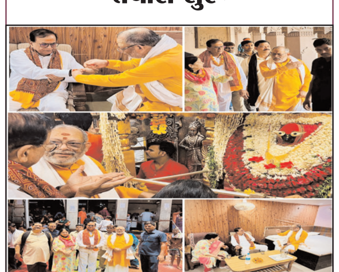

विंध्याचल, मीरजापुर। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा रविवार को विंध्याचल स्थित मां विंध्यवासिनी दरबार पहुंचे। मंदिर के बड़े श्रृंगारिया शिवजी मिश्रा व उनके छोटे भाई रत्न मोहन मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्हें दर्शन-पूजन कराया। दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में सतीश मिश्रा ने कहा कि मां विंध्यवासिनी दरबार से उनके परिवार का पुराना लगाव रहा है। श्रृंगारिया मिश्रा परिवार से उनके पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मां भगवती के दरबार में दर्शन-पूजन से मन को प्रसन्नता मिलती है और अपनी संस्कृति-संस्कार की धरोहर की ध्वजा लहराती दिखती है। आगामी विधानसभा चुनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2027 का चुनाव सर्व समाज के आशीर्वाद से लड़ा जाएगा। ब्राह्मणों का आशीर्वाद और संपूर्ण दलित समाज का सहयोग बहुजन समाज पार्टी को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि 2027 के लिए पार्टी की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस दौरान बड़े श्रृंगारिया शिवजी मिश्रा ने सतीश मिश्रा को रक्षा सूत्र बांधकर मां विंध्यवासिनी दरबार से आशीर्वाद दिया।

संस्कार भारती एवं महेश्वर साधना ललित कला केंद्र के तत्वावधान में कथक कार्यशाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। भारतीय संस्कृति, कला एवं संस्कारों के संवर्धन हेतु संस्कार भारती, मिर्जापुर एवं महेश्वर साधना ललित कला प्रशिक्षण केंद्र, विंध्याचल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ रविवार को प्लेवे स्कूल परिसर, बल्ली का अड्डा मिर्जापुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री माननीय श्री सोहनलाल श्रीमाली जी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी क्लब एलिट की सचिव श्रीमती वीणा खंडेवाला जी, संस्कार भारती के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री दिनेश्वर पति त्रिपाठी जी, संस्कार भारती मिर्जापुर की जिला अध्यक्ष पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव जी तथा संस्कार भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। तत्पश्चात कथक नृत्य प्रशिक्षक श्री मनीष कुमार शर्मा ने अपनी आकर्षक एवं भावपूर्ण कथक प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति को उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्री सोहनलाल श्रीमाली जी ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय कलाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। नई पीढ़ी को इन कलाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने संस्कार भारती द्वारा आयोजित इस प्रकार की कार्यशालाओं की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रदान कीं। विशिष्ट अतिथि श्रीमती वीणा खंडेवाला जी ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में कला एवं संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव जी ने संस्कार भारती की सांस्कृतिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए अधिकाधिक युवाओं को भारतीय कला से जुड़ने का आह्वान किया। डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संस्कार भारती की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कार्यशाला की सफलता की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्री सोमेश्वर पति त्रिपाठी ने किया। सहसंयोजक श्रीमती शालू वर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रखा गौड़,मोनिका सिंह,संदीप महादेव, राकेश वर्मा, रामधनी पाल, रामलाल, सनी, दीपक त्रिपाठी, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार अग्रहरी, रमेश बाबू गुप्ता, आशु सोनी घनश्याम दास शर्मा अभिषेक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यशाला आगामी 14 जून 2026 तक प्रतिदिन संचालित होगी, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

चुनार तहसील के रामगढ़ निवासी डॉ. आर.के. सिंह बने उत्तराखंड उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के निदेशक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़ (मीरजापुर)। चुनार तहसील के रामगढ़ कृयात गांव के मूल निवासी एवं प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर.के. सिंह को उत्तराखंड शासन द्वारा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से सीखड़ क्षेत्र सहित पूरे मीरजापुर जनपद में खुशी की लहर है। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बलिराम सिंह के तीन पुत्रों में सबसे बड़े डॉ. आर.के. सिंह की यह उपलब्धि वर्षों की कठिन मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा उनका चयन पौध संरक्षण अधिकारी के पद पर हुआ था। वर्ष 2000 में उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद से उन्होंने वहां विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान कीं। अपने उत्कृष्ट कार्यों और प्रशासनिक दक्षता के बल पर वर्ष 2008 में उप निदेशक, वर्ष 2017 में संयुक्त निदेशक, वर्ष 2020 में अपर निदेशक तथा वर्ष 2026 में उन्हें विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया है। डॉ. सिंह की शैक्षिक यात्रा भी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने हाईस्कूल की शिक्षा श्री शिवाजी नेशनल इंटर कॉलेज हांसीपुर तथा इंटरमीडिएट की शिक्षा राजकीय इंटर कॉलेज जक्खिनी, वाराणसी से प्राप्त की। इसके बाद चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में परास्नातक तथा नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या (पूर्व में फैजाबाद) से पीएचडी की उपाधि अर्जित की। डॉ. सिंह का विवाह चुनार क्षेत्र के फिरोजपुर गांव के पूर्व प्रधान हंसनारायण सिंह की पुत्री अर्चना सिंह के साथ हुआ है। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्रीय विधायक अनुराग सिंह, पूर्व विधायक जगतंबा सिंह पटेल, ब्लॉक प्रमुख सीखड़ छत्रपति सत्येंद्र कुमार सिंह, नारायनपुर के चंद्रप्रकाश सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनमोल सिंह, ई. राजबहादुर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

ग्रामीण परिवेश में प्रतिभाओं की कमी नहीं

डॉ. आर.के. सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में रहने वाले युवाओं के लिए संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बनती, यदि उनके भीतर लक्ष्य के प्रति समर्पण, मेहनत और सीखने की ललक हो। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि गांव की मिट्टी में पले-बढ़े युवा भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर देश के सर्वोच्च प्रशासनिक एवं तकनीकी पदों तक पहुंच सकते हैं।

03 व 04 जून को टीजीटी परीक्षा, 8220 अभ्यर्थी होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा 03 एवं 04 जून को जनपद के छह परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में कुल 8220 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में पूर्वाह्न 9:30 से 11:30 बजे तथा अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे तक संपन्न होगी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शुभांगी शुक्ला ने परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जनरेटर, पेयजल, छाया, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर की परिधि में भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू रहेगी तथा मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध रहेगा। बाहरी जनपदों से आने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और प्रमुख चौराहों पर रूट चार्ट एवं साइनेज लगाए जाएंगे। वहीं रोडवेज, रेलवे, स्वास्थ्य, विद्युत, अग्निशमन तथा खाद्य सुरक्षा विभाग को भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान सहित केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

थाना दुर्गागंज द्वारा साइबर ठगी के शिकार पीड़ित के खाते में कुल 11,500/- की धनराशि सफलतापूर्वक कराया गया वापस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने हेतु पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागीद्वारा जनपदीय साइबर हेल्प डेस्क /साइबर क्राइम थाना को किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी अथवा सोशल मीडिया के दुरुपयोग से संबंधित शिकायतों पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है । उक्त आदेश के क्रम में आवेदक कपिल कुमार सरोज निवासी सरायकंसराय, थाना दुर्गागंज, जनपद भदोही ने शिकायत दर्ज कराई कि अज्ञात साइबर ठग द्वारा PhonePe के माध्यम से उनके साथ ?11,500/- की धोखाधड़ी की गई है। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर हेल्प डेस्क थाना दुर्गागंज द्वारा हृष्टक्क पोर्टल का अवलोकन कर त्वरित कार्यवाही करते हुए पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित एवं उनके परिजनों द्वारा पुलिस अधीक्षक भदोही तथा साइबर हेल्प डेस्क थाना दुर्गागंज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भदोही पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

यूपी-112 रिस्पांस टाइम में भदोही पुलिस जोन में प्रथम

भदोही। यूपी-112 के रिस्पांस टाइम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भदोही पुलिस ने माह मई 2026 की जोन स्तरीय रैंकिंग में प्रथम स्थान तथा प्रदेश स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। खास बात यह है कि भदोही पीआरवी लगातार पांच माह से जोन स्तर पर प्रथम स्थान पर बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में यूपी-112 टीम द्वारा आपातकालीन सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान में भदोही की पीआरवी औसतन मात्र 4 मिनट 52 सेकंड में मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को सहायता उपलब्ध करा रही है। एसपी ने इस उपलब्धि पर टीम की सराहना करते हुए रिस्पांस टाइम को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। भदोही पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अपराध, दुर्घटना, मारपीट, चोरी, आपदा अथवा महिला सुरक्षा से संबंधित किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 112 डायल करें।

टोल प्लाजा पर टोल कर्मी से मारपीट सपा नेता के भाई पर लगा आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

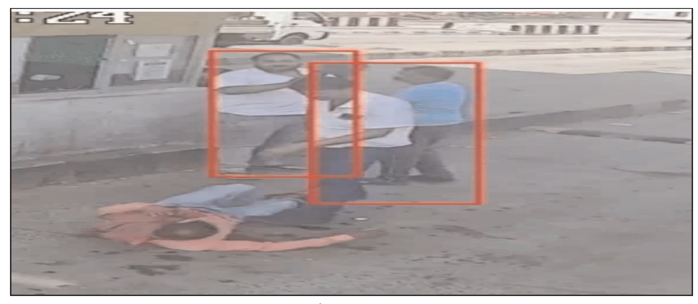

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र स्थित गोपालपुर टोल प्लाजा पर वीआईपी लेन को लेकर हुए। विवाद का एक वीडियो सामने आया है रविवार दोपहर की इस घटना में। एक टोलकर्मी के साथ कथित तौर पर धक्का मुक्की और अभद्र व्यवहार किया गया। इस घटना से।आहत होकर कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ने की बात कही है। टोल प्लाजा पर कार्यरत बिरोही निवासी अरुण सिंह ने। आरोप लगाया है कि बैरियर खुलने में देरी होने पर सपा नेता सतीश मिश्रा के भाई आशीष मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त की और विवाद शुरू कर दिया। इस दौरान टोल कर्मी के साथ कथित तौर पर धक्का मुक्की की गई। टोल प्लाजा के प्रतिनिधि भावेश प्रताप सिंह ने बताया कि आशीष मिश्रा के वाहनों को बिना किसी पास के भी टोल पर निशुल्क आवा गमन की सुविधा दी जाती है। इसके बावजूद वे वीआईपी लेने से गुजरने पर जोर देते हैं। एंबुलेंस आपातकालीन सेवाओं और अधिकृत वीआईपी वाहनों के लिए आरक्षित है जहां हुटर या निर्धारित प्रक्रिया के तहत बैरियर स्वतः खुलता है। भावेश प्रताप सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि रविवार के विवाद के दौरान आशीष मिश्रा ने टोल कर्मी को धमकी दी उसका गला दबाने का प्रयास किया और धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया। इस घटना के बाद कर्मचारी अरुण सिंह मानसिक रूप से परेशान है और उसने नौकरी छोड़ने की बात कही है। वही इस मामले में सपा नेता सतीश मिश्रा का कहना है कि उनके वाहनों पर टोल टैक्स नहीं लगता और उन्हें निशुल्क आवा गमन की सुविधा प्राप्त है। उन्होंने दोहराया कि उनके वाहनों का नियमित रूप से बिना शुल्क आवा गमन होता है। टोल प्रबंधन की ओर से विंध्याचल थाने में इस मामले की तहरीर दी गई है।थाना प्रभारी अविनाश प्रकाश राय ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेधावी छात्र-छात्राओं का कलेक्ट्रेट में हुआ सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। इस दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण भी देखा गया। जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान ने बताया कि हाईस्कूल परीक्षा में जनपद की छात्रा अनु मौर्या ने प्रदेश स्तरीय मेरिट सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया है। उन्हें लखनऊ में आयोजित समारोह में एक लाख रुपये, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेष कुमार तथा मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने जनपद की टॉप-10 मेरिट सूची में शामिल हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं को 21 हजार रुपये का चेक, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने मेधावियों को जनपद का गौरव बताते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने और देश-समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। समारोह में छात्र-छात्राओं के अभिभावक, प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मां विंध्यवासिनी धाम की सेवा से मन प्रसन्न है: आईजी

● अधिकारी होने के बावजूद सामान्यजन की तरह जीवन व्यतीत करते थे-रिटायर्ड आईजी आर पी सिंह

जनता के साथ सीधे संवाद के पक्षधर रहे हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। राजकीय सेवा से निवृत्त पुलिस महानिरीक्षक श्री आर पी सिंह का मंत्रोच्चारण के साथ सलिल पाण्डेय ने स्वागत किया तथा मां विंध्यवासिनी का उत्तरीय तथा चित्र भेंट कर उनके कुशल सेवा की सराहना की। इस अवसर पर वार्ता करते हुए श्री सिंह ने कहा कि उन्हें मां विंध्यवासिनी परिक्षेत्र में कार्य करने का जो अवसर मिला, वह सौभाग्य की बात है। माँ विंध्यवासिनी की सेवा करते उन्हें पदोन्नति मिली और अब सेवानिवृत्ति का भी अवसर मिला है। उद्बोधन के क्रम में श्री सिंह ने कहा कि पूरे 35 साल एक माह 16 दिन की पुलिस विभाग में रहते हुए उन्होंने अपने स्वभाव को नहीं बदला और एक सामान्य इंसान की तरह जीने की कोशिश की। उद्बोधन में निजी प्रसंगों के तहत बताया कि उन्हें जब नियुक्ति पत्र मिली और गांव-घर के लोगों ने नियुक्ति के बारे में पूछा तो वे सबको टालते हुए नियुक्ति पत्र सीधे अपनी दादी के हाथों में दिया। श्री सिंह का यह कार्य बड़े बुजुर्ग के सम्मान का मुद्दा था। वार्ता क्रम में श्री सिंह ने मिर्जापुर परिक्षेत्र के परिवेश की सराहना की तथा यहां के जनमानस के स्वभाव एवं सहयोग को प्रशंसनीय कहा। उन्होंने का तीन जनपदों में पुलिस अधीक्षक के रूप में भी जब कार्य करने का अवसर मिला तो भी वे आम जनता से सीधे संवाद करते थे। श्री सिंह के साथ वार्ता क्रम ने अनेक सम्मानित लोग उपस्थित थे। उन्होंने कहा मिर्जापुर वे आते रहेंगे, खासकर दोनों नवरात्रों में हाजिरी जरूर लगाएंगे।

प्रथम विश्व योगासन प्रतियोगिता में योगी ज्वाला एवं अश्वनी पाण्डेय हुए चयनित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश में पहली बार वर्ल्ड योगासना की ओर से दिनांक चार से आठ जून तक गुजरात के अहमदाबाद इका एरिना स्टेडियम में आयोजित होने वाले प्रथम विश्व योगासन प्रतियोगिता में संपूर्ण विश्व से लगभग 60 ज्यादा देशों के हजारों योगासन खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। जिसमें भारत के साथ विभिन्न देशों के टेक्निकल ऑफिशियल , निर्णायक और अतिथियों का शुभागमन होने जा रहा है इस प्रतियोगिता में मीरजापुर जनपद का गौरव बढ़ाते हुए जाने माने राष्ट्रीय योगासन जज योग गुरु योगी ज्वाला सिंह एवम् अश्विनी कुमार पाण्डेय जी का (LDO) लाइजनिंग डेवलपमेंट ऑफिसर के रूप में चयन किया गया है , जो की प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अलग अलग देशों से आये हुए योगासन खिलाड़ियों एवं कोच का ट्रेनिंग एवं मार्गदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता मे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी , योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ साथ देश विदेश के जाने माने हस्तियां विश्व योगासन प्रतियोगिता में खेल एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। इस अवसर पर वर्ल्ड योगासना एवं योगासना भारत के महासचिव डॉ जयदीप आर्य के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में सम्पूर्ण प्रतियोगिता का भव्य एवं सुंदर आयोजन सुनिश्चित हुआ है। महासचिव डॉ जयदीप आर्य एवं उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के सचिव रोहित कौशिक जी ने चयनित सभी स्ख्ह को अपनी शुभकामनाएं दी।

काशी नरेश विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति की पहली बैठक, सत्र 2026-27 की तैयारियां शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। नवस्थापित काशी नरेश विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने तथा प्रवेश नियमावली की रूपरेखा तैयार करने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में सभी प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया को पारदर्शी, सुगम एवं व्यवस्थित बनाया जा सके। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीट निर्धारण एवं विषय आवंटन संबंधी बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। कुलपति प्रो. उमा श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि परंपरागत एवं व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रमों के साथ विद्यार्थियों की रोजगारपरक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाएं। इस संबंध में संभावित पाठ्यक्रमों और उनकी उपयोगिता पर चर्चा की गई। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से शुरू करने तथा आगामी शैक्षणिक सत्र के सफल संचालन के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं शैक्षणिक तैयारियों को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि बेहतर योजना और समन्वय के साथ सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

फूलपुर पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रयागराज। गंगानगर-जोन के थाना फूलपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-533/25 धारा-305क/ 331(4)/ 351(3) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त आशीष भारतीया पुत्र स्व0 भागीरथी निवासी ग्राम जनुआडीह कला थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-01.06.2026 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत महजुदवा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त द्वारा अपने अन्य साथी के साथ मिलकर दिनांक-14.12.2025 की रात्रि में वादी मुकदमा के धान के गोदाम में पीछे लगे दरवाजे के ताले को तोड़कर धान की बोरी चोरी कर लिया गया था, जिसके सम्बन्ध में थाना फूलपुर पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0 अ0 सं0-533/2025 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था। मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 01 अभियुक्त को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। बहरिया पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार। बहरिया पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-01.06.2026 क न्यायालय ACJM कक्ष सं0-01 प्रयागराज द्वारा निर्गत गिरफ्तारी अधिपत्र सम्बन्धित मु0नं0-1278/23 धारा-147/148/149/323 /504/307 भा0 द0 सं0 से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त रोहित पुत्र संतोष कुमार निवासी ग्राम मालीपुर थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम मालीपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

राजीव कृष्ण उत्तर प्रदेश के पूर्णकालिक डीजीपी बनाए गए

ब्यूरो प्रयागराज। यूपी के मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण को योगी सरकार ने पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक बना दिया है. राजीव कृष्ण ने पिछले साल 1 जून को कार्यवाहक डीजीपी के तौर पर पदभार संभाला था. इस तरह से मई 2022 के बाद यूपी को पहला स्थायी डीजीपी मिला है. अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने इस आशय का शासनादेश रविवार को ही जारी किया है. डीजीपी राजीव कृष्ण साल 2029 में सेवानिवृत होने वाले हैं. इस तरह से उनका कार्यकाल अभी लगभग 3 साल बचा है. राजीव कृष्ण 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं. यूपी को 4 साल बाद पूर्णकालीन पुलिस मुखिया मिला है. संजय प्रसाद की ओर से जारी किए गए आदेश में आईपीएस राजीव कृष्ण को संबोधित करते हुए लिखा गया है-'मुझे यह सूचित करने का निर्देश हुआ है कि शासन द्वारा जनहित में आपको पुलिस महानिदेशक (विभाग अध्यक्ष) उत्तर प्रदेश लखनऊ के पद पर तैनात किए जाने का निर्णय लिया गया है. इस संदर्भ में कार्यभार ग्रहण कर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

यूपीएससी की गाइडलाइन व सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत राजीव कृष्ण कम से कम दो साल तक उत्तर प्रदेश के डीजीपी के पद पर रहेंगे. इससे पहले 1 जून 2025 को कार्यवाहक डीजीपी के तौर पर राजीव कृष्ण ने पदभार ग्रहण किया था, जिन्हें अब उत्तर प्रदेश पुलिस का पूर्ण कालीन डीजीपी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 19 आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट संघ लोक सेवा को यूपी डीजीपी के पद के लिए भेजी थी. 26 मई को आयोग की बैठक आयोजित की गई, जिसमें यूपी के मुख्य सचिव एसपी गोयल सहित अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद शामिल हुए. बैठक में पियूष आनंद, रेणुका मिश्रा और राजीव कृष्ण के नाम को फाइनल किया गया. इसके बाद लोक सेवा आयोग ने तीनों नाम उत्तर प्रदेश सरकार को डीजीपी के चयन के लिए भेजे थे. जिसमें से उत्तर प्रदेश सरकार ने राजीव कृष्ण को उत्तर प्रदेश का पूर्णकालिक डीजीपी बनाने का आदेश जारी किया है।राजीव कृष्ण नोएडा के रहने वाले हैं. इनका जन्म 26 जून 1969 को हुआ था. राजीव कृष्णा की पत्नी आईआरएस अफसर हैं, जो वर्तमान में नोएडा में सीबीडीटी में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं।

सड़वा कला के बच्चों की मुख्यमंत्री से गुहार, स्ट्रीट लाइट न होने से बढ़ा खतरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी औद्योगिक क्षेत्र के सड़वा कला में स्ट्रीट लाइट की समस्या को लेकर स्थानीय बच्चों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भावुक अपील की है। बच्चों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे मुख्यमंत्री से क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग करते हुए कहते नजर आ रहे हैं, 'योगी अंकल, लाइट लगवा दो, हम बच्चों की भी सुन लो। मामला प्रयागराज नगर निगम के नैनी जोन-5 अंतर्गत वार्ड संख्या 70 के सड़वा कला क्षेत्र का है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़वा कला तिराहे से लेकर आसपास के रिहायशी इलाकों तक पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं है। शाम ढलते ही पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है, जिससे लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों का कहना

है कि सड़वा के जंगल क्षेत्र में सरस्वती हाइटेक सिटी परियोजना के तहत बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है। इसके चलते जंगल में रहने वाले जीव-जंतु, जिनमें सांप, अजगर, बिच्छू, सियार और नीलगाय जैसे वन्य जीव शामिल हैं, अब रिहायशी क्षेत्रों की ओर आने लगे हैं। अंधेरे के कारण इन जीवों का खतरा और बढ़ जाता है।स्थानीय निवासियों के मुताबिक, कई बार जहरीले जीव-जंतु घरों और बाउंड्रीवाल के अंदर तक पहुंच चुके हैं। इसके अलावा क्षेत्र में अंधेरे का फायदा उठाकर आपराधिक घटनाएं होने की भी शिकायतें सामने आई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अभिभावक शाम होने के बाद बच्चों को घरों से बाहर निकलने नहीं देते।लोगों का आरोप है कि स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग को लेकर कई बार नगर निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम और जनप्रतिनिधियों को इलाके की स्थिति से अवगत भी कराया, बावजूद इसके समस्या जस की तस बनी हुई है।स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि यदि नगर निगम और संबंधित विभाग स्ट्रीट लाइट लगाने में असमर्थ हैं, तो इसकी जानकारी सार्वजनिक करें ताकि क्षेत्रवासी आपसी सहयोग और चंदा एकत्र कर स्वयं स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था कर सकें।फिलहाल बच्चों की अपील वाला वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और क्षेत्रवासी उम्मीद जता रहे हैं कि मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला आने के बाद जल्द ही समस्या का समाधान होगा।

अजब चोर की गजब कहानी: घर में घुसकर नहाया,खाना खाया और नकदी लेकर फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज नैनी कोतवाली क्षेत्र के हनुमान नगर मोहल्ले में चोरी की एक अनोखी घटना सामने आई है। यहां एक चोर देर रात एक मकान में घुसा, घर में आराम से नहाया, खाना खाया और इसके बाद नकदी लेकर फरार हो गया। जाते-जाते वह अपने जूते और कपड़े भी वहीं छोड़ गया।जानकारी के अनुसार, हनुमान नगर निवासी जगत बहादुर सिंह इन दिनों अपने घर की स्थिति ठीक न होने के कारण एफसीआई रोड स्थित एक किराए के कमरे में रह रहे हैं। सोमवार सुबह जब वह अपनी दुकान पर पहुंचे तो दुकान के ऊपर मकान का सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि लगभग 1,500 रुपये नकद और कुछ आम गायब हैं।

पीड़ित ने बताया कि चोर ने चोरी करने से पहले या बाद में घर में नहाया और खाना भी खाया। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। सबसे हैरानी की बात

यह रही कि चोर अपने जूते और कपड़े मौके पर ही छोड़ गया।गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व ही जगत बहादुर सिंह की पत्नी का निधन हुआ था, जिससे परिवार पहले से ही दुख और परेशानियों का सामना कर रहा है। घटना की सूचना खबर लिखे जाने तक पुलिस को नही दी गई है।

मिशन 2027 के लिए कांग्रेस विधि विभाग ने लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। आज कांग्रेस विधि विभाग कार्य कारिणी की एक बैठक एलनगंज में सम्पन्न हुई ! बैठक का मुख्य उद्देश्य था की पार्टी को कैसे और मजबूती प्रदान की जाय ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ. प्र. कांग्रेस कमेटी(विधि विभाग) के प्रदेश उपाध्यक्ष और इलाहाबाद मण्डल के प्रभारी हरिश्चन्द्र दूबे ने अपने सम्बोधन में कहा की अब समय आ गया है की सभी लोग एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करें ! कांग्रेस पार्टी विगत कई दशक से उत्तर प्रदेश की सत्ता से दूर है जिसका प्रमुख कारण संगठन का अपेक्षा के अनुरूप मज़बूत न होना है ! श्री दूबे ने कहा की आजादी आंदोलन से लेकर अभी तक अधिवक्ता साथियों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है अधिवक्ता समुदाय सदैव समाज का सजग और जिम्मेदार प्रहरी रहा है और समाज से सीधे तौर पर जुडा रहा है ! उन्होंने एक बार पुनः अपने साथियों से आह्वान किया की इस समय कांग्रेस पार्टी और देश को आप की जरूरत है आप लोग साथ आये और देश और जनता को बचाने का कार्य करें !

सभा का संचालन विधि कांग्रेस के मण्डल अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह ने किया ! बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने आगामी 19 जून को नेता विपक्षी दल राहुल गाँधी जी का जन्मदिन बहुत ही सादगीपूर्ण ढंग से मनाने का निर्णय लिया ! बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रभारी हरिश्चन्द्र दूबे, प्रदेश उपाध्यक्ष गण रविन्द्र सिंह और अविनाश वर्मा, अतुल श्रीवास्तव (प्रदेश महासचिव), वी. डी. शुक्ला, जय प्रकाश सिंह (मण्डल अध्यक्ष), एस. कासिफ रिज़वी, राम सरन सरोज, आशीष चौधरी, सुरेन्द्र मिश्रा, अभिनव त्रिपाठी, अविनाश तिवारी(पूर्व जिलाध्यक्ष.लीगल सेल),चन्दन सिंह अमित कुमार सिंह, अखिलेश द्विवेदी, फैज, आशुतोष विश्वकर्मा, आदि अधिवक्ता साथी उपस्थित रहे !

यू0 पी0 बोर्ड परीक्षा-2026 में जनपद की श्रेष्ठता सूची के मेधावी छात्र/छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित

● प्रयागराज के 05 मेधावी विद्यार्थियों को रु0-1 लाख, 01 टैबलेट, प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर किया गया सम्मानित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के यू0पी0 बोर्ड परीक्षा 2026 मे प्रदेश की श्रेष्ठता सूची के टॉप-10 में से जनपद प्रयागराज के 05 मेधावी विद्यार्थियों को लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से रु0-1 लाख, 01 टैबलेट, प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी के लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद में कलेक्टेट्र्ट स्थित संगम सभागार में किया गया। संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद के श्रेष्ठता सूची के टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले 15 मेधावी छात्र/छात्राओं को मुख्य अतिथि महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा,एवं मुख्य विकास अधिकारी सुश्री हर्षिका सिंह के कर कमलों से रु0 21000 का चेक, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने अपने सम्बोधन में वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी मेधावी विधार्थियों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विधार्थियों की मेहनत, अनुशासन एवं सफलता की सराहना की। कहा कि आज का यह दिन जीवन पर्यन्त याद रहने का दिन है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपका यह जीवन केवल आपका जीवन नहीं है, यह समाज की पूंजी है तथा देश की सम्पत्ति है, आपको इसी भाव के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि आगे इसी तरह से बड़ी सफलताएं मिले, इसके लिए आपको आज से चार गुना अधिक परिश्रम करना होगा। एक लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। युवा पीढ़ी की उपलब्धियां ही राष्ट्र के सशक्त और विकसित भविष्य की आधारशिला है।

मेधावियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना है बल्कि आगामी परीक्षा में प्रदेश के टॉप-10 में अपना स्थान निश्चित करना है। इण्टर के विद्यार्थी अपना लक्ष्य निश्चित करें और ध्यान रखें कि संकल्प का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए कडी मेहनत कर अपना लक्ष्य प्राप्त करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी लोग इस सफलता और मेहनत की निरंतरता को बनाये रखिए। उन्होंने कहा कि इस प्रारम्भिक सफलता को अन्तिम सफलता न माने, आपको यह एक प्लेटफार्म मिला है, जिससे आपका अपनी प्रतिभा के प्रति आत्मसंदेह दूर हुआ है तथा यह सफलता

आपके जीवन की अच्छी शुरूआत है। इस प्रारम्भिक सफलता से जीवन में और अधिक कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के लिए केवल प्रतिभा का होना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु जीवन का एक निश्चित लक्ष्य होने के साथ उसे अर्जित करने के लिए लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहते हुए निरंतर कठिन परिश्रम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता उसी को मिलती है, जो निरंतरता के साथ कड़ी मेहनत करता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत के बावजूद भी असफलता मिल सकती है, लेकिन हमें इस असफलता से बिना डरे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखना है एवं हमें डटे रहना है, मन में गांठ बांध ले कि एक न एक दिन सफलता अवश्य प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि सफल होने के पश्चात हमें अपने परिवार, समाज को नहीं भूलना है तथा उसके प्रति भी हमें अपनी जिम्मेदारी निभानी है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जड़े मजबूत रखते हुए बड़े उद्देश्य के साथ कार्य करना चाहिए।

जिला विद्यालय निरीक्षक पी0एन0 सिंह ने अपने स्वागत उद्बोदन में बताया कि हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट में हमारे जनपद का परीक्षाफल राज्य के औसत परीक्षाफल से अधिक रहा है। मुख्य अतिथि का आगमन और उनका आशीर्वचन हमारे मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए न केवल प्रेरणा दायी होगा वरन् उनके सुन्दर भविष्य के लिए मार्गदर्शी होगा। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं उनकी टीम को शुभकामनायें देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों का उत्साह वर्धन होगा साथ ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से नई ऊचाँई की ओर बढ़ेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी एवं आभार विजय सिंह यादव, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर मेधावी छात्र/ छात्राओं के प्रधानाचार्य, शिक्षक सहित सह जिला विद्यालय निरीक्षक, विजय सिंह यादव, सहित डॉ0 बी0 एस0 यादव, के0 के0 त्रिपाठी, किरन राय, रणविजय, खेल सचिव बृजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहें।

स्टार प्लस का बहुप्रतीक्षित रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा 2 जून मंगलवार, से 'सैराब'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी।

ब्यूरो प्रयागराज। स्टार प्लस का बहुप्रतीक्षित रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा 'सैराब' 2 जून, मंगलवार की शाम दर्शकों के बीच दस्तक देने जा रहा है। शो को लेकर जिस तरह की चर्चा और उत्साह देखने को मिल रहा है, उससे यह तो स्पष्ट है कि दर्शक पहले एपिसोड के प्रसारण से पहले ही इसकी मुख्य जोड़ी से जुड़ाव महसूस करने लगे हैं। मदिराक्षी मुंडले और रोहित चंदेल अभिनीत 'सैराब' अपने पुराने दौर की रोमांटिक खूबसूरती, सुकून भरे संगीत और शानदार विजुअल्स की वजह से इन दिनों खूब चर्चा बटोर रहा है। यह शो एक मशहूर पॉप स्टार और एक साधारण युवती की अनोखी प्रेम कहानी को दर्शाता है, जिसने वर्षों तक समाज द्वारा बनाए गए नियमों और अपेक्षाओं के बीच अपनी जिंदगी बिताई है।

शो का प्रोमो रिलीज़ होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर दर्शकों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है। दर्शक इसकी नई और ताज़गी भरी कहानी के साथ-साथ मुख्य कलाकारों की शानदार केमिस्ट्री की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई दर्शकों का मानना है कि 'सैराब' उन्हें उन भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानियों की याद दिलाता है, जिनके लिए कभी स्टार प्लस जाना जाता था। सोशल मीडिया पर 'आखिरकार एक खूबसूरत रोमांटिक कहानी देखने को मिलेगी' और 'यह शो पुराने स्टार प्लस शोज़ वाला फील दे रहा है' जैसे कमेंट्स लगातार देखने को मिल रहे हैं। वहीं, कई दर्शक नोयोनिका और ईशान को इस सीज़न की सबसे दिलचस्प नई ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक मान रहे हैं।

दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाते हुए, रोहित चंदेल और मदिराक्षी मुंडले को बीती रात प्रसारित हुए स्टार प्लस के भव्य कार्यक्रम 'फैशन के रंग, रिश्तों के संग' में चैनल की नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी के रूप में पेश किया गया। रंगारंग प्रस्तुतियों, शानदार परफॉर्मेंस और पूरे स्टार परिवार की मौजूदगी के बीच दर्शकों को इस नई जोड़ी की पहली

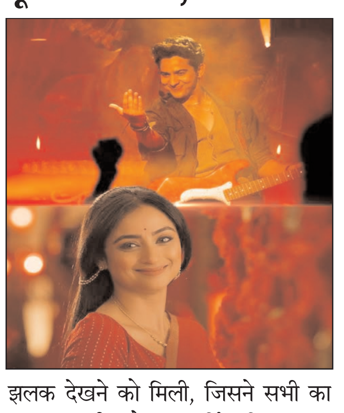

झलक देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस दौरान दोनों कलाकारों की मौजूदगी ने दर्शकों के बीच खास उत्साह पैदा किया। शो की शुरुआत से पहले ही उनकी केमिस्ट्री को लेकर जो चर्चा सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही है, उसने 'सैराब' को लेकर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या नोयोनिका और ईशान की यह अनोखी प्रेम कहानी दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना पाती है।

चित्रकूट में बच्चों के विवाद ने ली बड़े भाई की जान, छोटे पर लाठी से हमला कर हत्या का आरोप

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के दुबारी गांव में दादा के घर आने-जाने को लेकर भाई-बहन के बीच शुरू हुई कहासुनी ने दो सगे भाइयों के परिवारों को आमने-सामने ला दिया। दोनों पक्षों में जमकर लाठियां चलीं, जिसमें बड़े भाई 60 वर्षीय रामनारायण रैदास गंभीर रूप से घायल हो गए। सिर पर लाठी लगने से वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान रात एक बजे उनकी मौत हो गई। घटना में चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं। पुलिस ने राम नारायण के पुत्र की तहरीर पर छोटे भाई शिवनारायण समेत छह लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे दुबारी गांव निवासी शिवनारायण के 23 वर्षीय पुत्र इंद्रकुमार का अपनी बहन तुलसा से विवाद हो गया। बताया जाता है कि इंद्रकुमार का अपने दादा रामनारायण से विशेष लगाव था और वह अक्सर उनके घर आता-जाता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्य भी विवाद में कूद पड़े।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा

कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज शंकर गढ़ की छात्रा अंशिका द्विवेदी को किया गया सम्मानित

● जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह 2026

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 जून को जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह प्रयागराज स्थित संगम सभागार में आयोजित किया गया। जिला स्तर पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि महापौर प्रयागराज उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के द्वारा सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय मेधावी सम्मान समारोह के अन्तर्गत कैम्ब्रिज हाईस्कूल एण्ड कॉलेज की इण्टरमीडिएट की छात्रा अंशिका द्विवेदी को मुख्य अतिथि के कर कमलों से 21 हजार रुपए की धनराशि, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान किया गया। छात्रा की इस सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी एवं शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर प्रयागराज उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज हर्षिका सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी एन सिंह, विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी बालेन्द्र पांडेय आदि उपस्थित रहें।

नैनी कॉटन मिल के पास बनी जर्जर गोमटियों का हो पुनः आवंटन

● छोटे व्यापारियों को मिले राहत: घनश्याम जायसवाल।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी रेहड़ी-पटरी प्रकोष्ठ के महानगर संयोजक घनश्याम जायसवाल ने महापौर प्रयागराज, नगर आयुक्त तथा जोनल अधिकारी नैनी से मांग की है कि नैनी कॉटन मिल के पास नगर निगम द्वारा लगभग तीन वर्ष पूर्व निर्मित करीब दो दर्जन सरकारी गोमटियों की स्थिति पर तत्काल ध्यान दिया जाए।उन्होंने बताया कि इन गोमटियों का आवंटन पहले ही किया जा चुका है, लेकिन वर्तमान में अधिकांश गोमटियां जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी हैं। न तो इनमें कोई दुकानदार व्यापार कर रहा है और न ही इनका कोई उपयोग हो पा रहा है। इसके कारण सरकारी संपत्ति बेकार पड़ी हुई है। श्री जायसवाल ने कहा कि दूसरी ओर फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले छोटे दुकानदार अपनी आजीविका चलाने के लिए परेशान हैं और स्थायी दुकान के अभाव

में दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि पूर्व में आवंटित लेकिन उपयोग में न लाई जा रही गोमटियों का आवंटन निरस्त किया जाए तथा उनकी मरम्मत कराकर, शटर आदि लगवाकर पुनः पात्र छोटे फुटपाथ दुकानदारों को आवंटित किया जाए।उन्होंने कहा कि इससे एक ओर नगर निगम की संपत्ति का सदुपयोग होगा, वहीं दूसरी ओर छोटे व्यापारियों को रोजगार के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध हो सकेगा। श्री जायसवाल ने प्रशासन से इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई कर छोटे व्यापारियों को राहत प्रदान करने की मांग की।

शुभेंदु अधिकारी पर शंकराचार्य का तीखा वार, गाय को माता कहकर 14 साल बाद काटने की नीति पर उठाए बड़े सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। कानपुर देहात पहुंचे ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ संरक्षण के मुद्दे पर सरकारों और राजनीतिक दलों पर बेहद तीखा हमला बोला। पुखरायां स्थित गौशाला और मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देश में कुछ लोग एक तरफ गाय को 'माता' कहते हैं और दूसरी तरफ उसके लिए ऐसे नियम बनाते हैं, जो आस्था को चोट पहुंचाते हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के कथित बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि 'खबरदार शुभेंदु अधिकारी, तुमने जो यह निर्णय लिया है क्या वह सही है? एक तरफ तुम गाय को माता कहते हो और दूसरी तरफ कहते हो कि 14 साल के बाद उसे काटा जा सकता है।' शंकराचार्य ने सवाल उठाया कि अगर गाय को माता कहा जाता है तो फिर उम्र के आधार पर उसके वध की बात कैसे स्वीकार की जा सकती है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दोहरे रवैये पर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जो लोग गाय को माता कहते हैं, उन्हें स्पष्ट रूप से अपनी नीति तय करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 'अगर आप गाय को माता कहते हैं तो फिर उसे काटने की बात कैसे कर सकते हैं।' शंकराचार्य ने तीखे शब्दों में कहा कि पहले की सरकारें गाय को पशु मानती थीं, इसलिए कम से कम उनमें दिखावा नहीं था, लेकिन जो लोग खुद को गौभक्त बताते हैं, वही इस तरह के विरोधाभासी नियम बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भावनाओं और आस्था के साथ सीधा खिलवाड़ है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कार्यक्रम के दौरान शंकराचार्य ने पश्चिम बंगाल की राजनीति का उल्लेख करते हुए कहा कि गौ माता के सम्मान को लेकर किसी भी प्रकार का भ्रम या विरोधाभास नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई सरकार या नेता गाय को माता मानता है तो फिर उसके संरक्षण और सुरक्षा के लिए स्पष्ट और एक जैसी नीति होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक तरफ गाय को पवित्र बताया जाता है, तो दूसरी तरफ उसके वध को लेकर समय और उम्र तय करना किस आधार पर उचित है। शंकराचार्य ने कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि आस्था, संस्कृति और परंपरा से जुड़ा गंभीर विषय है, जिस पर स्पष्टता जरूरी है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौ संरक्षण किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और संस्कृति का विषय है। उन्होंने कहा कि जिस तरह लोग अपनी मां की रक्षा को धर्म और कर्तव्य मानते हैं, उसी तरह गौ माता की रक्षा भी समाज का दायित्व है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि आने वाले समय में गौ रक्षा एक बड़ा जन आंदोलन बन सकता है और इसके लिए समाज को एकजुट होकर आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि यदि सरकारें स्पष्ट नीति नहीं बनातीं तो समाज को खुद इस दिशा में जागरूक होकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

संक्षिप्त खबरें

विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, तलवा-खारूटोला सड़क निर्माण की रखी मांग

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर क्षेत्र की जर्जर सड़कों के निर्माण की मांग रखी। विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने मुख्यमंत्री से कहा कि पथ प्रमंडल, पाकुड़ अंतर्गत तलवा से खारूटोला पथ भाया सलपानी (लंबाई 11.770 कि.मी.) एवं चंदना से श्रीधरपाड़ा लिंक पथ (लंबाई 6.140 कि.मी.) के पुनर्निर्माण कार्य, जिसकी कुल लंबाई 17.910 कि.मी. है, को अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, अग्रिम योजना अंचल, रांची के पत्रांक 795 (अनु.) दिनांक 11.09.2025 के तहत तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़क काफी जर्जर हो चुकी है, जिसके कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आश्वासन देते हुए कहा कि 15 से 16 दिनों के भीतर इस पथ की स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी तथा बहुत जल्द निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने अवकाश का दिन होने के बावजूद कैबिनेट सचिव से बात कर मुख्य अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता को सड़क का डीपीआर शीघ्र मंगवाकर जल्द स्वीकृति देने का निर्देश दिया। जानकारी के अनुसार, इसी पुरानी सड़क से होकर स्कूली बच्चे एवं आम लोग प्रतिदिन आवाजाही करते हैं। सड़क, पुल-पुलिया सहित अन्य विकास योजनाओं को लेकर भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी के बीच विस्तृत चर्चा हुई।

मध्यस्थता से सुलझा पारिवारिक विवाद दंपति ने थामा एक दूसरे के हाथ

पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़ व्यवहार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय में चल रहे मूल भरण पोषण वाद 40/2026 का बीते सोमवार को प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक के प्रयास से दंपतियों के बीच दूरियों को समाप्त किया गया। दंपतियों के बीच चल रहे मतभेद को सुलह समझौते के आधार पर खत्म किया गया। दोनों पति-पत्नी एक साथ रहने को राजी हुए। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रजनीकांत पाठक ने दोनों को मिलजुलकर एक दूसरे को समझते हुए खुशी-खुशी रहने को कहा। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे को अपने हाथों से मिठाई खिलायी। हंसी खुशी न्यायालय से विदा की गई। इस मेल-मिलाप में दोनों पक्षों के अधिवक्ता अब्बास अली एवं मोहन राय की सराहनीय भूमिका रही। मौके पर न्यायालय कर्मी, दोनों पक्षों के परिजन, पैरा लीगल वॉलिंटियर्स नीरज कुमार राउत उपस्थित रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश के निर्देश पर डालसा द्वारा तंबाकू निषेध दिवस पर चलाया गया जागरूकता अभियान

पाकुड़, झारखंडः- झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में पाकुड़ प्रखंड परिसर स्थित एंडेवर एकेडमी प्रोजेक्ट प्रयास पाकुड़ सेंटर में तंबाकू सेवन के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें छात्र छात्राओं को तंबाकू के नुकसान उनसे होने वाले गंभीर बीमारी से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। तंबाकू का सेवन न करने को लेकर संकल्प लिया गया बीड़ी, सिगरेट,पान, गुटखा, खैनी, का सेवन नहीं करने एवं अपने दोस्तों परिवार समाज में तंबाकू के नुकसान , तंबाकू मुक्त घर कार्यालय संस्थानों को बनाने का संकल्प लिया गया साथ ही अपने स्वास्थ्य, अपने परिवार समाज और देश के बेहतर भविष्य का सभी ने एक जुटता के साथ प्रतिज्ञा ली। इस दौरान एंडेवर एकेडमी के शिक्षक संजय कुमार, पीएलवी नीरज कुमार राउत, छात्र छात्रा मौजूद रहे। वहीं महेशपुर प्रखंड के आस पास क्षेत्रों में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स चन्दन कुमार रविदास ने लोगों को जागरूक की अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाल जीवन के लिए तंबाकू छोड़ने की अपील की।

साहू समाज ने मेधावी विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह, प्रतिभा सम्मान समारोह में किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में आगामी मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। समारोह में मैट्रिक परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले ओमराज एवं 94 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली बिपाशा गुप्ता सहित अंशु गुप्ता, राजनंदिनी, स्नेहा कुमारी, शिवानी रंजन सहित दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों पर उपस्थित लोगों ने खुशी जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में करमा निवासी प्रकाश साव की पुत्री काजल कुमारी को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। हाल ही में उनका चयन एक्सिस बैंक में हुआ है। इस अवसर पर अनुमंडलीय अध्यक्ष अमित साहू ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना महासभा की गौरवशाली परंपरा है। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं। समारोह में वरिष्ठ नेता अर्जुन साहू, पूर्व अध्यक्ष सीताराम साहू, संरक्षक चेतलाल साव, अशोक गुप्ता, पूर्व उपप्रमुख रेखा देवी, प्रीति कुमारी, अनुमंडलीय उपाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, राजेश साव, महासचिव दीपक गुप्ता, बिरबल साव, अनुमंडलीय युवा अध्यक्ष विकास गुप्ता, चौपारण प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार, बरही प्रखंड अध्यक्ष प्रकाश साव, पदमा प्रखंड अध्यक्ष राजेश साव, बुधन साव, उपमुखिया संजय गुप्ता, मदन साव, अनुज साव, आशीष कुमार गुप्ता, जुगल साव, लालेश कुमार, ब्रह्मदेव साहू, पप्पू नायक, मनोज साव, नीतेश कुमार, कैलाश साहू, दिनेश साव, बसंत साव, बंटी साव एवं विशाल गुप्ता सहित अन्य वक्ताओ ने समारोह को सम्बोधित करते हुए युवाओं से शिक्षा को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। समारोह का समापन सम्मानित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना एवं समाज की प्रगति के संकल्प के साथ हुआ।

SIR (मतदाता गहन पुनरीक्षण) को लेकर झामुमो प्रखंड की बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- झामुमो प्रखंड कार्यालय पाकुड़िया में आज स्ढ्ढक्र (मतदाता गहन पुनरीक्षण) को लेकर प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, बुद्धिजीवी मोर्चा के जिला अध्यक्ष देबीलाल हांसदाक, प्रखंड सचिव मैनुद्दीन अंसारी सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, सचिव, पदाधिकारी एवं सभी पंचायतों से पहुंचे पंचायत अध्यक्ष और सचिव उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने कहा कि झारखंड में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तैयारी के तहत मतदाताओं की मैपिंग प्रक्रिया तेजी से चल रही है। उन्होंने बताया कि 15 जून तक बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) के माध्यम से यह अभियान जारी रहेगा। जिन मतदाताओं का नाम अभी तक मैप नहीं हो पाया है, वे संबंधित BLA-2 एवं BLO से संपर्क कर पूर्व की मतदाता सूची के आधार पर अपनी मैपिंग सुनिश्चित करा सकते हैं। जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे ने कहा कि अन-मैप्ड मतदाताओं की सूची प्रकाशित की गई है तथा उनकी संख्या कम करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिन क्षेत्रों में मैपिंग की गति धीमी है, वहां कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 15 जून तक विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित की जाएगी। बुद्धिजीवी मोर्चा के जिला अध्यक्ष देबीलाल हांसदाक ने कहा कि यह केंद्र सरकार एवं केंद्रीय चुनाव आयोग से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासनिक सहयोग एवं क्चरुह्र के प्रयासों से निर्धारित समयसीमा के भीतर अधिकाधिक मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली जाएगी। प्रखंड सचिव मैनुद्दीन अंसारी, जिला संगठन सचिव मुनीराम मरांडी एवं किसान मोर्चा जिला सचिव कोलोम मुर्मू ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पंचायत अध्यक्ष एवं सचिव अपने-अपने पंचायतों में जाकर BLA-2 से संपर्क करें तथा अन-मैप्ड वोटरों की सूची में सुधार का कार्य करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आवश्यकता पड़ने पर संगठन की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा। बैठक में महलईल अंसारी, नेगार अंसारी, निवारण मरांडी, कालिदास टुडू, मैनेजर हेम्ब्रोम, शिबलाल टुडू, जुगुनू हांसदा, अब्दुल बनीज, विश्वजीत दास, बिनोद भगत, दिनेश जायसवाल, बाबूराली मरांडी, बुलबुल शेख, तोहिदुल शेख, सुभाषिनी मुर्मू, नेजाम अंसारी, खुदूलाल भगत, नरेश हांसदा, नरेश यादव, मुजीबुल रहमान, एनोस मुर्मू, मोताहार अंसारी, मंजूर अंसारी, परवेज आलम, अकबर अली, कन्हैया भगत, फिरोज एवं सुनील मुर्मू सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर संकट मोचन धाम पथरोल में भक्ति की बही सरिता, भजन संध्या व खिचड़ी प्रसाद वितरण का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पथरोल, करौं, देवघर, झारखंडः- सिद्ध पीठ पथरोल के कालीधाम स्थित संकट मोचन धाम में शनिवार देर शाम ज्येष्ठ पूर्णिमा (पुरुषोत्तम मास) के अवसर पर भव्य भजन संध्या, हनुमान जी की महाआरती एवं खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्तिमय वातावरण का आनंद उठाया। जानकारी के अनुसार संकट मोचन धाम पथरोल में वर्ष 2002 से प्रत्येक पूर्णिमा के अवसर पर भक्तों के सहयोग से बाबा की महाआरती, भजन-कीर्तन तथा खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन लगातार किया जाता रहा है। इसी परंपरा को निभाते हुए ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भी विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां श्रद्धालुओं की मन्नत पूर्ण होने पर भक्त स्वयं आगे आकर पूर्णिमा के अवसर पर खिचड़ी प्रसाद वितरण करवाते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के पुजारी गोतम पाठक द्वारा हनुमान चालीसा पाठ के साथ की गई। इसके बाद भजन गायकों लालटू पाल, गोपाल अकेला, कुमार जितेंद्र, वरुण बाउरी एवं अक्षय शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं संगीत में तबला पर सुरेन दास तथा बैंजो पर दिनेश दास, जटाशंकर राउत और उपेंद्र रवानी सहित अन्य कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। मंदिर प्रबंधक दिलीप पाठक ने बताया कि प्रत्येक पूर्णिमा पर भक्तों के सहयोग से यहां भजन-कीर्तन एवं खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु स्वेच्छा से सहयोग करते हैं, जिसके कारण यह धार्मिक परंपरा वर्षों से निरंतर जारी है। मौके पर संतोष पाण्डेय, महेंद्र तिवारी, रोशन सिंहा, शैलेश पाठक, ज्ञानदेव राउत, प्रभु ठाकुर, सुभाष पोद्दार, किशुन साह, उमा रवानी, गंभीर कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर कमेटी के सदस्य माधो मंडल, कारू रवानी, उपेंद्र रवानी, सुरेंद्र दास, अजय रवानी, दिनेश दास, नरेश रजवार, राजकिशोर, गुणधार मंडल, महेंद्र विश्वकर्मा, कामदेव रवानी, सुशील सिंह, कामदेव महतो, गुड़ा पंडित, पंचु शर्मा, बलदेव रवानी, रवि रवानी, राजेश रवानी, सुधीर महतो, मनोज यादव, जटाशंकर राउत, हीरो यादव, वरुण बाउरी, होली मंडल, जग्गू रवानी सहित सभी ग्रामवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पुरानी रंजिश में प्रधान पुत्र की हत्या में चार को पुलिस ने किया गिरफतार

●चार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम गठित।

●पहले पुलिस ने छः लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया परिजनों के चक्का जाम करने पर दो और लोगों को आरोपी बनाया गया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़। कछवा थाना क्षेत्र के विदापुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद के चलते गांव के ही लोगों द्वारा शनिवार की देर रात प्रधान पुत्र प्रेम शंकर की दरवाजे पर चढ़ कर कुल्हाड़ी से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया, परिजनों द्वारा घायल युवक को उपचार के लिए वाराणसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां रविवार को युवक की मौत हो गई। मौत की खबर लगते ही गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा चार थानों की पुलिस तैनात कर दी गई।देर रात पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने मृत युवक की शव मितई राजमार्ग 74रख कर चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मीणा मौके पर पहुंच कर परिजनों को काफी समझाया बुझाया। परिजनों की मांग थी कि कछवा पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों को बचाया जा रहा, जिनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर उनका एनकाउंटर हों तथा मृतक के बेटे को सरकारी नौकरी तथा चार बेटियों को पढ़ाई लिखाई सहित अन्य खर्च सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाय।जिस पर अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मीणा द्वारा हर संभव मदद करने की बात कही और नामजद छः आरोपियों के साथ साथ दों अन्य आरोपियों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया गया। अभी तक चार अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा चार फरार आरोपियों की धरपकड़ में जुटी है।

निर्दोष ग्रामीणों पर कार्रवाई से भड़के लोग, नवादा में हुई बड़ी बैठक; फर्जी मुकदमे वापस लेने की मांग तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- लातेहार जिले के हेरहंज प्रखंड के नवादा ग्राम में रविवार को ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें 27 मई 2026 को कोयला परिवहन के दौरान हुई दुर्घटना, ग्रामीणों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों तथा क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में नवादा सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों ने बताया कि 27 मई की संध्या को कोयला परिवहन कर रहे एक हाईवा वाहन से कोयले का बड़ा बोल्डर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक मासूम बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने शांतिपूर्ण तरीके से सुरक्षा और न्याय की मांग उठाई, लेकिन दोषी कंपनी पर कार्रवाई करने के बजाय विरोध कर रहे ग्रामीणों पर ही मुकदमे दर्ज कर दिए गए। इससे पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। बैठक में सर्वसम्मति से मांग की गई कि ग्रामीणों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों को अविलंब वापस लिया जाए तथा घायल बच्चे के समुचित इलाज और उचित मुआवजे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कंपनी प्रबंधन एवं संबंधित लोगों पर कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग उठी। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि कंपनी के परिवहन मार्ग, परमिट एवं अन्य वैधानिक स्वीकृतियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि संबंधित मार्ग से कोयला परिवहन की वैध अनुमति नहीं है, तो गांव की सड़क से कोयला ढुलाई तत्काल बंद कर वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि ग्रामीण केवल अपनी सुरक्षा, सम्मान और न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घायल बच्चे को न्याय दिलाने के बजाय यदि ग्रामीणों की आवाज को मुकदमों के जरिए दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ होगा। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने और निर्दोष ग्रामीणों को न्याय दिलाने की मांग की। अनीता देवी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्रामीणों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए और उनकी जायज मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो ग्रामीणों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन चलाया जाएगा। बैठक में जिला परिषद प्रतिनिधि शिवनाथ रजक, विजय उरांव, सांसद प्रतिनिधि देवनंदन साहू, विकास कुमार, नवादा पंचायत की मुखिया, किशुन भुइयां, बिट्टू सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

टोरी फ्लाईओवर निर्माण की मांग तेज, 15 जून को लातेहार में माकपा व किसानों की पदयात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः टोरी-चंदवा फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण की मांग को लेकर माकपा एवं झारखंड राज्य किसान सभा ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। माकपा के वरिष्ठ नेता अयुब खान, जिला सचिव रसीद मियां और सुरेंद्र सिंह ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी कर बताया कि 15 जून को लातेहार में पदयात्रा निकालकर अनुमंडल कार्यालय तक मार्च किया जाएगा तथा एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा। नेताओं ने कहा कि वर्ष 2020-21 में टोरी-चंदवा फ्लाईओवर परियोजना को स्वीकृति मिली थी और 3 अप्रैल 2021 को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा ऑनलाइन शिलान्यास भी किया गया था। बावजूद इसके पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्राक्कलन 43 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर लगभग 119 करोड़ 71 लाख रुपये से अधिक हो चुका है। अब तक करीब छह बार टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो पाया। एक बार संवेदक ने कम राशि का हवाला देते हुए काम छोड़ दिया था। माकपा नेताओं ने केंद्र सरकार, राज्य सरकार और एनएच विभाग पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर प्रतिदिन घंटों जाम लगने से लाखों लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। एनएच-22 पर स्थित यह रेलवे फाटक अस्पताल, थाना, ब्लॉक और शहर को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है, जहां हर घंटे लंबा जाम लग जाता है। उन्होंने कहा कि जाम के कारण एम्बुलेंस तक फंस जाती हैं और कई बार मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते। महिलाओं का प्रसव रास्ते में ही होने तथा कई मरीजों की मौत फाटक पर ही हो जाने जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। इस समस्या से रांची, गुमला, लोहरदगा, पलामू, गढ़वा, हजारीबाग, चतरा, लातेहार समेत पड़ोसी राज्यों के लाखों यात्री प्रभावित होते हैं। नेताओं ने यह भी कहा कि टोरी जंक्शन देश का ऐसा प्रमुख रेलवे जंक्शन है, जहां स्टेशन आने-जाने के लिए समुचित रास्ते की व्यवस्था नहीं है। वहीं रेलवे विभाग की लापरवाही के कारण फुट ओवरब्रिज का निर्माण भी अधूरा पड़ा हुआ है। मजबूरी में यात्री और ग्रामीण जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करने को विवश हैं। माकपा और किसान सभा ने सरकार से अविलंब फ्लाईओवर और फुट ओवरब्रिज निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

जल-जंगल-जमीन की लड़ाई में ग्रामीणों की बड़ी जीतः NTPC माइनिंग प्रोजेक्ट की जनसुनवाई रद्द

●ग्राम सभा की अनदेखी पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, अनीता देवी ने प्रशासन और कंपनी पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंडः- लातेहार जिले के बालूमाथ प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में सोमवार को एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (हरू) को आवंटित 'नॉर्थ धाधु ईस्टर्न पार्ट कोल माइनिंग प्रोजेक्ट' के लिए आयोजित जनसुनवाई ग्रामीणों के भारी विरोध के बाद रद्द करनी पड़ी। प्रभावित पंचायतों से पहुंचे सैकड़ों ग्रामीणों ने जनसुनवाई की प्रक्रिया और स्थान को असंवैधानिक बताते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस आंदोलन का नेतृत्व लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने किया। उन्होंने प्रशासन और कंपनी प्रबंधन पर ग्राम सभा की अनदेखी करने तथा प्रभावित ग्रामीणों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन से जुड़े किसी भी फैसले में ग्राम सभा की सहमति अनिवार्य है। जनसुनवाई में जिले के कई वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकारी, अंचल अधिकारी (CO), प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) और एनटीपीसी के अधिकारी मौजूद थे। लेकिन जैसे ही प्रक्रिया शुरू हुई, ग्रामीणों ने इसे प्रभावित गांवों से दूर प्रखंड मुख्यालय में आयोजित किए जाने पर कड़ा विरोध जताया। बढ़ते विरोध और ग्रामीणों की एकजुटता को देखते हुए प्रशासन को अंततः जनसुनवाई रद्द करने की घोषणा करनी पड़ी। इस मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता देवी ने कहा कि यह सिर्फ जनसुनवाई रद्द होने की घटना नहीं, बल्कि ग्रामीणों, आदिवासियों और किसानों के संवैधानिक अधिकारों की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून और संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत ग्राम सभा की अनुमति के बिना कोई भी निर्णय स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर पर्यावरण प्रभाव रिपोर्ट (श्वढ्ढ), विस्थापन एवं पुनर्वास नीति (क्र&क्र) और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के मुद्दे पर पारदर्शिता नहीं बरतने का आरोप लगाया। साथ ही चेतावनी दी कि विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की आजीविका और जमीन छीनने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनीता देवी ने स्पष्ट कहा कि भविष्य में यदि कोई जनसुनवाई होती है तो वह सरकारी परिसरों में नहीं, बल्कि सीधे प्रभावित गांवों की ग्राम सभा के बीच पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। इस दौरान विभिन्न पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य, ग्राम प्रधान तथा बड़ी संख्या में महिला और पुरुष ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों और भविष्य की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया।

बलिया में सोमवार को समाजवादी पार्टी ने महंगाई, बेरोजगारी, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, आरक्षण, फर्जी मुकदमों और बढ़ते अपराधों को लेकर भी सपा ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा।

ठेले पर बाइक लादकर पहुंचे कलक्ट्रेट

प्रदर्शन के दौरान सपा नेता और कार्यकर्ता ठेले पर बाइक लादकर कलक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा और सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

क्या बोले सपा नेता

महंगाई पर वारः सपा नेताओं ने कहा कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई है। लगातार बढ़ती महंगाई से जनता त्रस्त है। ज़ युवाओं का मुद्दाः नीट समेत तमाम भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया। सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग और दलितों के आरक्षण के अधिकारों के हनन का भी आरोप लगाया। ज़ कानून व्यवस्था पर सवालः धर्म और जाति के आधार पर फर्जी मुकदमों में फंसाने, कथित फेक एनकाउंटर, महिलाओं पर अत्याचार और बढ़ते अपराधों पर चिंता जताई। कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत काम कर रही है। ज़ भ्रष्टाचार और शिक्षाः तहसील, थाना और अन्य सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर होने का आरोप लगाया। शिक्षा महंगी होने से गरीब परिवारों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की बात कही। सामाजिक और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने पर भी जोर दिया।

कौन-कौन रहा मौजूद

प्रदर्शन और ज्ञापन कार्यक्रम में फेफना विधायक व सपा जिलाध्यक्ष संग्राम सिंह यादव, सिकन्दपुर विधायक मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी, बैरिया विधायक जयप्रकाश अंचल, पूर्व विधायक मंजू सिंह, युवाजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरी, नीरज सिंह गुड्डू, अनिल सिंह, साथी रामजी गुप्ता समेत हजारों सपा कार्यकर्ता शामिल हुए।सपा नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे आम लोगों को न्याय पाने में मुश्किल हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत सहायकों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

ललितपुर। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में पंचायत सहायकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की गई। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में डिजिटल, प्रशासनिक एवं जनहित से जुड़े कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और मानदेय नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन में पंचायत सहायकों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने, सेवा सुरक्षा प्रदान करने, महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा देने, ग्राम पंचायत अधिकारियों के रिक्त पदों पर पंचायत सहायकों को प्राथमिकता देने तथा अन्य लंबित समस्याओं का निराकरण शामिल है। यूनियन ने मुख्यमंत्री से पंचायत सहायकों की समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो पंचायत सहायक कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर यूनियन के जिलाध्यक्ष संदीप झा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

72 वर्षीय बुजुर्ग की जेब काटकर रुपये उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जखौरा पुलिस ने तीन टीमों के संयुक्त प्रयास से किया घटना का खुलासा, महोबा निवासी आरोपी दबोचा

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र में 72 वर्षीय बुजुर्ग की जेब काटकर नकदी चोरी करने की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि घटना के अनावरण के लिए गठित तीन पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों और गहन जांच के आधार पर आरोपी तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। 27 मई 2026 को कस्बा जखौरा निवासी 72 वर्षीय व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी थी कि मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब काटकर रुपये चोरी कर लिए हैं। शिकायत के आधार पर थाना जखौरा में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई सूचनाओं के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम मवई, जनपद महोबा के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि जनपद पुलिस अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है और आमजन की सुरक्षा के लिए ऐसे मामलों का शीघ्र अनावरण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

तम्बाकू निशेध दिवस के अवसर पर विषेश अपील

ललितपुर। हर वर्श 31 मई विष्व तम्बाकू निशेध दिवस का आयोजन किया जाता है इस दिन का उद्देष्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यानाकर्शित करना हैं जो वर्तमान में दुनिया भर मे हर साल कई लाख से अधिक मौतो का कारण बनता है। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 अमित तिवारी ने बताया कि तम्बाकू एवं उसके उत्पाद षरीर के लिये अत्यन्त घातक होते है तम्बाकू के सेवन से मुंह, फेफडे एवं गले का कैंसर हृदय रोग, लकवा एवं ष्वांस से सम्बन्धित बीमारियॉ हो सकती है। उन्होने जनपद के सभी नागरिको से तम्बाकू एवं उसके उत्पादों का सेवन छोडने की अपील की। जनपद सलाहकार राश्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम डा0 रूद्रप्रताप सिंह बुन्देला ने बताया कि तम्बाकू एवं उसके उत्पादों का सेवन रोकने के लिये जिला चिकित्सालय सम्बद्ध स्वषासी राज्य महाविद्यालय ललितपुर के कक्ष क्रमांक 4 में तम्बाकू उन्मूलन केन्द्र में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

इक्कीस मेधावियों का हुआ सम्मान

● 21-21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान

हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में जिले में शीर्ष स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र

मेडल और चेक देकर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में जनपद स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ उपस्थित रहे। समारोह में सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, नपाध्यक्ष सोनाली जैन, एमएलसी रमा निरंजन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान लखनऊ स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें नवाचार, तकनीक और शिक्षा के माध्यम से प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी, अभ्युदय योजना, स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सीमित उपयोग तथा समाचार पत्रों एवं पुस्तकों के अध्ययन की सलाह दी। स्थानीय स्तर पर आयोजित समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं 21-21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि ललितपुर के छात्र-छात्राओं, विशेष रूप से बेटियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया है। सदर विधायक ने कहा कि विद्यार्थियों को इंटरमीडिएट के बाद अपने जीवन का लक्ष्य स्पष्ट कर लेना चाहिए और उसी दिशा में मेहनत करनी चाहिए। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए अभिभावकों को धन्यवाद दिया कि उन्होंने बेटा-बेटी में भेदभाव किए बिना बेटियों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि सफलता के बाद भी आत्ममुग्ध न हों और लगातार मेहनत करते रहें। साथ ही साइबर अपराधों से सावधान रहने और सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करने की भी सलाह दी। डीआईओएस ने बताया कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कुल 21 विद्यार्थियों को 21-21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान हाईस्कूल के अमित, मोहिनी पटेल, अभय पटेल, शिवांश, नंदनी, मोनिका सिंह, रोशनी, रोनक कुशवाहा, राधिका एवं शिवांस कुमार यादव और इंटरमीडिएट वर्ग के माधव सिंह, सतीश, वैष्णवी तिवारी, नव्या त्रिपाठी, यश झा, आकृति तिवारी, सतवेंद्र, कनक, आलोक सिंह, प्रिंस कुशवाहा एवं लकी सेन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीडीओ शेषनाथ चौहान, डीआईओएस ओपी सिंह, जीआईसी प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार, जीएचसी दावनी के प्रधानाध्यापिका कोमल सिंह नरवरिया, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आगजनी पीड़ित व्यापारियों को मुआवजा दिलाने की मांग

●मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन व्यापार मंडल ने आपदा राहत कोष से सहायता

●बीमा क्लेम और अग्निशमन संसाधन बढ़ाने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (पंजीकृत) के प्रतिनिधिमंडल ने ललितपुर नगर में हाल ही में हुई दो भीषण अग्निकांड घटनाओं में करोड़ों रुपये के नुकसान से प्रभावित व्यापारियों को राहत एवं मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। व्यापार मंडल ने मांग की कि प्रभावित व्यापारियों को आपदा प्रबंधन कोष तथा बीमा कंपनियों के माध्यम से तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में आई आंधी, तूफान और वर्षा के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था तथा विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई थी। इसी क्रम में 29 और 30 मई की रात ललितपुर नगर में दो बड़े अग्निकांड हुए, जिनमें व्यापारियों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। व्यापार मंडल ने बताया कि 29/30 मई की रात्रि लगभग 2 बजे नदीपार क्षेत्र स्थित कुमार ट्रेडर्स के संचालक राजकुमार के प्रतिष्ठान में विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग की चपेट में दो मंजिला भवन और उसमें रखा करीब 50 लाख रुपये मूल्य का सामान जलकर नष्ट हो गया। भवन के निचले हिस्से में ऑक्सीजन सिलेंडर एवं वेल्डिंग सामग्री की दुकान संचालित होती थी, जबकि ऊपरी हिस्से में परिवार का निवास था। आगजनी के बाद परिवार गहरे सदमे में है और उसे तत्काल सहायता की आवश्यकता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 30 मई की रात झांसी रोड स्थित गुप्ता ट्रेडर्स के प्रोपराइटर आकाश गुप्ता के टाइल्स एवं सैनिटरी गोदाम में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में लगभग 4 से 5 करोड़ रुपये मूल्य का माल जलकर राख हो गया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आग बुझाने के लिए स्थानीय फायर ब्रिगेड के अलावा चिगलौआ पावर प्लांट और महरौनी से भी दमकल वाहन बुलाने पड़े। हालांकि फायर सर्विस और पुलिस प्रशासन की तत्परता के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान से व्यापारी और उनका परिवार गहरे सदमे में है। व्यापार मंडल ने ज्ञापन में कहा कि मौसम विभाग और शासन के लगातार अलर्ट के बावजूद जिले में अग्निशमन विभाग के संसाधन पर्याप्त नहीं हैं। वर्तमान में ललितपुर फायर स्टेशन पर सीमित संख्या में फायर टेंडर और सहायक वाहन उपलब्ध हैं, जो नगर की बढ़ती आबादी और व्यावसायिक गतिविधियों के अनुरूप पर्याप्त नहीं हैं। ज्ञापन में नगर के विभिन्न हिस्सों में फायर हाइड्रेंट प्वाइंट स्थापित करने, आग लगने की स्थिति में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जनपद की विभिन्न तहसीलों में स्वीकृत फायर स्टेशनों को तत्काल संचालित किए जाने की मांग भी की गई। व्यापार मंडल ने आंधी-तूफान के दौरान पेड़ गिरने और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के नुकसान का सर्वे कराकर जिला आपदा राहत कोष से सहायता प्रदान करने की मांग भी उठाई। साथ ही दोनों अग्निकांडों में प्रभावित व्यापारियों को शीघ्र मुआवजा दिलाने के लिए शासन स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की गई। ज्ञापन की प्रतियां राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी, राज्यमंत्री मनोहर लाल तथा सदर विधायक रामरतन कुशवाहा को भी भेजी गई। इस दौरान प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष महेश जैन, अनिल जैन, नवीन सिंघई, अशोक अनौरा, अभय जैन एड., लखन अग्रवाल, डा.प्रीतम सराफ, मुकेश जैन, आलोक मयूर, मनोज सोनी, राजीव सुडेले, राहुल मोदी, अंकित सतभैया, अजय जैन, विनोद जैन, शुभम जैन, मनमोहन, नीलेश जैन, जय नारायण शर्मा, सुशांत जैन, सुनील जैन, उदयभान सिंह यादव, पीयूष जैन, एड.दीपक सिंघई सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

पन्द्रह हजार का इनामी गैंगस्टर जाखलौन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार

●रेलवे यात्रियों के मोबाइल और कीमती सामान चोरी करने वाले गिरोह का सक्रिय सदस्य निकला आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जीआरपी पुलिस टीम ने सोमवार तड़के जाखलौन रेलवे स्टेशन से 15 हजार रुपये के इनामी और गैंगस्टर एक्ट के वांछित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी द्वारा 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी के निर्देशन में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा चोरी एवं लूट की संपत्ति की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक रेलवे झांसी के निकट पर्यवेक्षण एवं जीआरपी के थानाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार तड़के करीब 2.30 बजे रेलवे स्टेशन जाखलौन के मुख्य द्वार के बाहर बनी रैम्प के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत वार्ड नं. 6 तालाबपुरा निवासी अनीश पुत्र सत्तार के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध जीआरपी ललितपुर में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वह 19 सितंबर 2025 से लगातार फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी एक संगठित गिरोह का सदस्य है, जो रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों को निशाना बनाता था। गिरोह के सदस्य भीड़भाड़ और यात्रा के दौरान यात्रियों के मोबाइल फोन, नकदी एवं अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते थे। आरोपी के खिलाफ कई संगीन मामले दर्ज हैं और वह रेलवे क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों में शामिल रहा है। जीआरपी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें रेलवे यात्रियों के सामान चोरी करने के मामले शामिल हैं। उसके खिलाफ दर्ज प्रमुख मुकदमे हैं, जिनमें अपराध संख्या 200/2023, धारा 380/411 भादवि, थाना जीआरपी ललितपुर, अपराध संख्या 94/2024, धारा 305(बी)/317(2) बीएनएस, थाना जीआरपी ललितपुर, अपराध संख्या 118/2025, धारा 2/3 गैंगस्टर अधिनियम, थाना जीआरपी ललितपुर शामिल हैं। इनामी अपराधी की गिरफ्तारी में जीआरपी ललितपुर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें थानाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक राजेश सिंह, हेड कांस्टेबल भगवान सिंह तथा हेड कांस्टेबल हरेन्द्र सिंह शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जेब काटकर 27 हजार रुपये चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

● जखौरा पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले

किया खुलासा, नकदी, मोबाइल और बाइक बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना जखौरा पुलिस ने जेब काटकर रुपये चोरी करने की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 15,570 रुपये, एक मोबाइल फोन तथा एक प्लेटिना मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जखौरा पुलिस ने यह सफलता हासिल की। पुलिस ने थाना जखौरा में पंजीकृत मुकदमा संख्या 145/2026, धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त राजेन्द्र सिंह उर्फ हल्के राजा (46 वर्ष) निवासी ग्राम मवई, थाना श्रीनगर, जनपद महोबा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार वादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी जेब काटकर 27 हजार रुपये चोरी कर लिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन विशेष टीमें गठित कीं। जांच के दौरान पुलिस ने कई किलोमीटर के दायरे में लगे लगभग 200 से 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही सर्विलांस और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 27 मई 2026 को वह मोटरसाइकिल से अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। रास्ते में उसे एक बुजुर्ग व्यक्ति मिले, जिन्हें उसने अपनी बाइक पर बैठा लिया। बातचीत के दौरान उसे पता चला कि बुजुर्ग के पास 27 हजार रुपये हैं। लालच में आकर उसने उन्हें ईंट भट्ठे के लिए मिट्टी दिखाने के बहाने ग्राम गुलैंदा के पास खेत की ओर ले गया और मौका पाकर उनकी कुर्ते की जेब से रुपये चोरी कर लिए। बाद में वह अपने रिश्तेदार के घर चला गया। चोरी की रकम में से कुछ रुपये खर्च हो गए, जबकि शेष रकम पुलिस ने बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपी राजेन्द्र सिंह उर्फ हल्के राजा का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके विरुद्ध महोबा जनपद के श्रीनगर थाने में भी विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15,570 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और एक प्लेटिना मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार वैश के नेतृत्व में जखौरा पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मेधा का महापर्व मुख्यमंत्री ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह, सम्मान समारोह में गूंजा शिक्षा, संस्कार और सफलता का संदेश

●मेधा का महापर्व मुख्यमंत्री ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह, सम्मान समारोह में गूंजा सफलता का मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष-2026 के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण के बीच देखा व सुना गया। प्रदेश स्तर पर लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए उन्हें प्रदेश और देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार बताया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा। समारोह के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और गर्व का भाव दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि सफलता का मूल मंत्र कठिन परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच है। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हो रहे छात्र-छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है तथा उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान, संस्कार और नवाचार को अपनाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शन, त्याग और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माननीय प्रभारी मंत्री, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क पंजीयन विभाग श्री रविन्द्र जायसवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि सफलता का मार्ग चुनौतियों से भरा होता है, लेकिन जो विद्यार्थी कठिनाइयों का सामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ते हैं, वही इतिहास रचते हैं। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हो रहे विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से कोई भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया। राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव गौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि मेधावी छात्र-छात्राएं राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग समाज के उत्थान तथा राष्ट्र के विकास के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह शक्ति है जो व्यक्ति को नई दिशा और नई पहचान प्रदान करती है। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी अथक मेहनत, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिले के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से न केवल अपने परिवार का बल्कि पूरे जनपद का गौरव बढ़ाया है। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने और निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सफलता की यह उपलब्धि आने वाले समय में और बड़ी उपलब्धियों की आधारशिला बनेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने मुख्यमंत्री सहित सभी वक्ताओं के प्रेरणादायी विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। पूरे समारोह में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और उत्कृष्टता का संदेश प्रमुख रूप से परिलक्षित हुआ। सम्मान समारोह ने विद्यार्थियों के मनोबल को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर घोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष जीत सिंह खरवार, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, सदर विधायक के प्रतिनिधि विकास मिश्रा अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, मेधावी विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण को लेकर जिलाधिकारी सख्त, पंचायत सहायकों से कराई जाएगी ऑनलाइन फीडिंग

● खसरा मूल्यांकन एवं कम्प्यूटरीकरण कार्य की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी ने की ऑनलाइन बैठक, समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश –जनपद में भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण, खसरा मूल्यांकन एवं डिजिटलीकरण की महत्वाकांक्षी प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समस्त तहसीलों के उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। बैठक में भूमि अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण, ऑनलाइन डाटा फीडिंग, जीआईएस मैपिंग एवं भूमि वर्गीकरण के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि बदलते समय के साथ भूमि अभिलेखों का डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल राजस्व प्रशासन की कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनेगी, बल्कि आमजन को भी भूमि संबंधी सूचनाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी गांवों के खसरा नंबरों का तहसीलवार एवं ग्रामवार डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जाए, जिससे भूमि अभिलेखों का सुव्यवस्थित एवं स्थायी रिकॉर्ड तैयार हो सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर तैनात पंचायत सहायकों के माध्यम से ऑनलाइन फीडिंग का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायकों की सहभागिता से ग्राम स्तर पर उपलब्ध अभिलेखों का संकलन, सत्यापन एवं ऑनलाइन अपलोडिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा सकेगा। साथ ही उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य की नियमित निगरानी कर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक खसरा संख्या का वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार पर वर्गीकरण किया जाएगा। इसके तहत भूमि की स्थिति, सड़क संपर्क, सड़क की चौड़ाई, सड़क की श्रेणी तथा आवासीय क्षेत्रों से दूरी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को डिजिटल डाटाबेस में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जीआईएस एवं सैटेलाइट तकनीक के उपयोग से प्रत्येक भूखंड की सटीक स्थिति चिन्हित की जाएगी, जिससे भूमि संबंधी सूचनाओं की विश्वसनीयता और उपयोगिता में वृद्धि होगी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कों का वर्गीकरण उनकी चौड़ाई एवं श्रेणी के आधार पर किया जाएगा। वहीं खसरों का विश्लेषण मुख्य सड़क एवं आबादी क्षेत्र से दूरी के आधार पर भी किया जाएगा, जिससे विकास परियोजनाओं, औद्योगिक निवेश, आवासीय योजनाओं एवं अन्य सार्वजनिक उपयोग की परियोजनाओं के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान आसानी से की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनपद के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे निवेशकों को उपयुक्त भूमि की जानकारी सरलता से उपलब्ध होगी, विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी तथा भूमि संबंधी विवादों के निस्तारण में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, खसरा टैगिंग, जीआईएस मैपिंग, सड़क वर्गीकरण एवं दूरी विश्लेषण जैसे सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। साथ ही पुराने अभिलेखों के डिजिटलीकरण, सीमांकन संबंधी समस्याओं एवं विभागीय समन्वय जैसी चुनौतियों का समाधान आपसी सहयोग एवं तकनीकी संसाधनों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि खसरा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण एवं ऑनलाइन डाटा प्रबंधन प्रणाली जनपद सोनभद्र में भूमि प्रशासन को अधिक पारदर्शी, आधुनिक, जवाबदेह एवं जनहितैषी बनाएगी तथा भविष्य में निवेश, औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी।

संक्षिप्त खबरें

यातायात पुलिस द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु दिनांक 30.05.2026 से दिनांक 31.05.2026 तक एक सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया । इस अभियान के दौरान यातायात पुलिस एवं स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों/तिराहों पर वाहनों की सघन जांच की। अभियान के अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 478 वाहनों का चालान किया गया। अभियान के तहत दोपहिया वाहनों में लगे मॉडिफाइड साइलेंसर के विरुद्ध कार्रवाई की गई। ट्रकों एवं भारी वाहनों में लगे अवैध प्रेशर हॉर्न पर नियंत्रण, निजी वाहनों पर अनधिकृत रूप से लगी नीली/लाल बत्ती एवं हूटर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। नियम विरुद्ध पाए गए वाहनों का मौके पर चालान किया गया। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। सार्वजनिक सड़कों पर स्टंट करने वाले एवं मॉडिफाइड उपकरणों से शांति भंग करने वालों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न कराएं तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करते हुए यातायात नियमों का पालन करें।

दादा नगर में मजदूरों ने फैक्ट्री के बाहर सड़क जाम किया

कानपुर ग्रामीण। कानपुर के दादा नगर फैक्ट्री एरिया में सोमवार को महिला मजदूरों ने वेतन वृद्धि और श्रम कानूनों के पालन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, इस प्रदर्शन में 100 से अधिक महिला मजदूर शामिल रहीं महिला मजदूरों का आरोप है कि उन्हें निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं दिया जा रहा है,आठ घंटे से अधिक काम कराने के बावजूद ओवरटाइम भुगतान नहीं किया जाता है, सूचना मिलने पर गोबिंद नगर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, अधिकारियों ने मजदूरों को समझानें का प्रयास किया, और उनकी समस्याएं सुनी, बाद में श्रम विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मजदूरों से बात चीत की,, महिला मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा, उन्होंने कहा कि हम लोगों को न्यूनतम वेतन वृद्धि, ओवरटाइम भुगतान और अन्य श्रमिक अधिकारों को लागू करने की मांग की अधिकारियों ने मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया,तब जाकर मजदूरों ने जाम खोला और यातायात सुचारू रूप बहाल हो गया।

घाटमपुर में शराब ठेका खुलने का महिलाओं ने किया विरोध

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के रायपुर गांव की महिलाओं ने सोमवार को एसडीएम घाटमपुर अविचल प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा,यह ज्ञापन गांव में देशी शराब का ठेका खोले जाने का विरोध किया,, महिलाओं ने एसडीएम को बताया कि गांव में इंटर कालेज एवं डिग्री कालेज स्थित है प्रस्तावित शराब का ठेका इन्हीं शिक्षण संस्थानों के पास खुलने जा रहा है,उनका कहना था कि इससे विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्र-छात्राओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा,, महिलाओं ने यह भी चिंता व्यक्त की कि ग्रामीण पुरूषों द्वारा शराब के सेवन से महिलाएं मानसिक और शारीरिक रूप से प्रतिडित होती है,, उन्हें ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है,, उन्होंने बताया कि पहले से ही करीब एक किलोमीटर की दूरी पर भदेवना, लालपुर,पडरी गांव में शराब के ठेक मौजूद हैं,, एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने मामले को संज्ञान में लिया है, उन्होंने आबकारी विभाग को जांच कर आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी,उनके साथ फौजी भारत भूषण भी शामिल रहे।

मेधावियों का भव्य सम्मान समारोह सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण जनपद के अम्बेडकर सभागार में उत्साहपूर्वक देखा गया। लोकभवन, लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद जगदम्बिका पाल भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य तथा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का लाइव प्रसारण देखा। समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहा गया तथा उन्हें भविष्य में और अधिक मेहनत कर सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया। अपने संबोधन में सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आज प्रदेश में शिक्षा का स्तर निरंतर बेहतर हो रहा है और छात्राएं विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और देश तथा समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया यह सम्मान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देगा। जिलाधिकारी ने सभी विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करने और जनपद का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कक्षा-10 के आठ तथा कक्षा-12 के दस मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं सांकेतिक चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, परियोजना निदेशक नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शहर में सुगम सुरक्षित यातायात के लिए डीसीपी ने किया चौराहों का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 1.06.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme* ' के अंतर्गत चेतना चौराहा, बड़ा चौराहा, टेफ्को तिराहा,कंपनीबाग चौराहा, का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी द्वारा यातायात व्यवस्था , सड़क पर वाहन दबाव , अवैध पार्किंग , ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन , सड़क किनारे अतिक्रमण तथा प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। प्रमुख चौराहा/तिराहा से ई- रिक्शा , ई-ऑटो , टेम्पो आदि को कम से कम 100 मीटर की दूरी पर सवारी बैठाने एवं उतारने हेतु निर्देशित किया गया तथा सड़क पर अनावश्यक रुकने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए एवं चौराहा/ तिराहा पर चिन्हित चोक पॉइंट्स (Choke Points) की पहचान कर उनके कारकों को दूर किया जाए जिससे यात्रियों के मैक्सिमम ट्रैवल टाइम को घटाया जा सके। डीसीपी यातायात द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं यातायात कर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात को सुगम , सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीसीपी रविन्द्र कुमार के द्वारा बताया गया कि ' Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme ' का उद्देश्य शहरवासियों को सुगम . सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

सड़क चौड़ीकरण प्रभावितों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नॉर्थ-साउथ कोरिडोर के अंतर्गत बर्डपुर-कपिलवस्तु मार्ग चौड़ीकरण में PWD द्वारा किए जा रहे भेदभावपूर्ण (एकतरफा) सर्वे को रोकने, बेकार पड़ी नहर की भूमि का उपयोग करने तथा बाईपास मार्ग निर्माण को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बर्डपुर, चैनपुर चौराहा एवं बर्डपुर -कपिलवस्तु (पिपरहवा/अलीगढ़वा) मार्ग के किनारे स्थित विभिन्न ग्रामों के मूल निवासी, किसान और छोटे व्यापारी हैं। इस ज्ञापन के माध्यम से लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा किए जा रहे एक अत्यंत असंवेदनशील और त्रुटि पूर्ण सर्वे की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, भेदभाव पूर्ण एवं एकतरफा सर्वे कर सड़क चौड़ीकरण के स्थापित नियमों के अनुसार सड़क के मध्य से दोनों तरफ बराबर दूरी पर भूमि का अधिग्रहण किया जाना चाहिए। परंतु, PWD के स्थानीय अधिकारियों द्वारा लगभग 6 किलोमीटर लंबे इस खंड मैं केवल एक ही तरफ (पश्चिम दिशा में) पूरे 21 मीटर का सर्वे किया जा रहा है। इस एकतरफा कार्रवाई के कारण दशकों से स्थापित चौराहे, बाजार, दुकानें और रिहायशी मकान पूरी तरह नष्ट हो जाएंगे।अनुपयोगी सूखी नहर का विकल्प मौजूद होना: सड़क के दूसरी तरफ (पूर्व दिशा में) सिंचाई विभाग की एक ऐसी नहर स्थित है जो विगत कई वर्षों से पूरी तरह बंद और सूखी पड़ी है। इस नहर में कभी पानी नहीं आया और इससे स्थानीय किसानों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। प्रशासन द्वारा इस अनुपयोगी सरकारी भूमि (नहर) का उपयोग सड़क चौड़ीकरण के लिए करने के बजाय दर्जनभर परिवारों के आशियाने और रोजगार को उजाड़ने की नीति अपनाई जा रही है, जो पूरी तरह अनुचित है। इस दौरान दिलीप कु?मार गुप्ता ,कमलावती देवी,धनश्याम, राम उजागिर जायसवाल ,विरेन्द्र कुमार जायसवाल, महेन्द्र कुमार, दयानन्द,सतीश चौधरी,रोहित कमार आदि उपस्थित रहे।

नगर निगमों की स्वायत्तता पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं, मुख्यमंत्री को भेजा गया ज्ञापन

●नेता सदन नवीन पंडित के नेतृत्व में भाजपा पार्षदों ने उठाई नगर निगमों के अधिकारों की रक्षा की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नगर निगमों की संवैधानिक स्वायत्तता एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा को लेकर भाजपा पार्षद दल ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री को विस्तृत ज्ञापन प्रेषित किया है। यह ज्ञापन नगर निगम भाजपा पार्षद दल के नेता सदन नवीन पंडित के नेतृत्व में भेजा गया, जिसमें नगर निगमों में उद्घाटन शिलापट्टों के नामकरण संबंधी प्रस्तावित व्यवस्था पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि हाल ही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नगर निगमों में उद्घाटन शिलापट्टों हेतु एक निर्धारित नामकरण प्रारूप लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। पार्षदों का मत है कि बिना नगर निगम बोर्ड की स्वीकृति के इस प्रकार के निर्देश लागू करना संविधान की 74वीं संशोधन भावना, नगर निगम अधिनियम तथा स्थानीय स्वशासन की अवधारणा के विपरीत है। पार्षदों ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया कि नगर निगमों को विकास कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली बड़ी धनराशि 15वें वित्त आयोग के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे में शिलापट्टों पर वास्तविक वित्तीय स्रोतों का उचित उल्लेख होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल राज्य सरकार आधारित प्रारूप लागू करना वित्तीय पारदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि नगर निगम एक स्वतंत्र स्थानीय स्वशासी संस्था है तथा उसके नीति निर्धारण एवं निर्णय लेने का अधिकार निर्वाचित नगर निगम बोर्ड को प्राप्त है। नगर आयुक्त अथवा प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा एकतरफा नीति संबंधी निर्देश जारी करना विधिक एवं संवैधानिक मर्यादाओं के विपरीत माना जाएगा। भाजपा पार्षद दल ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रस्तावित निर्देशों को अनिवार्य आदेश के बजाय केवल परामर्शात्मक (एडवाइजरी) स्वरूप में रखा जाए, नगर निगमों में इसके क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा विषय को संबंधित नगर निगम बोर्डों के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए। ज्ञापन में सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णयों एवं उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 के प्रावधानों का भी उल्लेख करते हुए नगर निकायों की स्वायत्तता को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। नेता सदन नवीन पंडित ने कहा कि नगर निगम जनता द्वारा चुनी गई लोकतांत्रिक संस्था है और उसके अधिकारों एवं स्वायत्तता की रक्षा करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा किसी राजनीतिक विवाद का नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक अधिकारों और स्थानीय निकायों की गरिमा से जुड़ा हुआ विषय है। ज्ञापन की प्रतिलिपि प्रधानमंत्री कार्यालय, नगर विकास मंत्री उत्तर प्रदेश, महापौर कानपुर, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश एवं नगर आयुक्त कानपुर नगर निगम को भी प्रेषित की गई है। इस अवसर पर नेता सदन नवीन पंडित के नेतृत्व में पार्षद तौसीफ खान, निरंजन शुक्ला, जितेन्द्र अवस्थी, अनुराग द्विवेदी, डी.के. गुप्ता, विकास सिंह, दीपक चौहान, जीशान गुड्डु सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने नगर निगमों के अधिकारों एवं स्वायत्तता की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद की।

सिद्धार्थनगर में जनसमस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी का जोरदार प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी (सपा) ने सोमवार को भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष एवं इटवा विधायक माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला। यह प्रदर्शन महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसानों की समस्याओं और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर किया गया। जिला मुख्यालय पर सपा कार्यालय से शुरू हुआ जुलूस कलेक्ट्रेट पहुंचते-पहुंचते एक विशाल प्रदर्शन में बदल गया। इसमें नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, डुमरियागंज विधायक सैय्यदा खातून, जिलाध्यक्ष लालजी यादव और पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में झंडे और बैनर लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए। उन्होंने भाजपा सरकार पर जनता से किए गए वादे पूरे न करने, महंगाई पर नियंत्रण न कर पाने, युवाओं को रोजगार न देने और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रदर्शन और तेज हो गया। सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य प्रवेश द्वार के एक हिस्से को लगभग आधे घंटे तक जाम रखा। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए, जबकि कई सड़क पर लेटकर नारेबाजी करते रहे। कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट के बाहर काफी देर तक हंगामे जैसी स्थिति बनी रही। कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को स्थिति नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। अधिकारियों की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित किया गया। प्रदर्शन के दौरान नीट परीक्षा पेपर लीक का मुद्दा प्रमुख रहा। सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि परीक्षा घोटालों ने युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। सपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को संबोधित 13 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की बढ़ी कीमतें वापस लेने, महंगाई पर नियंत्रण करने, अघोषित बिजली कटौती बंद करने, बिजली दरों में हुई वृद्धि वापस लेने, किसानों को खाद, बीज और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की गई। इसके अलावा नीट पेपर लीक मामले के दोषियों पर कठोर कार्रवाई, कानून-व्यवस्था में सुधार, भ्रष्टाचार पर अंकुश, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यक के उत्पीड़न पर रोक तथा रिक्त आरक्षित पदों पर भर्ती की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। ज्ञापन में जनपद के कई स्थानीय मुद्दों को भी शामिल किया गया। सपा नेताओं ने लोटन थाना क्षेत्र के चर्चित संदीप यादव हत्याकांड में न्याय की मांग करने वालों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग की। साथ ही खेसरहा थानाध्यक्ष को हटाने, सोनखर, हाटा, भंवारी और अजमागढ़ बांध पर किसानों की जमीन से मिट्टी निकालकर किए गए नुकसान का मुआवजा देने तथा धौरीकुइयां-महदेवा मार्ग निर्माण के दौरान प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग भी की। सभा को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में आम जनता, किसान, नौजवान, व्यापारी और मजदूर सभी परेशान हैं। महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है, बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और किसान खाद, बीज तथा सिंचाई की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता की आवाज को दबने नहीं देगी और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष लगातार जारी रहेगा। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। उधर, शोहरतगढ़ में भी समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार के नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पूर्व विधानसभा प्रत्याशी उग्रसेन प्रताप सिंह बैलगाड़ी पर सवार होकर कार्यकर्ताओं के साथ कस्बे की सड़कों पर निकले। बैलगाड़ी यात्रा के माध्यम से उन्होंने किसानों और ग्रामीण जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। शोहरतगढ़ कस्बे के प्रमुख मार्गों से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरे मार्ग पर सरकार विरोधी नारे गूंजते रहे और प्रदर्शन देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही। शोहरतगढ़ में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। जुलूस मार्गों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम की निगरानी की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंग किसानों की समस्याओं और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर अभाविप कानपुर ने किया माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), कानपुर दक्षिण किदवई नगर इकाई द्वारा अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अभाविप कार्यकर्ताओं ने अहिल्याबाई होल्कर जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम का आयोजन किदवई नगर के फाउंटेन पार्क में किया गया। इस दौरान अभाविप के कार्यकर्ताओं ने अहिल्याबाई होल्कर जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर न्याय, धर्म, महिला सशक्तिकरण एवं लोक कल्याण की प्रतीक थीं। उन्होंने मालवा की शासिका के रूप में अपने 30 वर्षों के शासनकाल में मंदिरों के जीर्णोद्धार, घाटों के निर्माण, शिक्षा एवं व्यापार को बढ़ावा देकर एक आदर्श शासन की मिसाल पेश की। काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ तक देशभर में उनके द्वारा कराए गए निर्माण कार्य आज भी उनकी दूरदर्शिता के प्रमाण हैं। अभाविप कानपुर दक्षिण के संगठन मंत्री रामजी ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर जी ने सिद्ध किया कि नारी शक्ति, करुणा और प्रशासनिक कुशलता का संगम हो सकती है। आज की युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र पुनर्निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। अभाविप उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर मंत्री कुशल मिश्र, वंश सिंह , रुद्राक्ष दीक्षित, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अहिल्याबाई होल्कर जी के आदर्शों पर चलने के संकल्प के साथ किया गया।

स्कूटी सवार को बचाने में फिसली बाइक, सड़क पर सिर टकराने से सेल्समैन की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

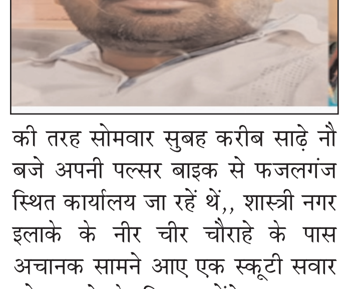

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना काकादेव थाना क्षेत्र अंतर्गत शास्त्री नगर इलाके में सोमवार सुबह स्कूटी सवार को बचाने के प्रयास में बाइक फिसलने से बजाज फाइनेंस कंपनी के सेल्स मैनेजर की मौत हो गई,, हादसे में हेलमेट छिटककर कर दूर जा गिरा,, जिससे उनका सिर सड़क से टकरा गया, और वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया,, आपको बताते चलें कि मसवानपुर निवासी प्रशांत तिवारी 35 वर्षीय बजाज फाइनेंस कंपनी में सेल्स मैनेजर के पद पर कार्यरत थे, परिजनों के अनुसार वह रोज की तरह सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे अपनी पल्सर बाइक से फजलगंज स्थित कार्यालय जा रहें थें,, शास्त्री नगर इलाके के नीर चीर चौराहे के पास अचानक सामने आए एक स्कूटी सवार को बचाने के लिए उन्होंने बाइक का अगला ब्रेक जोर से लगा दिया, इससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर घिसटते हुए पलट गई, हादसे के दौरान हेलमेट की स्ट्रिप खुल गई, और हेलमेट दूर जा गिरा, इसी बीच प्रशांत तिवारी का सिर सड़क से टकरा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटे आई, पीछे से आ रहे उनके एक साथी कर्मचारी ने उन्हें गंभीर हालत में हैलट अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया,, प्रशांत के परिवार में पत्नी शालू, बेटियां सान्वी और समृद्धि तथा छोटा भाई दीपू है, हादसे की सूचना मिलते ही परिवार मे कोहराम मच गया, कंपनी के कई कर्मचारी भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, काकादेव थाना प्रभारी निरीक्षक धमेंद्र कुमार राम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हर्ष नगर स्थित इंजीनियर्स पेट्रोल पंप पर लगे आरोप जांच में निकले निराधार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

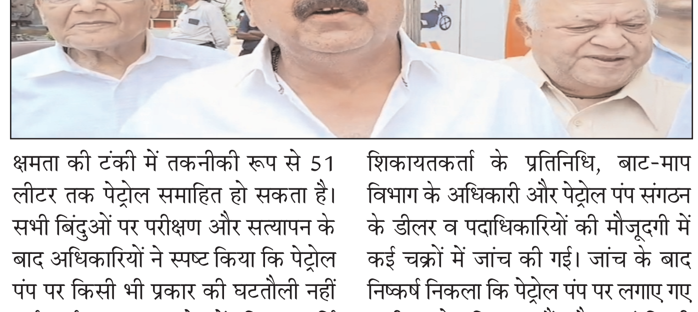

कानपुर नगर से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। हर्ष नगर स्थित इंजीनियर्स पेट्रोल पंप पर लगाए गए घटतौली के आरोप जांच में पूरी तरह निराधार पाए गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी, बाट-माप विभाग के अधिकारियों और पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मौजूदगी में पेट्रोल पंप की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान कई चरणों में माप और पेट्रोल आपूर्ति की पड़ताल की गई, जिसमें शिकायतकर्ता पक्ष का प्रतिनिधि भी मौजूद रहा। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि 45 लीटर क्षमता की टंकी में तकनीकी रूप से 51 लीटर तक पेट्रोल समाहित हो सकता है। सभी बिंदुओं पर परीक्षण और सत्यापन के बाद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पेट्रोल पंप पर किसी भी प्रकार की घटतौली नहीं पाई गई। इस मामले में जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता के प्रतिनिधि, बाट-माप विभाग के अधिकारी और पेट्रोल पंप संगठन के डीलर व पदाधिकारियों की मौजूदगी में कई चक्रों में जांच की गई। जांच के बाद निष्कर्ष निकला कि पेट्रोल पंप पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं और वहां किसी तरह की अनियमितता नहीं मिली।

संक्षिप्त खबरें

युवक को कपड़े से बांधकर जमीन पर लिटाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

प्रेम प्रसंग का मामला, किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सूर्यकुड़िया के टोला हथियागढ़ में एक किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने का आरोप किशोरी की मां ने पुलिस को तहरीर देकर लगाया। जिसपर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को पकड़कर कार्यवाही करते हुये जेल भेज दिया। चिल्हिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सूर्यकुड़ियां के टोला हथियागढ़ निवासी चंद्रावती पत्नी विजय कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के गांधीनगर मोहल्ला निवासी चंद उर्फ जमाल खान (22) पुत्र मोहम्मद अली मेरी लड़की को 28 मई के दिन मेरी लड़की को बहला फुसलाकर घर से भगाकर ले जा रहा था कि स्वजनों ने पीछा किया और वह लड़की को छोड़कर भाग गया।लड़की को घर वापस ले आए। पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पीड़िता ने की। पुलिस ने धारा 137 (2) व 87 के तहत केस दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अब दो दिन बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक युवक को ग्रामीण हाथ पैर कपड़े से बांधकर जमीन पर लिटाये हुए हैं। चर्चा है कि यह वीडियो उसी कथित आरोपी युवक का है। लेकिन वीडियो के सत्यता की पुष्टि स्वतंत्र प्रभात अखबार नहीं करता है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि पीड़िता की तहरीर पर त्वरित कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

बैठक में केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने किया ग्रामीणों संग भोज, शाहजहांपुर में कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं

शाहजहांपुर। केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग, आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स राज्यमंत्री जितिन प्रसाद रविवार को जलालाबाद के ककराहा गांव पहुंचे, यहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का प्रसारण सुना। इसके बाद वहीं पर टिफिन बैठक करके लोगों के साथ सहभोज भी किया।

ककराहा गांव में सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

जितिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र व योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक को दिलाना उनकी प्रतिबद्धता है। इसके लिए हर जगह प्रशासन भी पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है यदि फिर भी जनमानस की किसी समस्या का समाधान में कोई कठिनाई आ रही हो तो वह जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी के नेताओं को अवगत कराएं ताकि उनकी समस्याओं का शीर्ष प्राथमिकता पर निदान कराया जा सके। मंत्री ने स्थानीय मुद्दों, समस्याओं को सुनकर उसके समाधानों पर चर्चा की। इससे पहले प्रसाद भवन पर भी लोगों की समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान विधायक हरिप्रकाश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, विनीत मिश्र, भूपेंद्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख लता सिंह, अवधेश दीक्षित, कौशल मिश्र, श्याम बाबू सिंह, मनमोहन द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

50 लाख का बीमा और बहन का कत्ल... 9 साल से राजमिस्त्री बनकर छिपा था कातिल, ऐसे हुआ पर्दाफाश

नई दिल्ली। उत्तरी जिला के बुराड़ी थाना अंतर्गत अजीत विहार में 50 लाख के बीमे और लाखों की प्रापर्टी के लिए एक महिला की गला रेतकर हत्या करने में शामिल चंदन कुमार नाम के शख्स को क्राइम ब्रांच ने बिहार के लखीसराय से गिरफ्तार कर लिया है। वह वारदात के बाद पिछले नौ साल से फरार चल रहा था। बीमे की रकम और प्रापर्टी हड़पने के लिए कमल कुमार नाम के शख्स ने अपनी सगी बहन की अपने दो सगे साले चंदन कुमार व कुंदन कुमार के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। कमल कुमार को बुराड़ी थाना पुलिस ने अगस्त 2017 में घटना के कुछ दिन बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके दोनों साले फरार थे, जिन्हें कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया था। उनमें चंदन को अब जाकर गिरफ्तार किया गया है। उससे पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि कुंदन कुमार की 2018 में ही ट्रेन से कटकर मौत हो चुकी है। डीसीपी, क्राइम ब्रांच, संजीव कुमार यादव के मुताबिक एसीपी संजय कुमार नागपाल और इंस्पेक्टर राबिन त्यागी की टीम को सूचना मिली थी कि बुराड़ी की एक जघन्य हत्या में शामिल चंदन कुमार, बिहार में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने 29 मई बिहार पहुंचकर उसे लखीसराय से गिरफ्तार कर लिया।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर ब्रेक! इजराइल के लेबनान अभियान से भड़का तेहरान

● अमेरिका के साथ ईरान की शांति वार्ता इजरायल के लेबनान सैन्य अभियान के कारण स्थगित हो गई है।

जिससे पहले से ही नाजुक अमेरिका-ईरान युद्धविराम ढांचे पर गहरा दबाव पड़ा है। ईरान ने स्पष्ट किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खबरों के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका के साथ शांति वार्ता स्थगित कर दी है। यह कदम वाशिंगटन और तेहरान के बीच पहले से ही नाजुक युद्धविराम ढांचे पर और अधिक दबाव डाल सकता है। यह घटनाक्रम लेबनान में इजरायल के चल रहे सैन्य अभियान के कारण बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच आया है। ईरान की समाचार एजेंसी तसनीम, जिसे ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के करीबी माना जाता है, के अनुसार, तेहरान ने फिलहाल बातचीत रोकने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह विराम तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान की चिंताओं और क्षेत्र में सहयोगी समूहों के हितों पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता।

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी थी कि ईरान और अमेरिका के बीच हुआ युद्धविराम समझौता लेबनान समेत सभी मोर्चों पर लागू होता है, और कहा कि किसी भी क्षेत्र में उल्लंघन को पूरे युद्धविराम का उल्लंघन माना जाएगा। X पर एक पोस्ट में, अराघची ने कहा कि युद्धविराम की शर्तें स्पष्ट हैं और उन्होंने उल्लंघन से उत्पन्न होने वाले किसी भी परिणाम के लिए अमेरिका और इज़राइल को जिम्मेदार ठहराया।

अराघची ने लिखा कि ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम स्पष्ट रूप से लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्धविराम है। उन्होंने आगे कहा कि एक मोर्चे पर इसका उल्लंघन सभी मोर्चों पर युद्धविराम का उल्लंघन है। किसी भी उल्लंघन के परिणामों के लिए अमेरिका और इज़राइल ज़िम्मेदार हैं। ये टिप्पणियाँ इस बात पर जारी असहमति के बीच आई हैं कि क्या लेबनान को औपचारिक रूप से अमेरिका-ईरान युद्धविराम ढांचे में शामिल किया जाना चाहिए। ईरान ने बार-बार यह तर्क दिया है कि किसी भी समझौते में लेबनान को भी शामिल किया जाना चाहिए और ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह समूह के खिलाफ इजरायली सैन्य अभियानों को रोकना भी अनिवार्य होना चाहिए। हालांकि, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले ही संकेत दिया है कि युद्धविराम मुख्य रूप से ईरान से जुड़े प्रत्यक्ष संघर्षों पर लागू होता है और लेबनान में चल रहे अभियानों पर स्वतः लागू नहीं होता।

देश के शीर्ष 200 संस्थानों में असम विश्वविद्यालय, एनपीटीईएल- स्वयं में हासिल की 'एए रेटिंग'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः सिलचर, गत 31 मई। ऑनलाइन शिक्षा मंच एनपीटीईएल (NPTEL) के स्वयं (SWAYAM) कार्यक्रम में असम विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2026 के जनवरी-जून सत्र में देश के शीर्ष 200 संस्थानों की सूची में स्थान बनाया है। विश्वविद्यालय के एनपीटीईएल-स्वयं लोकल चैप्टर को इस उपलब्धि के लिए 'एए रेटिंग' प्रदान की गई है।

विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2017 में एनपीटीईएल लोकल चैप्टर की स्थापना के बाद यह पहला अवसर है जब असम विश्वविद्यालय ने यह प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त किया है। उत्तर-पूर्व भारत के शैक्षणिक संस्थानों में इससे पहले केवल नेरिस्ट (North Eastern Regional Institute of Science and Technology) और तेजपुर विश्वविद्यालय ही शीर्ष 200 संस्थानों की सूची में शामिल हो सके थे। नेरिस्ट ने वर्ष 2024 और 2025 में तथा तेजपुर विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 और

2026 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

स्वयं-एनपीटीईएल लोकल चैप्टर के समन्वयक प्रदीप्तो दास ने इस सफलता का श्रेय कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत तथा आईक्यूएसी निदेशक प्रो. पीयूष पांडेय के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग को दिया। उन्होंने विभिन्न विभागाध्यक्षों और संकाय अधिष्ठाताओं (डीन) के योगदान की भी सराहना की। शिक्षा जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में असम विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और सुदृढ़ होगी। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी तथा एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण विश्वविद्यालय को यह सम्मानजनक मान्यता प्राप्त हुई है।

गर्मी के टॉर्चर के बीच 'कूल' खबर, दिल्ली में अब फ्री मिलेगा साफ और ठंडा पानी

नई दिल्ली। भीषण गर्मी को देखते हुए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (NDMC) ने नागरिकों को राहत देते हुए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब NDMC क्षेत्र के सभी 38 वाटर एटीएमों पर 2 जून 2026 से पेयजल पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। NDMC उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने सोमवार को विभिन्न स्थानों पर वाटर एटीएमों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मशीनों की कार्यक्षमता, स्वच्छता और पानी की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद चहल ने कहा कि बढ़ते तापमान में राहगीरों, मजदूरों, पर्यटकों और विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शीतल पानी उपलब्ध कराना NDMC की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 23 वाटर एटीएम पर 300 मिलीलीटर पानी ?1 में मिलता था, जबकि 15 पहले से ही निःशुल्क थे। अब सभी 38 मशीनें फ्री सेवा देंगी। NDMC ने वर्ष 2018-19 में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत वाटर एटीएम परियोजना शुरू की थी। यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर चल रही थी।

दिनदहाड़े गाय चोरीः ग्रामीणों ने दो आरोपियों को पकड़ा, दो फरार; पुलिस ने वाहन बरामद किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के निविया क्षेत्र के निकट लालछड़ा बागान क्षेत्र में दिनदहाड़े गाय चोरी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, 1 जून सोमवार दोपहर,स-11श्व-7799 नंबर की एक ऑल्टो कार में सवार चालक सहित चार युवकों का एक समूह दुल्लभछड़ा-भेटारबंद मार्ग से लालछड़ा चाय बागान क्षेत्र में पहुंचा। आरोपियों ने नाचघर के सामने वाहन रोककर कुछ देर तक आसपास की स्थिति का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने वहां बंधी एक गाय की रस्सी खोलकर उसे वाहन में लाद लिया। घटना को दूर से देख रहे स्थानीय युवकों ने शोर मचाया, जिसके बाद आरोपी वाहन लेकर नीविया की ओर तेज गति से भाग निकले।

सूचना फैलते ही विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी लगातार मार्ग बदलकर भागते रहे। मोटरसाइकिल से पीछा करने के बावजूद वे पकड़ में नहीं आ सके। आरोपी मगाराछड़ा, पठाखाउरी और हाथीडिपु फॉरेस्ट मार्ग से होते हुए सिंगला बागान क्षेत्र तक पहुंचे। वहां ग्रामीणों ने सड़क पर अवरोध लगाने की कोशिश की, लेकिन वाहन नहीं रुका। हालांकि, घिरते देख आरोपियों ने सिंगला बागान के एक सुनसान इलाके में गाय को उतार दिया और दुल्लभछड़ा फॉरेस्ट बीट कार्यालय के पास सिंगला नदी क्षेत्र में वाहन छोड़कर फरार हो गए।

बाद में स्थानीय लोगों ने दबिश देकर दो

संदिग्धों को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि दो अन्य आरोपी फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने वाहन को सिंगला नदी क्षेत्र से बरामद कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की पहचान कर जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

दक्षिणी जिला पुलिस को बड़ी सफलता, 100 से अधिक वाहन चोरी की वारदातों में शामिल शातिर ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 100 से अधिक वाहन चोरी की वारदातों में शामिल एक कुख्यात ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस तथा चोरी की गई नौ मोटरसाइकिल और स्कूटर बरामद किए गए हैं।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरज कुमार उर्फ मन्नीकांत उर्फ मणि (30 वर्ष) निवासी जिला बांका, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ वाहन चोरी, लूटपाट, झपटमारी, चोरी का सामान रखने तथा आर्म्स एक्ट से जुड़े 51 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं पुलिस अधिकारियों के अनुसार दक्षिणी जिले में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं की जांच के दौरान विभिन्न घटनास्थलों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जांच में एक ही व्यक्ति कई वारदातों में दिखाई दिया। तकनीकी निगरानी, स्थानीय सूचना तंत्र और गुप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह नवंबर 2025 में जेल से बाहर आने के बाद फिर से वाहन चोरी की वारदातों में सक्रिय हो गया था।

वह लगभग रोजाना मोटरसाइकिल और स्कूटर चोरी कर उन्हें हरियाणा के मेवात क्षेत्र में बेच देता था।पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई नौ मोटरसाइकिल एवं स्कूटर बरामद किए हैं। इसके अलावा उसके कब्जे से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है। इस गिरफ्तारी और बरामदगी से वाहन चोरी के कुल 14 मामलों का खुलासा हुआ है, जिनमें दिल्ली के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज मामले शामिल हैं।जांच के दौरान आरोपी ने यह भी बताया कि वह चोरी के वाहनों को मेवात निवासी राशिद नामक व्यक्ति के माध्यम से ठिकाने लगाता था। पुलिस ने इस रिसीवर की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का मानना है कि इससे वाहन चोरी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकता है। इस कार्रवाई को एएटीएस दक्षिणी जिला की टीम ने इंस्पेक्टर उमेश यादव के नेतृत्व तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (ऑपरेशन) अरविंद कुमार की निगरानी में अंजाम दिया। टीम में एसआई नवदीप, एएसआई देशराज, एचसी राजकुमार, एचसी संदीप, एचसी रघुवेंद्र, एचसी अमित, कांस्टेबल अरविंद, कांस्टेबल मंदिर और कांस्टेबल हरीश शामिल रहे।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अनंत मित्तल ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी के वाहनों की बरामदगी दक्षिणी जिला पुलिस की तकनीकी जांच, खुफिया तंत्र और सतत निगरानी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वाहन चोरी और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है और पुलिस वाहन चोरी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

घरेलू हिंसा केस में विधायक राजा भैया को दिल्ली HC से झटका, कहा- समन सही; अब क्या कोर्ट में पेश होना होगा?

» दिल्ली हाई कोर्ट ने राजा भैया के समन को सही ठहराया

» घरेलू हिंसा मामले में पत्नी भानवी कुमारी सिंह ने केस किया

» विशेष अदालत को सुनवाई का अधिकार, हाई कोर्ट ने कहा

नई दिल्ली। कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह ऊर्फ राजा भैया के खिलाफ पत्नी भानवी कुमारी सिंह द्वारा दायर घरेलू हिंसा के एक मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन को दिल्ली हाई कोर्ट ने सही ठहराया है।

हाई कोर्ट ने राउज एवेन्यू की सांसद-विधायक के लिए तय कोर्ट, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत एक सक्षम मजिस्ट्रेट कोर्ट बनी रहेगी और मौजूदा विधायकों के विरुद्ध केस की सुनवाई कर सकती है। रघुराज प्रताप सिंह ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि सांसदों/विधायकों के लिए नामित विशेष अदालत के पास घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत दायर इस मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र नहीं है।

ग्रीष्मावकाश में मुख्यालय में उपस्थिति एवं फोन चालू रखने के आदेश पर शिक्षकों में रोष, आदेश वापस लेने की मांग तेज

● परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार प्रदेश ने शिक्षा मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग को भेजा मांग पत्र।

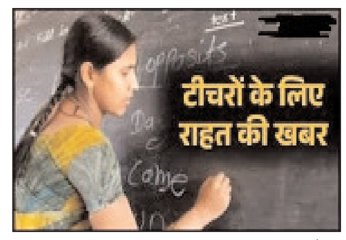

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। शिक्षा विभाग द्वारा ग्रीष्मावकाश अवधि में शिक्षकों को मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने एवं मोबाइल फोन चालू रखने संबंधी जारी निर्देश के खिलाफ शिक्षकों के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार प्रदेश ने शिक्षा मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर उक्त आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है। महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने कहा कि जब विभाग ने पूर्व निर्धारित अवकाश तालिका के अनुसार ग्रीष्मावकाश घोषित किया है, तो उसी अवधि में शिक्षकों को मुख्यालय में उपस्थित रहने के लिए बाध्य करना विरोधाभासी एवं अव्यावहारिक है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि शिक्षकों को अवकाश का वास्तविक लाभ ही नहीं मिलना है, तो फिर ग्रीष्मावकाश घोषित करने का औचित्य क्या है?

महासंघ ने अपने पत्र में कहा है कि ग्रीष्मावकाश की तिथियां पहले से निर्धारित रहती हैं और अधिकांश शिक्षक इस अवधि में अपने परिवार के साथ समय बिताने, सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन तथा मानसिक एवं शारीरिक पुनर्स्थापन की योजनाएं बनाते हैं। ऐसे में अचानक जारी आदेश शिक्षकों के वैध अधिकारों एवं व्यक्तिगत जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप के समान है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिक्षक पूरे वर्ष शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करते हैं। ग्रीष्मावकाश उनके लिए विश्राम और परिवार के साथ समय बिताने का एकमात्र अवसर होता है। अवकाश अवधि में मुख्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश शिक्षकों के मनोबल को प्रभावित करने वाला है।

परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ ने विभाग से शिक्षकों की भावनाओं एवं व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए आदेश को अविलंब वापस लेने की मांग की है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो संगठन लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग एवं बिहार सरकार की होगी। महासंघ ने अपने पत्र के अंत में यह भी कहा है कि 'यदि ग्रीष्मावकाश वास्तव में अवकाश है तो शिक्षकों को उसका लाभ मिलना चाहिए, और यदि मुख्यालय में उपस्थिति अनिवार्य है तो फिर अवकाश घोषित करने का औचित्य क्या है?

पढ़ाई के साथ ऑटो चलाकर परिवार का सहारा बनी असम की छात्रा, बनी प्रेरणा

● असम की छात्रा संघर्ष और आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी अनामिका चौधरी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि असम श्रीभूमि जिले के श्रीकोना क्षेत्र की रहने वाली अनामिका चौधरी पूर्वोत्तर भारत से एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जहाँ एक युवा छात्रा शिक्षा के साथ-साथ अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी संभाल रही है। अनामिका चौधरी वर्तमान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और साथ ही ऑटो-रिक्शा चलाकर अपने परिवार के भरण-पोषण में सहायता कर रही हैं।

श्रीभूमि जिले के श्रीकोना क्षेत्र की रहने वाली अनामिका सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपने अध्ययन को लगातार जारी रखे हुए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, वह दिन में अपनी पढ़ाई पर ध्यान देती हैं और खाली समय में ऑटो चलाकर आय अर्जित करती हैं। उनका यह संघर्षपूर्ण जीवन अब स्थानीय स्तर से आगे बढ़कर एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

मुख्य बिंदु

» असम की छात्रा पढ़ाई के साथ ऑटो चला रही हैं

» परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी निभा रही हैं

» शारीरिक श्रम और शिक्षा का संतुलन बना रही हैं

» स्थानीय लोगों के लिए बनी प्रेरणा

» पढ़ाई के साथ ऑटो चलाकर परिवार का सहारा बनी असम की छात्रा

» संघर्ष और आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी अनामिका चौधरी

» किताबों के साथ सड़क पर मेहनत, प्रेरणा बनी युवा छात्रा।

विवाहिता की मौत पर बवाल, सड़क जाम के बाद पति गिरफ्तार

● तीसरे दिन दोपहर बाद विवाहित महिला का किया अंतिम संस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही-खीरी। फरदहिया गांव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने सोमवार को बड़ा रूप ले लिया। परिजनों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपी पति की गिरफ्तारी और मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर शव सड़क पर रखकर धरना-प्रदर्शन किया। कई घंटों तक चले हंगामे और सड़क जाम के बाद पुलिस ने हत्या व दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद करीब तीसरे दिन दोपहर बाद विवाहिता का अंतिम संस्कार कराया गया। जानकारी के अनुसार, फरदहिया गांव निवासी बबिता देवी (22) का विवाह करीब एक वर्ष पूर्व धौरहरा क्षेत्र के राजापुर निवासी लवकुमार के साथ हुआ था। परिजनों के मुताबिक बबिता गुरुवार को मायके आई थी और शुक्रवार को उसका पति भी ससुराल पहुंच गया था। शनिवार सुबह गांव के बाहर खेत में बने एक बंगले में बबिता का शव फंदे से लटका मिला।

मृतका की मां और बाबा ने आरोप लगाया कि पति ने बबिता की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया और मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचने पर परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने घर पर शव रखकर धरना शुरू कर दिया और आरोपी की गिरफ्तारी तथा दहेज हत्या की धाराएं बढ़ाने की मांग करने लगे। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी निघासन शिवम कुमार और थाना प्रभारी दिलीप कुमार चौबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन परिजन कार्रवाई होने तक अंतिम संस्कार के लिए तैयार नहीं हुए।

सोमवार को मामला और गरमा गया। परिजनों व ग्रामीणों ने सिंगाही-नौबना मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। हालात बिगड़ते देख निघासन, तिकुनियां और पढ़ुआ सर्किल की पुलिस भी मौके पर बुला ली गई। काफी समझाने-बुझाने के बावजूद परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे। स्थिति गंभीर होने पर अपर पुलिस अधीक्षक पवन

गौतम मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों से वार्ता कर निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ हत्या और दहेज उत्पीड़न की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। सीओ निघासन शिवम कुमार के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने देर रात आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी और मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिलने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। पुलिस की मौजूदगी में विवाहिता का अंतिम संस्कार कराया गया। सीओ निघासन शिवम कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर हत्या और दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की विवेचना की जा रही है गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई थानों की पुलिस तैनात रही।

अम्बेडकर नगर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 18.752 किलोग्राम गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अम्बेडकर नगर थाना पुलिस की इस कार्रवाई में कुल 18.752 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से अंतरराज्यीय स्तर पर संचालित एक नशा आपूर्ति नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा उजागर हुआ है।पुलिस के अनुसार, 29 मई को मदनगीर क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान थाना अम्बेडकर नगर की टीम ने बीआरटी रोड स्थित चौहान स्वीट्स के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में बैग लेकर घूमते देखा। पुलिस द्वारा की गई जांच में उसके बैग से गांजा के दो पैकेट बरामद हुए। इसके बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार महिला की पहचान निशा (38) निवासी डाबड़ी एक्सटेंशन के रूप में हुई। पूछताछ और मोबाइल फोन की तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस को नशा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गौतम (19) को मोती नगर के सुदर्शन पार्क क्षेत्र से तथा नरेश (35) को एक विशेष छापेमारी अभियान के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में तीनों आरोपियों के कब्जे से कुल 18.752 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इनमें निशा से 4.129 किलोग्राम, गौतम से 9.623 किलोग्राम तथा नरेश से 4.742 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि नरेश के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि निशा एक आबकारी अधिनियम के मामले में शामिल रह चुकी है। गौतम के खिलाफ फिलहाल कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में एसआई रामफूल, एचसी राजकुमार, एचसी अशोक, कांस्टेबल संजय, कांस्टेबल श्रीराम और महिला कांस्टेबल कामिनी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने टीम की सतर्कता, तकनीकी निगरानी और

पेशेवर जांच की सराहना की है।दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अनंत मित्तल ने बताया कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।फिलहाल पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और पूरे सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं।